राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 107

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, मंगलवार, 24 सितंबर, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

काल ड्राप दर कम करने के लिए हर टावर की होगी निगरानी

>> 10

लोगों की बर्बादी का जरिया बनी बेलगाम आनलाइन सट्टेबाजी

विशेष सीरीज (किस्त-1)

पढ़ें पेज नं. 6

चाइल्ड पोर्न देखना और डाउनलोड करना पोक्सो के तहत अपराध

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया महत्वपूर्ण दूरगामी निर्णय, संसद को कानून में संशोधन का दिया सुझाव

माला दीक्षित ● जागरण

- कहा- 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' की जगह 'बाल यौन उत्पीड़न और शोषणकारी सामग्री' कहा जाए
- सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मद्रास हाई कोर्ट के निर्णय को किया रद
- हाई कोर्ट ने कहा था, चाइल्ड पोर्न सामग्री को सिर्फ डाउनलोड करना व देखना अपराध नहीं

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिए एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि चाइल्ड पोर्न सामग्री डाउनलोड करना, देखना, संग्रह करना बाल यौन उत्पीड़न संरक्षण कानून (पोक्सो) और इनफारमेशन टेक्नोलाजी (आइटी) कानून के तहत अपराध है, भले ही उसे आगे प्रसारित न किया गया हो। शीर्ष अदालत ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी को अपराध मानने वाले पोक्सो और आइटी कानून के विभिन्न प्रविधानों की व्याख्या करते हुए मद्रास हाई कोर्ट का वह आदेश रद कर दिया जिसमें हाई कोर्ट ने कहा था कि चाइल्ड पोर्न सामग्री सिर्फ डाउनलोड करना व देखना पोक्सो और आइटी कानून के तहत अपराध नहीं है।

सेक्स एजुकेशन और पोक्सो कानून के प्रति जागरूकता पर बल देते हुए शीर्ष अदालत ने कुछ सुझाव दिए हैं और केंद्र सरकार को इस संबंध में जरूरी कदम उठाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो कानून में 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' शब्द के प्रयोग पर आपत्ति जताते हुए संसद को सुझाव दिया है कि वह पोक्सो कानून में संशोधन कर 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' की जगह 'बाल यौन उत्पीड़न और शोषणकारी सामग्री' शब्द प्रयोग करने पर गंभीरता से विचार करे ताकि ऐसे अपराधों की वास्तविकता को सटीकता से प्रदर्शित किया जा सके। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि तब तक के लिए वह अध्यादेश जारी कर इस संबंध में संशोधन लाने पर विचार करे। शीर्ष अदालत ने अदालतों से भी अपने आदेशों व फैसलों में ऐसा करने को कहा है।

दूरगामी परिणाम वाला यह महत्वपूर्ण फैसला प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पार्डीवाला की पीठ ने सुनाया है। पीठ ने मोबाइल पर चाइल्ड पोर्न संग्रह करने और देखने के आरोपित के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा निरस्त करने का मद्रास हाई कोर्ट का 11 जनवरी, 2024 का आदेश खारिज करते हुए उसके विरुद्ध सत्र अदालत में लंबित मुकदमा बहाल कर दिया है। यानी आरोपित को अब पोक्सो और आइटी कानून के तहत चाइल्ड पोर्नोग्राफी से संबंधित सामग्री रखने और देखने के लिए आपराधिक मुकदमे का सामना करना होगा। इस मामले में बाल संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले पांच गैरसरकारी संगठनों ने मिलकर 'जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रन अलायंस' नाम से याचिका दाखिल कर हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। तमिलनाडु के इस मामले में न सिर्फ पोक्सो और आइटी कानून के तहत आरोपित के विरुद्ध एफआइआर दर्ज हुई थी, बल्कि जांच पूरी होकर आरोपपत्र भी दाखिल हो चुका था, लेकिन हाई कोर्ट ने आरोपित की मामला रद करने की याचिका स्वीकार करते हुए केस निरस्त कर दिया था।

(सुप्रीम कोर्ट ने यौन शिक्षा कार्यक्रम लागू करने का दिया सुझाव: पेज-3)

पोक्सो एक्ट के तहत अपराध के तीन पहलू बताए

सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो एक्ट की धारा-15 के तहत अपराध के तीन पहलुओं का भी हवाला दिया। इस एक्ट की धारा-15(1) चाइल्ड पोर्न सामग्री रखे जाने से संबंधित है, जिसमें न्यूनतम पांच हजार और अधिकतम 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रविधान है। धारा-15(2) प्रसार के लिए चाइल्ड पोर्न सामग्री रखने से संबंधित है। इस अपराध के लिए तीन वर्ष तक सजा या जुर्माना या दोनों का प्रविधान है। धारा-15(3) वाणिज्यिक लाभ के लिए ऐसी सामग्री के प्रयोग से संबंधित है और पहली बार इसके लिए तीन से पांच वर्ष तक की सजा या जुर्माना या दोनों का प्रविधान है। दोबारा अपराध करने वालों के लिए जुर्माने के साथ पांच से सात वर्ष तक की सजा का प्रविधान है। आइटी कानून के संबंध में शीर्ष कोर्ट ने कहा, इसकी धारा-67बी व्यापक है और इसे बच्चों के आनलाइन शोषण व दुर्व्यवहार के विभिन्न इलेक्ट्रानिक प्रारूपों से निपटने व दंडित करने के लिए बनाया गया है।

मानसिकता जांचने के लिए स्टोरेज साबित करना होगा

चाइल्ड पोर्न सामग्री रखने वाले की पोक्सो कानून की धारा-15 में आपराधिक मानसिकता जांचने के बारे में कोर्ट ने कहा कि अभियोजन को पहले उसके पास चाइल्ड पोर्न सामग्री का स्टोरेज साबित करना होगा और यह साबित करना होगा कि आरोपित व्यक्ति उस सामग्री को नष्ट करने, डिलीट करने या उसकी रिपोर्ट करने में नाकाम रहा। 200 पृष्ठों के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इंटरनेट पर चाइल्ड पोर्न सामग्री को किसी उपकरण पर स्टोर किए बिना देखने, वितरित करने या इंटरनेट पर प्रदर्शित करने का कोई भी कार्य पोक्सो अधिनियम की धारा-15 के अनुसार सामग्री रखना माना जाएगा।

भारत ने एक बार फिर बच्चों को इस अंतरराष्ट्रीय और संगठित अपराध से बचाने व उनकी सुरक्षा के लिए रूपरेखा तैयार करके विश्वस्तर पर मार्ग प्रशस्त किया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समाज, अपराध एवं बाल अधिकारों पर दीर्घकालिक एवं वैश्विक प्रभाव पड़ेगा।

- भुवन रिभु, जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रन अलायंस के संस्थापक एवं याचिकाकर्ता

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा

- सिर्फ चाइल्ड पोर्न सामग्री को रखना अपूर्ण अपराध है और भले ही इसे आगे प्रसारित न किया जाए तो भी उसे पोक्सो के तहत अपराध माना जाएगा।
- चाइल्ड पोर्नोग्राफी के कानूनी एवं नैतिक परिणामों के बारे में जानकारी समेत व्यापक सेक्स एजुकेशन कार्यक्रमों से संभावित अपराधियों को रोकने में मदद मिल सकती है।
- सार्वजनिक अभियानों के जरिये बाल यौन शोषण सामग्री की वास्तविकताओं एवं उसके परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाने से इसका प्रचलन कम करने में मदद मिल सकती है।
- स्कूल प्रारंभिक पहचान और कार्रवाई में अहम भूमिका निभा सकते हैं और छात्रों को स्वस्थ संबंधों, सहमति व उचित व्यवहार के बारे में शिक्षित करने वाले स्कूल-आधारित कार्यक्रमों के जरिये समस्या वाले यौन व्यवहार (पीएसबी) को रोकने में मदद मिल सकती है।
- बाल यौन शोषण सामग्री बच्चों की गरिमा कम करती है, उन्हें यौन संतुष्टि की वस्तु बनाती है, मानवता का हनन करती है व मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।
- यौन अपराधों की घटनाओं को कम करने के लिए सेक्स एजुकेशन के लाभों की व्यापक समझ को बढ़ावा देना जरूरी है।
- बच्चों का यौन शोषण एक व्यापक व गहरी पैठ रखने वाला मुद्दा है जिसने दुनियाभर के समाजों को परेशान किया है और भारत में भी गंभीर चिंता का विषय रहा है।

संपादकीय

राहुल की आत्मघाती आक्रामकता: राहुल गांधी को समझना होगा कि भारत का जनमानस शिष्ट आचरण, तर्कसंगत विचार और शालीन भाषा पसंद करता है। **डा. एके वर्मा** का आकलन।

मुसलमानों को फिर से डराने की साजिश: वक्फ संशोधन विधेयक से केवल उन्हीं को दिक्कत हो सकती है, जो वक्फ संपत्तियों को निजी जागीर मान बैठे हैं। **मुख्तार अब्बास नकवी** का आलेख।

● पेज-8

विमर्श

ब्याज दरों में कटौती का आर्थिकी पर असर: अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व (फेड) ने हाल ही में ब्याज दरों में 50 आधार अंक की कटौती की है। इससे डालर की तुलना में रुपया भी मजबूत होगा, जो भारत जैसे आयातोन्मुखी देश के लिए वरदान साबित होगा। **राहुल लाल** का आलेख।

...और 17 वर्ष बाद 17 को दोहराया इतिहास: इतिहास स्वयं को दोहराता है। यह उक्ति एक बार फिर बंगाल में प्रमाणित हुई है, क्योंकि 17 वर्ष पहले और 17 तारीख को ही हुई घटना इस तरह से एक बार फिर लोगों के सामने आएगी, यह शायद किसी ने भी नहीं सोचा होगा। **जयकृष्ण वाजपेयी** की डायरी।

● पेज-9

सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

संबंधों की कुंजी श्रद्धा, सम्मान और स्नेह

भक्त को हृदय में स्थान देते हैं भगवान

● पेज-13

जागरण विशेष

गन्ने के छिलके से तैयार इलेक्ट्रोड घटाएगा प्रदूषण

कानपुर: चिकित्सा से लेकर विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरणों में प्रयोग होने वाले इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर के लिए आइआइटी विज्ञानियों ने गन्ने के छिलके पर स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड तैयार किया है। यह पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल है, जो प्रदूषण कम करने में मदद करेगा।

● पेज-14

पीड़िता ने आपरेशन थियेटर में रंगरेलियां मना रहे डाक्टरों का बनाया था वीडियो

कोलकाता: कोलकाता की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी के मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने दावा किया है कि आरजी कर अस्पताल के आपरेशन थियेटर में डाक्टर अक्सर रंगरेलियां मनाया करते थे। शराब की पार्टी चलती थी, जिसमें प्रशिक्षु या स्नातकोत्तर प्रशिक्षु युवतियों को आमंत्रित किया जाता था। संयोग से पीड़िता ने अपने स्मार्टफोन से डाक्टरों की मौज-मस्ती का वीडियो बना लिया था।

(पेज-5)

महाराष्ट्र के बदलापुर यौन उत्पीड़न कांड का आरोपित मुठभेड़ में ढेर

- तलोजा जेल से ठाणे ले जाते समय आरोपित ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर किया हमला
- पुलिस ने भी की जवाबी कार्रवाई, घायल सहायक पुलिस निरीक्षक को अस्पताल में कराया गया भर्ती

बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले के आरोपित अक्षय शिंदे की पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में तैनात पुलिसकर्मी। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो मासूम बच्चियों के यौन उत्पीड़न के मामले के मुख्य आरोपित अक्षय शिंदे की सोमवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मौत हो गई। उसकी सुरक्षा में चल रहे सहायक पुलिस निरीक्षक नीलेश मोरे भी गोली लगने से घायल हो गए। उनका इलाज चल रहा है।

सोमवार की शाम यह घटना मुंब्रा बाईपास के पास उस समय घटी, जब आरोपित को तलोजा जेल से ठाणे ले जाया जा रहा था। गोली लगने के बाद आरोपित को कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस आरोपित को उसकी पूर्व पत्नी द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न मामले की जांच के लिए ले जा रही थी।

राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस की जवाबी गोलीबारी में आरोपित के मारे जाने की पुष्टि की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जब अक्षय शिंदे को एस्कार्ट किया जा रहा था, इसी दौरान उसने एक पुलिसकर्मी के पिस्टल को छीन लिया और उसे गोली मारकर घायल कर दिया। एस्कार्ट टीम की जवाबी फायरिंग में उसे भी गोली लग गई। फडणवीस ने कहा कि मेरे पास जो प्रारंभिक जानकारी है, उसके अनुसार आरोपित पुलिस की जवाबी गोलीबारी में मारा गया है।

अक्षय शिंदे को एक अगस्त को शौचालय साफ करने के लिए अनुबंध के आधार पर बदलापुर के एक स्कूल में काम पर रखा गया था। नौकरी पर आने के 10 दिनों के भीतर ही उसने अलग-अलग दिनों में दो बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया था। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने बदलापुर उपनगरीय स्टेशन पर प्रदर्शन किया था। इसके बाद ठाणे पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया गया। एसआइटी ने अदालत के समक्ष आरोपपत्र दायर कर दिया है।

सोमवार को हुई इस घटना के बाद विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वास्तव में क्या हुआ है। मैं मुंबई में नहीं हूं। विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी ने मुठभेड़ पर संदेह जताते हुए महायुति सरकार पर तीखा हमला किया है। विपक्ष की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह वही विपक्ष है जिसने मांग की थी कि अक्षय शिंदे को फांसी पर लटकाया जाए।

सुलतानपुर डकैती में वांछित एक लाख का इनामी मुठभेड़ में ढेर पेज>>6

मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में, युद्ध के मैदान में नहीं: मोदी

संयुक्त राष्ट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में निहित है, युद्ध के मैदान में नहीं। जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय दुनिया के भविष्य पर चर्चा कर रहा है, तो सर्वोच्च प्राथमिकता "मानव-केंद्रित दृष्टिकोण" को दी जानी चाहिए।

वैश्विक संघर्षों की पृष्ठभूमि में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष...संघर्ष के नए क्षेत्र बनकर उभर रहे हैं। आतंकवाद पहले से वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। अब समय आ गया है कि वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा के अनुरूप होनी चाहिए।

(पेज-3)

सीएम आतिशी को पहला आदेश ही लेना पड़ा वापस

- मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए एसीएस स्तर के अधिकारी की नियुक्ति का दिया था आदेश
- राजनिवास ने की आपत्ति, कहा, प्रधान सचिव स्तर तक के अफसर की ही हो सकती है नियुक्ति

दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री का पदभार संभालती आतिशी साथ में खाली पड़ी कुर्सी। ध्रुव कुमार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को अपना कार्यभार तो संभाल लिया, लेकिन बतौर मुख्यमंत्री दिया गया अपना पहला हस्ताक्षरित आदेश उन्हें कुछ ही घंटों में वापस लेना पड़ा। अब इस आदेश को जल्द ही नए सिरे से दोबारा जारी किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को शपथ लेने के ठीक बाद आतिशी ने 1994 बैच के एक आइएएस अधिकारी को शीर्ष वेतनमान (वेतन स्तर 17) में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया था। एलजी की स्वीकृति के लिए जब यह आदेश राजनिवास पहुंचा, तो उन्हें बताया गया कि उनके निजी स्टाफ में सेवा देने के लिए एसीएस स्तर का कोई स्वीकृत पद ही नहीं है। सीएम प्रधान सचिव स्तर के अधिकारी को ही नियुक्त कर सकती हैं। इस पर आतिशी ने एलजी की मंजूरी के लिए राजनिवास भेजा गया अपना नोट वापस ले लिया। बताया गया कि आतिशी ने आदेश जारी करने से पहले उस अधिकारी से भी मशविरा नहीं किया था, जिन्हें वह अपना एसीएस बनाना चाह रही थीं। यदि ऐसा होता, तो शायद उन्हें नियमों की जानकारी मिल गई होती और अप्रिय स्थिति से बच जातीं।

सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठीं आतिशी, भाजपा व कांग्रेस ने घेरा पेज>>2

इजरायल के हमलों से दहला लेबनान, 356 मरे

- मृतकों में हिजबुल्ला लड़ाकों के साथ नागरिकों की बड़ी संख्या
- 1000 से ज्यादा घायल, हिजबुल्ला के 800 ठिकाने बने निशाना

इजरायल द्वारा सोमवार को किए गए जबर्दस्त हवाई हमले के बाद दक्षिणी लेबनान से उठता धुएं का गुबार। रायटर

बेरूत, रायटर : इजरायल ने सोमवार को लेबनान पर हवाई हमलों की झड़ी लगा दी। परिणामस्वरूप कुछ ही घंटों के भीतर 356 हिजबुल्ला लड़ाके और लेबनानी नागरिक मारे गए जबकि 1024 घायल हुए हैं। मारे गए लोगों में 31 महिलाएं और 21 बच्चे शामिल हैं। इजरायल ने कहा है कि उसने हिजबुल्ला के 800 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया है, वहां से इजरायल पर हमले किए जाते थे या फिर वहां हमले की तैयारी की जाती थी। रविवार को इजरायल ने हिजबुल्ला के 400 ठिकानों पर हमले का दावा किया था।

2006 में हुए इजरायल और हिजबुल्ला के युद्ध के बाद के दोनों पक्षों के संघर्ष में लेबनान के लिए सोमवार (23 सितंबर) का दिन सबसे ज्यादा खूनखराबे वाला रहा। हमास के समर्थन में साल भर पहले हिजबुल्ला की छेड़ी लड़ाई अब उस पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ताजा कार्रवाई हिजबुल्ला के हजारों राकेटों और मिसाइलों को नष्ट करने के लिए की गई थी। वहीं, इजरायली रक्षा मंत्री योएव गैलेंट ने कहा है कि हम लेबनान में भीतर तक हमले कर रहे हैं।

लेबनानी नागरिकों को अब युद्ध छिड़ने का भय सताने लगा है पेज>>11

हाइफा को आजाद कराने वाले भारतीय सैनिकों का श्रद्धांजलि समारोह रद पेज>>11

जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण के लिए थमा चुनाव प्रचार, मतदान कल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू : जम्मू-कश्मीर विधानसभा के दूसरे चरण के लिए 26 सीट पर होने वाले मतदान के लिए सोमवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। इस दौरान पाकिस्तान से लेकर अलगाववादी सियासत और विकास के नारे खूब छाए रहे। पीएम नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और नेकां के उमर-फारूक अब्दुल्ला ने प्रचार में पूरा जोर लगाया। बुधवार, 25 सितंबर को छह जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, गांदरबल, श्रीनगर और बड़गाम के 25.78 लाख मतदाता 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक हमीद करा सहित कई दिग्गज चुनावी मैदान में हैं।

उपलब्धि

29 फिल्मों की सूची में फिल्म फेडरेशन आफ इंडिया ने किया चयन, किरण राव ने कहा- यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगी

आस्कर में नजर आएंगी 'लापता लेडीज'

- अभिनेता रवि किशन ने कहा, यह फिल्म केवल नामित ही नहीं हुई, आस्कर जीतेगी भी

'लापता लेडीज' को आस्कर के लिए नामित किए जाने के बाद सोमवार को मुंबई में मीडिया से बात करतीं फिल्म निर्देशक किरण राव। प्रेट्र >>

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

फिल्म निर्देशक किरण राव की 'लापता लेडीज' को आस्कर में भारत की ओर से आधिकारिक एंट्री मिल गई है। लैंगिक असमानता और ग्रामीण भारत के सरल स्वरूप पर गुदगुदाने वाली फिल्म 'लापता लेडीज' 97वें अकादमी पुरस्कार में विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि होगी। फिल्म फेडरेशन आफ इंडिया के अध्यक्ष और निर्देशक जानू बरूआ ने यह घोषणा की।

सोमवार को 13 सदस्यीय इस समिति ने 29 फिल्मों की सूची में से 'लापता लेडीज' को चुना है, जिसमें रणबीर कपूर की 'एनिमल', राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मलयालम फिल्म 'आट्टम' और कान फिल्म फेस्टिवल विजेता 'आल वी इमेजिन ऐज लाइट' शामिल हैं। लापता लेडीज फिल्म का निर्माण किरण के साथ उनके पूर्व पति और अभिनेता आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया। आस्कर में फिल्म की आधिकारिक एंट्री पर किरण ने चयन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सिनेमा हमेशा से दिलों को जोड़ने और सार्थक बातचीत को प्रज्वलित करने का शक्तिशाली माध्यम रहा है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म भारत जैसे दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगी।' लापता लेडीज में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

आमिर ने किरण राव की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उनके काम के लिए गर्व महसूस कर रहे हैं। वहीं, भाजपा सांसद व अभिनेता रवि किशन काफी उत्साहित हैं। वह इस उपलब्धि को अपनी ही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धि भी मान रहे हैं। वह विश्वास जता रहे हैं कि यह फिल्म केवल नामित ही नहीं हुई, आस्कर जीतेगी भी।

एक नजर आस्कर में भारत के अब तक के प्रदर्शन पर पेज>>10

97वें अकादमी पुरस्कार अगले साल नौ मार्च को आयोजित होंगे

97वें अकादमी पुरस्कार नौ मार्च 2025 को आयोजित होंगे। सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म पुरस्कार के लिए पांच फिल्मों को शार्टलिस्ट किया जाएगा। विप्लव गोस्वामी की लिखी कहानी अनजाने में दो दुल्हनों की अदला-बदली पर आधारित है। फिल्म में महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, जैविक खेती जैसे मुद्दों के साथ उनकी मनोदशा को चित्रित किया है। इसे गत वर्ष टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित किया गया था। भारतीय सिनेमाघरों में एक मार्च 2023 को प्रदर्शित इस फिल्म को सभी ने सराहा। नवोदित कलाकारों संग बनी इस फिल्म ने 20.24 करोड़ रुपये कमाए थे।

मप्र में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर लगाने में एक गिरफ्तार, एजेंसियां जांच में जुटीं

- सिमी के सक्रिय केंद्र खंडवा का रहने वाला है गिरफ्तार गैंगमैन मो. साबिर
- 18 सितंबर को विस्फोट होने से लोको पायलट ने रोकी थी विशेष ट्रेन

नईदुनिया प्रतिनिधि, खंडवा

मध्य प्रदेश में खंडवा-बुरहानपुर रेलवे ट्रैक पर 18 सितंबर को सागफटा स्टेशन के पास डेटोनेटर रखने के मामले में आरपीएफ ने 38 वर्षीय गैंगमैन मो. साबिर को गिरफ्तार किया है। सिमी के सक्रिय केंद्र खंडवा निवासी साबिर पर रेलवे के डेटोनेटर चुराने का केस दर्ज किया गया है। सेना की विशेष ट्रेन को डिरेल करने की साजिश रचने की आशंका के चलते रेलवे, आइबी, एनआइए जैसी एजेंसियां जांच में जुटी हैं। ज्ञात हो, जम्मू- कश्मीर से बेलगाम (कर्नाटक) जा रही ट्रेन में बड़ी संख्या में सैनिक, सेना के वाहन और बारूद लदा था।

मो. साबिर पर घटना के बाद से ही जांच एजेंसियों को संदेह था। दो दिन तक पूछताछ के बाद अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि एक्सपायर डेटोनेटर साबिर के पास कहां से पहुंचे। सेना की विशेष ट्रेन के नीचे इन्हें लगाने का उसका उद्देश्य क्या था। कोर्ट ने सोमवार को उसे 25 सितंबर तक आरपीएफ की रिमांड पर सौंप दिया है। ज्ञात हो, रेलवे ट्रैक पर विस्फोट होने के चलते लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया था।

रेलवे स्टेशनों की सीमा में शुरू हुआ 'आपरेशन कवच' पेज>>7

167 रहा सोमवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। इस गुणवत्ता वाली हवा को 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। हाल फिलहाल इस श्रेणी में बदलाव के आसार नहीं हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 24 सितंबर, 2024

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
24 सितंबर	37.0	26.0
25 सितंबर	35.0	26.0
नोएडा		
24 सितंबर	36.0	27.0
25 सितंबर	34.0	27.0
गुरुग्राम		
24 सितंबर	37.0	25.0
25 सितंबर	36.0	26.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

प्रदूषण रोधी विंटर एक्शन प्लान 25 को होगा जारी

नई दिल्ली : पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा कि प्रदूषण रोधी 21 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान बुधवार यानी 25 सितंबर को किया जाएगा। पहले यह प्लान 27 सितंबर को जारी किया जाना था, लेकिन 26 और 27 सितंबर को विधानसभा सत्र होने के कारण इसका शेड्यूल बदला गया है। इस मुद्दे पर रणनीति बनाने को पहले ही 33 विभागों के साथ बैठकें कर चुके हैं। (राब्यू, जागरण)

अमानतुल्लाह की हिरासत सात अक्टूबर तक बढ़ी

नई दिल्ली : राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान की न्यायिक हिरासत सात अक्टूबर तक बढ़ा दी है। ईडी ने अमानतुल्लाह को दो सितंबर को गिरफ्तार किया था और दलील दी थी कि अगर आरोपित को रिहा किया जाता है तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है और जांच में बाधा डाल सकता है। (जासं)

थरूर के खिलाफ मानहानि मामले का कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली : राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के खिलाफ मानहानि की शिकायत पर संज्ञान लिया। कहा कि याची की दलीलों और दस्तावेज के आधार पर प्रथमदृष्टया मानहानि का मामला बनता है। आदेश दिया कि चार अक्टूबर को मामले में शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए जाएंगे। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शशि थरूर पर आरोप लगाया है कि थरूर ने टीवी चैनल पर झूठे और अपमानजनक आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करते हुए कहा था कि वह तिरुअनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं को रिश्वत दे रहे थे। (जासं)

सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठीं आतिशी, भाजपा व कांग्रेस ने घेरा

भावना ▶ कहा- मेरे मन में भरत जैसी व्यथा, अन्य कुर्सी पर बैठकर चार महीने चलाऊंगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी सोमवार को पदभार ग्रहण करने के बाद उस कुर्सी पर नहीं बैठीं, जिस पर सीएम रहते हुए अरविंद केजरीवाल बैठते थे। उस कुर्सी को उन्होंने अपनी कुर्सी के बगल में खाली रखा है। आतिशी ने कहा कि जैसे भरत ने 14 साल भगवान श्रीराम की खड़ाऊ रखकर अयोध्या का शासन संभाला, वैसे ही मैं अगले चार महीने तक सरकार चलाऊंगी। उन्होंने कहा कि वह केजरीवाल के सम्मान में सीएम की कुर्सी को खाली छोड़कर एक अन्य कुर्सी पर बैठ कर सरकार चलाएंगी। आतिशी के कुर्सी पर नहीं बैठने को लेकर एक नया राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। भाजपा व कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे नियमों का उल्लंघन बताया है। हालांकि नियमों के जानकार इसे कोई उल्लंघन नहीं मानते हैं। दिल्ली विधानसभा के पूर्व सचिव एसके शर्मा कहते हैं कि संविधान में ऐसा कुछ वर्णित नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठने का फैसला राजनीतिक हो सकता है, मगर संविधान में इसका कोई जिक्र नहीं है।

पदभार ग्रहण करते हुए आतिशी ने कहा कि आज मैंने दिल्ली के सीएम का कार्यभार संभाला है। आज मेरे मन की वही व्यथा है, जो उस समय भरत के मन में रही होगी। भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उनकी जिंदगी हम सभी के लिए मर्यादा और नैतिकता की एक मिसाल है। उसी तरह केजरीवाल ने राजनीति में मर्यादा और नैतिकता की मिसाल रखी है। भाजपा ने उन पर झूठे मुकदमे लगाए और जेल में रखा। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी तो कहा कि उनकी गिरफ्तारी दुर्भावनापूर्ण थी। कोई और नेता होता तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने से पहले दो मिनट नहीं सोचता, लेकिन केजरीवाल ने कहा कि मैं तब तक इस कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक लोग मेरी ईमानदारी पर भरोसा नहीं दिखाते और उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया।

दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कार्यालय में पदभार संभाला। प्रेट्र

एक साल बाद सचिवालय पहुंचा कोई मुख्यमंत्री

आतिशी दिनभर अधिकारियों के साथ बैठकों में व्यस्त रहीं। फरवरी में चुनाव से पहले केजरीवाल की पहलों को पूरा करने की प्रतिबद्धता के साथ मुख्यमंत्री आतिशी के साथ उनके तीन मंत्रियों ने भी सचिवालय में अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभाल लिया। नई मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय में सरकार के प्रशासनिक और जन कल्याण मामलों पर चर्चा करने के लिए मुख्य सचिव धर्मेंद्र सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय के कर्मचारियों से भी मुलाकात की और लंबे समय से लंबित कुछ फाइलों को निपटाया। बता दें कि एक साल से अधिक समय के बाद कोई मुख्यमंत्री सोमवार को सचिवालय पहुंचा। इनसे पहले मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल 21 मार्च यानी पांच माह से अधिक समय से जेल में थे। उससे पहले भी करीब छह माह से उन्होंने सचिवालय जाना बंद कर दिया था। इसका कारण सीएम कार्यालय में चलने वाला पुनर्निर्माण था। मार्च 2021 में दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर संसद द्वारा पास किए गए संशोधित कानून के बाद केजरीवाल ने सचिवालय जाना कम कर दिया था।

कई मंत्रियों ने भी संभाले अपने-अपने कार्यभार

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी दिल्ली सचिवालय में कार्यभार संभाला। पदभार फिर से ग्रहण करने के बाद कैबिनेट की बैठक के बारे में पूछे जाने पर राय ने कहा कि अभी सब लोग बैठेंगे और फिर कार्य योजना बनाएंगे, उसके बाद कैबिनेट की बैठक तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले माह प्रदूषण की दृष्टि से बहुत संवेदनशील रहेंगे। इस दौरान हमारी एक ही प्राथमिकता सर्दियों में प्रदूषण कम करने की रहेगी। कैबिनेट में शामिल हुए नए चेहरे मुकेश अहलावत ने कहा कि यह उनके लिए खुशी और गम का मिलाजुला पल है, क्योंकि केजरीवाल अब दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि वह फिर से सीएम बनें। अहलावत ने कहा कि वह अपने अधीन आने वाले सभी पांच विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें विभिन्न कार्यों की समीक्षा करेंगे। अन्य मंत्री इमरान हुसैन ने भी कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि सभी लाभार्थियों को समय पर राशन मिले और उन्हें कोई परेशानी न हो। सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को ही कार्यभार संभाल लिया था। कैलाश गहलोत मंगलवार को कार्यभार संभालेंगे।

जेल से बेल पर आए आरोपित की तुलना प्रभु राम से करना दुर्भाग्यपूर्ण : देवेंद्र यादव

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने नवनियुक्त सीएम आतिशी द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय में एक कुर्सी खाली छोड़ने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोप में छह महीने जेल में रहकर आए पूर्व सीएम की मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से तुलना करना दुर्भाग्यपूर्ण है। आतिशी का यह कहना कि जिस प्रकार 14 साल के वनवास के बाद श्रीराम ने अयोध्या का शासन संभाला, चार महीने बाद अरविंद केजरीवाल सीएम की कुर्सी संभालेंगे, भी बचकाना है। दिल्ली की जनता को सिर्फ चार महीने ही आम आदमी पार्टी और केजरीवाल को झेलना है, रोज-रोज की नौटंकी से दिल्लीवासी परेशान हो चुके हैं। आतिशी ने मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाते हुए सभी हदें पार कर दी हैं। आतिशी से दिल्ली की जनता को जो कुछ उम्मीदें थीं, वो भी उनके इस अलोकतांत्रिक कदम से पूरी तरह धूमिल हो गई हैं।

सीएम पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई : सचदेवा

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : भाजपा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी पर संविधान के अपमान का आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं ने कहा, उनके पद संभालते ही राजनीतिक नाटक शुरू हो गया। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आतिशी ने मुख्यमंत्री पद की गरिमा के साथ ही दिल्लीवासियों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है। केजरीवाल को मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। क्या वह इसी तरह से रिमोट कंट्रोल से दिल्ली सरकार चलाएंगे?

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि संविधान का उल्लंघन करने वाली सरकार से दिल्लीवासियों को कोई उम्मीद नहीं है। समस्याओं के समाधान की जगह सरकार नाटक कर रही है। मुख्यमंत्री ने केजरीवाल के कहने पर कुर्सी खाली रखी है, क्योंकि वह पद जाने के बाद अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

फेज चार मेट्रो की नई चालक रहित मेट्रो ट्रेन जल्द पहुंचेगी दिल्ली

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

फेज चार के निर्माणाधीन तीन कारिडोर के लिए आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में बनाई जा रही नई मेट्रो ट्रेनों में से पहली ट्रेन सोमवार को दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को सौंप दी गई, जिसे सड़क मार्ग के जरिये कंटेनर ट्रक से दिल्ली रवाना कर दिया गया। फेज चार की नई ट्रेनें पूरी तरह चालक रहित स्वचालित होंगी।

फेज चार में करीब 65 किलोमीटर नेटवर्क के तीन मेट्रो कारिडोर का निर्माण चल रहा है, जिसमें जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम, मौजपुर-मजलिस पार्क और तुगलकाबाद-एरोसिटी कारिडोर शामिल है। जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कारिडोर वर्तमान मजेंटा लाइन और मौजपुर-मजलिस पार्क कारिडोर पिंक लाइन की विस्तार परियोजना है। तुगलकाबाद-एरोसिटी कारिडोर की पहचान गोल्डन लाइन के रूप में होगी। इन तीनों कारिडोरों के लिए डीएमआरसी ने नवंबर 2022 में छह कोच की 52 मेट्रो ट्रेनें (312 कोच) खरीदने का ठेका दिया था। मेक इन इंडिया के तहत इस वर्ष फरवरी में श्री सिटी में इन ट्रेनों का निर्माण शुरू हुआ था। इन ट्रेनों की अधिकतम गति 95 किमी प्रति घंटे होगी और 85 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से परिचालन हो सकेगा। पहली ट्रेन की चाबी मिलने के बाद डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने फेज चार की मेट्रो परियोजनाओं के लिए इसे महत्वपूर्ण बताया। बताया जा रहा है कि अक्टूबर में पहली ट्रेन के सभी छह कोच दिल्ली में पिंक लाइन के डिपो में पहुंच जाएंगे और उसके बाद ट्रायल किया जाएगा। बाकी नई ट्रेनें चरणबद्ध तरीके से दिल्ली पहुंचेंगी।

प्रतीकात्मक

मानहानि मामले में आतिशी और केजरीवाल को पेशी का समन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को उनके खिलाफ दायर मानहानि मामले में तीन अक्टूबर को पेशी का समन जारी किया है। अदालत अब आरोपों की दलीलों पर भी उसी दिन विचार करेगी।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तान्या बामनियाल ने आरोप और आरोपित व्यक्तियों की उपस्थिति में बहस के लिए तीन अक्टूबर की तारीख तय है। भाजपा नेता राजीव बब्बर ने वर्ष 2020 में आप नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने पिछले हफ्ते ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही के खिलाफ अपील खारिज कर दी थी। बब्बर ने केजरीवाल और अन्य आप नेताओं पर भाजपा को बदनाम करने का आरोप लगाया था। आप नेताओं का आरोप था कि दिल्ली की मतदाता सूची से कुल 30 लाख मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिनमें मुख्य रूप से वैश्य, मुस्लिम और अन्य समुदायों के लोग शामिल हैं।

एलजी ने 10 दिन में 'धूल मुक्त दिल्ली' अभियान चलाने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

एलजी वीके सक्सेना ने एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, एनडीएमसी व जलबोर्ड को 10 दिन में धूल मुक्त दिल्ली अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि ये अभियान वर्षभर चलाया जाए।

राजनिवास के अधिकारियों ने बताया कि एलजी ने धूल से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक समीक्षा बैठक की थी। पिछले तीन-चार दिनों से वर्षा बंद होने से सड़कों पर जमा मिट्टी और गाद हवा में उड़ रही है। इससे वायु-प्रदूषण बढ़ रहा है। ऐसे में एलजी ने एमसीडी और पीडब्ल्यूडी को सड़कों से धूल साफ करने, धूल को सड़क पर जमा न रहने देने और उसे निर्धारित डंपिंग स्थलों पर डालने के निर्देश भी दिए हैं। एलजी ने इस बात पर जोर दिया है कि बरसात होने पर भी सड़कों से मिट्टी व गाद हटाने का काम जारी रहना चाहिए, ताकि यह नालियों और सीवर लाइनों में जाकर गंदे पानी के फ्लो में रुकावट न बने।

पहले व बाद की तस्वीरें भेजनी होंगी: अधिकारियों ने बताया कि सभी विभागों और एजेंसियों को इस संबंध में अपनी टीमें तैनात करने और पहले व बाद की तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से किए गए कार्यों को रिकार्ड करने के लिए भी कहा गया है। एलजी सचिवालय को नियमित रूप से इन कार्यों की स्थिति की जानकारी दी जाएगी।

सराय काले खां मार्ग पर उड़ रही धूल में गुजरते वाहन। जागरण आर्काइव

मंत्री ने पहले ही अधिकारियों को दिए थे निर्देश : आप

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: नालों की सफाई को लेकर एलजी वीके सक्सेना ने कुछ दिन पहले यमुनापार के गोकुलपुर इलाके का दौरा कर नालों की सफाई को लेकर बयान दिए थे। इस पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आप ने कहा है कि यह बहुत अजीब है कि इसी मामले पर शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सभी विभागों की बैठक बुलाई थी, जिसमें सभी विभागाध्यक्ष और मुख्य सचिव को बुलाया पर मुख्य सचिव के न आने से बैठक नहीं हो सकी। नोट में मंत्री ने कहा था कि अभी वर्षा के कारण गाद गीली है, लेकिन जैसे ही वर्षा बंद होगी, यह गाद सूख जाएगी और धूल प्रदूषण में इजाफा करेगी। इसलिए वे अगले दो सप्ताह में इस गाद को हटाने की योजना तैयार करें।

डूसू चुनाव में प्रचार संबंधी सामग्री को लेकर जारी किए गए दिशानिर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में पोस्टर, बैनर से परिसर पटा होने के बाद चुनाव अधिकारी की ओर से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी की ओर से जारी इस अधिसूचना के अनुसार उम्मीदवारों को लिंगदोह समिति की सिफारिशों में उल्लेखित प्रविधानों और सीमाओं का पालन करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. सत्यपाल सिंह ने कहा कि डूसू चुनाव कार्यालय द्वारा बैनर, पोस्टर के प्रदर्शन और विभिन्न उम्मीदवारों द्वारा रैलियों और प्रचार के अन्य तरीकों में इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों की संख्या पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

उम्मीदवारों को ई-मेल के माध्यम से निर्देश दिया गया है कि उक्त मेल की प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर अपने नाम और मतपत्र संख्या वाले बैनर और मुद्रित पोस्टर हटाए जाएं, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। डूसू चुनाव 2024-25 लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों को आचार संहिता- लिंगदोह समिति के दिशा-निर्देशों, एनजीटी के आदेश, दिल्ली संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम 2007 (दिल्ली अधिनियम 1, 2009) (जैसा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा द्वारा 31 मार्च 2008 को पारित किया गया) (17 जनवरी 2009) और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में संपत्तियों के विरूपण की रोकथाम और उससे जुड़े या उसके प्रासंगिक मामलों के लिए अधिनियम को डूसू चुनावों में कड़ाई से पालन करने की सलाह दी गई है। कोई भी उल्लंघन होने पर अयोग्यता और दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

डीयू नार्थ कैंपस में डूसू चुनाव के प्रचार के दौरान छात्रों द्वारा उड़ाए गए पंपलेट। ध्रुव कुमार

एम्स के प्रवेश गेट पर इमरजेंसी बेड की स्थिति होगी प्रदर्शित

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : एम्स के प्रवेश गेट पर डिस्प्ले बोर्ड पर इमरजेंसी वार्ड में उपलब्ध व खाली बेड की स्थिति प्रदर्शित की जाएगी। एम्स के निदेशक डा. एम श्रीनिवास ने 31 अक्टूबर तक यह व्यवस्था करने का निर्देश जारी किया है। डिस्प्ले बोर्ड लगने से एम्स में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को प्रवेश गेट पर ही इमरजेंसी में बेड उपलब्धता की जानकारी मिल जाएगी।

एम्स की इमरजेंसी में प्रतिदिन 400-500 मरीज इलाज पहुंचते हैं, लेकिन इमरजेंसी में सिर्फ 84 बेड उपलब्ध है। इस वजह से मरीजों को जल्दी अस्पताल में बेड नहीं मिल पाता। मरीज इलाज के लिए घंटों स्ट्रेचर पर इंतजार करने को मजबूर होते हैं। इसके मद्देनजर एम्स ने संस्थान की बेवसाइट पर एक डैशबोर्ड शुरू किया है, जिस पर इमरजेंसी में बेड उपलब्धता की जानकारी प्रदर्शित की जाती है। लेकिन एम्स या इमरजेंसी की प्रतीक्षा एरिया में इस तरह डिस्प्ले बोर्ड नहीं लगा है। अब इसकी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

एमसीडी में जिस पार्टी का बनेगा चेयरमैन, स्थायी समिति में अल्पमत में आ जाएगा दल

निहाल सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : नगर निगम स्थायी समिति का गठन न होने से पहले से ही दिल्ली के लोग कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लंबी जद्दोजहद के बाद वार्ड कमेटियों का गठन हुआ और स्थायी समिति के सदस्यों का निर्वाचन भी हो पाया। अब पश्चिमी दिल्ली से सांसद बनीं कमलजीत सहरावत के निगम पार्षद और स्थायी समिति के सदस्य पद से इस्तीफा देने के बाद रिक्त पद का चुनाव 26 सितंबर को निगम सदन की बैठक में होना है। फिलहाल, सदन में आप के पास पार्षदों की संख्या 249 में 127 हैं और भाजपा के पास 112 ही हैं। ऐसे में आंकड़ों को देखे तो रिक्त पद पर आप की जीतने की संभावना ज्यादा है। ऐसे में आप के यह पद जीतने से स्थायी समिति में और गतिरोध बढ़ जाएगा। इससे मुद्दों के समाधान के बजाय और विवाद बढ़ जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि स्थायी समिति के 18 सदस्यों में नौ सदस्य भाजपा जीत चुकी है, जबकि आठ सदस्य आप जीत गई है। अब एक रिक्त पद पर आप जीत जाती है तो भाजपा और आप के सदस्यों की संख्या बराबर हो जाएगी। ऐसे में जब चेयरमैन का चुनाव होगा तो बराबर सदस्य होने की वजह से पर्ची के माध्यम से चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन का चुनाव होगा। इस स्थित में चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन अलग-अलग दल से भी हो सकते हैं। चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन के चुनाव का हल तो भाजपा और आप के बराबर सदस्य होने से हो जाएगा, लेकिन असली समस्या बाद में स्थायी समिति में प्रस्ताव पास करने में आएगी। क्योंकि निगम के प्रक्रिया व संचालन के अनुच्छेद 64 में स्पष्ट हैं कि प्रत्येक प्रस्ताव बहुमत से पास होगा। ऐसे में जिस भी पार्टी का चेयरमैन होगा, लेकिन प्रस्ताव पारित करने की शक्ति विपक्ष के पास होगी। क्योंकि नौ-नौ सदस्य दोनों दलों के पास होने से चेयरमैन जिस पार्टी का होगा उसको प्रस्ताव पर तभी वोट कर सकता है जब समिति में बैठे पक्ष व विपक्ष के सदस्यों की संख्या बराबर हो। अगर, इस स्थिति में जिस पार्टी का पार्षद स्थायी समिति का चेयरमैन बन जाएगा, वह समिति में अल्पमत में आ जाएगी और प्रस्ताव पास विपक्ष की संख्या के आधार पर होगा।

क्या कहता है निगम का प्रक्रिया व कार्य संचालन का नियम 64 : मतदान हाथ उठाकर किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न समिति में उपस्थित सदस्यों के बहु मतदान द्वारा निर्णीत किया जाएगा और जब मत बराबर हो तो अध्यक्ष का मत अनुमोदित मत अथवा निर्णायक मत होगा।

26 को स्थायी समिति का चुनाव भाजपा नहीं जीती तो रहेगा गतिरोध

नगर निगम मुख्यालय। फाइल

राव आइएएस स्टडी सर्किल के सीईओ और समन्वयक को मिली अंतरिम जमानत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : कोचिंग सेंटर राव आइएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में डूबने से तीन छात्रों की मौत के मामले में गिरफ्तार कोचिंग सेंटर के सीईओ और समन्वयक को राउज एवेन्यू स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से बड़ी राहत मिली है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने कोचिंग सेंटर के सीईओ अभिषेक गुप्ता और समन्वयक देशपाल सिंह को सात दिसंबर तक के लिए अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने आरोपितों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानती पर जमानत दी।

कोर्ट ने सीईओ अभिषेक गुप्ता को 30 नवंबर तक रेडक्रास सोसायटी में ढाई करोड़ रुपये जमा करने का भी निर्देश दिया। कहा कि परिसर के लीज समझौते के अनुसार, आरोपित अकेले ही संस्थान का पट्टेदार और सीईओ है, इसलिए वह किसी भी व्यक्ति या सामग्री को हुए नुकसान और क्षति के लिए जिम्मेदार होगा। अभिषेक कोचिंग सेंटर के सीईओ और देशपाल समन्वयक हैं, ऐसे में इससे जुड़े मामलों पर उनका नियंत्रण था।

नवाचार

उजवा के कृषि विज्ञान केंद्र में प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को दी गई जानकारी, लैंडस्केपिंग से लेकर जैविक उत्पाद व पशुपालन के बारे में बताया गया

कृषि पर्यटन से किसानों की झोली भरने की तैयारी

गौतम कुमार मिश्रा ● जागरण

नई दिल्ली : खेतीबाड़ी करने वाले किसानों की झोली अब पर्यटन से भरने की तैयारी की जा रही है। उजवा के कृषि विज्ञान केंद्र ने कृषि पर्यटन के लिए किसानों के इस विषय पर प्रशिक्षण देना भी शुरू कर दिया है। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों की झोली ऐसे लोगों से भरने की है, जो कृषि खेतीबाड़ी से दूर रहकर कृषि की बारीकियों को नजदीक से देखना व समझना चाहते हैं। विज्ञानियों का मानना है कि महानगरीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच कृषि पर्यटन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जो किसानों के लिए संभावनाओं का बेहतर द्वार खोलेगा।

कृषि पर्यटन एवं एकीकृत कृषि प्रणाली : स्व-उद्यमिता सृजन का उत्तम माध्यम विषय पर 10 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिल्ली व आसपास के राज्यों के लघु एवं सीमांत किसान, युवाओं को कृषि पर्यटन एवं एकीकृत कृषि प्रणाली के क्षेत्र में अपना उद्यम एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उनकी क्षमता एवं कौशल विकास को विकसित किया गया। केंद्र के अध्यक्ष डा. डी. के. राणा ने बताया कि पर्यटन किसी भी देश का राजस्व उत्पन्न करने वाले महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है एवं कृषि पर्यटन ग्रामीण पर्यटन का उभरता हुआ घटक है। इसके अंतर्गत कृषि की एकीकृत प्रणाली के साथ कृषि पर्यटन को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के साथ स्थानीय आबादी को रोजगार और आय का अवसर भी प्रदान कर सकते हैं। इससे उपभोक्ताओं को पर्यावरण के साथ साथ जीवनयापन एवं व्यक्तिगत जैविक उत्पाद भी उपलब्ध होगें।

कृषि प्रसार विशेषज्ञ कैलाश ने बताया कि कृषि-पर्यटन में कृषि आधारित प्रणालियां शामिल होती हैं। इससे आगंतुकों को खेतों एवं कृषि गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलती है। यहां पर्यटकों को परिवार एवं बच्चों के साथ सीखने का अवसर मिलता है। यह किसान की ओर से किए जाने वाले खेती के कार्यों को समझने और उनके कार्यों की सराहना करने में भी मदद करता है। प्रशिक्षुओं को जैविक कृषि पर्यटन एवं एकीकृत कृषि प्रणाली की स्थापना के लिए उसकी अवधारणा एवं वर्तमान परिदृश्य, प्रमुख घटक, मूल सिद्धांत, कृषि पर्यटन की स्थापना एवं स्थान चयन में आने वाली चुनौतियां एवं सावधानियां, प्राकृतिक होम स्टे का निर्माण, कृषि पर्यटन के विभिन्न माडल, लेआउट एवं योजना, व्यवसाय प्रबंधन के साथ साथ कृषि पर्यटन के प्रमाणीकरण की विस्तृत जानकारी साझा की। डा. राकेश कुमार, बागवानी विशेषज्ञ ने कृषि पर्यटन एवं एकीकृत कृषि प्रणाली में बाग की स्थापना, लैंडस्केपिंग, लान, हेज, टोपयरी, इनडोर एवं आउटडोर पौधों की देखरेख एवं प्रबंधन के साथ ही भृदृश्य से पर्यटन स्थल के सुंदरीकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। डा. रितु सिंह, विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) ने कृषि पर्यटन के जैविक उत्पाद की प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन करके सीधे उपभोक्ता को उपलब्ध करवाने के बारे में जानकारी दी। डा. समर पाल सिंह ने जैविक रूप से एकीकृत कृषि प्रणाली के प्रमुख घटक के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की।

कृषि पर्यटन के बारे में प्रशिक्षुओं को जानकारी देते विशेषज्ञ। जागरण

****

लारेंस गिरोह ने म्यूजिक प्रोड्यूसर से मांगी पांच करोड़ की रंगदारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

काल करने वाले ने पैसे न देने पर दी अंजाम भुगतने की धमकी

गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गिरोह ने ग्रेटर कैलाश में रहने वाले एक म्यूजिक प्रोड्यूसर अमन से पांच करोड़ की रंगदारी मांगी है। पैसा ने देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। हाल ही में ग्रेटर कैलाश में हुई गैंगवार में जिम संचालक नादिर शाह की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी भी बिश्नोई गिरोह के बदमाश रोहित गोदारा ने ली थी। नादिर हत्याकांड में मुख्य शूटर का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है।

पुलिस के अनुसार अमन गानों को प्रोड्यूस करते हैं। शिकायत में अमन ने बताया कि उन्हें 21 सितंबर को वाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से काल आई थी। काल करने वाले ने खुद को लारेंस बिश्नोई गिरोह का बताकर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। जब पीड़ित ने कहा कि उन्होंने गलत नंबर मिलाया है तो आरोपित ने कहा कि बिल्कुल सही नंबर है। वह उसकी काल रिकार्ड कर ले और पता कर ले।

पैसे नहीं मिले तो घर लड़के भेज दूंगा : प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जिस नंबर से काल की गई, वह विदेशी है। आरोपित ने धमकी दी कि यदि पैसों का इंतजाम नहीं हुआ तो घर लड़के भेज दूंगा। घटना से पीड़ित सहमा हुआ है। उसने पुलिस से सुरक्षा की भी मांग की है। विदेश में बैठे रोहित गोदारा ने हाल ही में शाहदरा के कारोबारी से भी 10 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। इसको लेकर फर्श विहार थाने में केस दर्ज किया गया था।

3.9 ट्रिलियन डालर है भारत का सकल घरेलू उत्पाद। भारत पिछले तीन वर्षों से सात प्रतिशत से अधिक की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में है, युद्ध के मैदान में नहीं : मोदी

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को किया संबोधित

कहा, वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है आतंकवाद

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में निहित है, युद्ध के मैदान में नहीं। जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय दुनिया के भविष्य पर चर्चा कर रहा है, तो सर्वोच्च प्राथमिकता ''मानव-केंद्रित दृष्टिकोण'' को दी जानी चाहिए। वैश्विक संघर्षों की पृष्ठभूमि में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष...संघर्ष के नए क्षेत्र बनकर उभर रहे हैं। आतंकवाद पहले से वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। अब समय आ गया है कि वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा के अनुरूप होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रतिष्ठित मंच से वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत ''नमस्कार'' से की। कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र में 1.4 अरब भारतीयों या मानवता के छठे हिस्से की आवाज लेकर आए हैं। जब हम वैश्विक भविष्य पर चर्चा कर रहे हैं, तो हमें मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। अपने पांच मिनट के संबोधन में मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए मानव कल्याण, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर हमने यह दिखा दिया है कि सतत विकास सफल हो सकता है। भारत अपनी सफलता के इस अनुभव को पूरे ग्लोबल साउथ के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने वैश्विक संस्थाओं में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि यह वैश्विक शांति और विकास के लिए आवश्यक है।

न्यूयार्क में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

पीएम मोदी ने प्रौद्योगिकी के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के लिए वैश्विक स्तर पर संतुलित नियमन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कहा कि हमें वैश्विक स्तर पर डिजिटल गवर्नेंस की आवश्यकता है, जो सुनिश्चित करता है कि राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता बरकरार रहे। सार्वजनिक डिजिटल ढांचा एक पुल होनी चाहिए, न कि एक बाधा। भारत दुनिया की भलाई के लिए अपने डिजिटल ढांचे को पूरी दुनिया के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और वैश्विक नेताओं ने भारत के डिजिटलीकरण अभियान की लगातार सराहना की है, जिससे गरीबी को कम करने और लाखों लोगों को आर्थिक प्रणाली में लाने में मदद मिली है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के लिए ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' एक प्रतिबद्धता है। यह प्रतिबद्धता हमारी ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' और ''एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड'' जैसी पहलों में भी परिलक्षित होती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत मानवता के अधिकारों की रक्षा और वैश्विक समृद्धि के लिए काम करना जारी रखेगा।

नेपाली पीएम और फलस्तीनी राष्ट्रपति से मिले मोदी, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

न्यूयार्क, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली, फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास, कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल सबा के साथ अलग-अलग वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। महमूद अब्बास के साथ भेंट के दौरान मोदी ने गाजा में मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई और फलस्तीनी लोगों के प्रति भारत का समर्थन दोहराया। उन्होंने क्षेत्र में शांति व स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत का समर्थन व्यक्त किया।

मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया- पीएम केपी ओली के साथ अच्छी बैठक हुई। भारत-नेपाल मित्रता बहुत मजबूत है। हम संबंधों को और भी गति देने को तत्पर हैं। हमारी बात ऊर्जा, प्रौद्योगिकी व व्यापार जैसे मुद्दों पर केंद्रित थी। ओली ने कहा, मोदी ने नेपाल की यात्रा के निमंत्रण को भी स्वीकार कर लिया। मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल सबा से भी मुलाकात की और ऐतिहासिक संबंधों के बीच संपर्क बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनें वैश्विक तकनीकी कंपनियां : मोदी

- अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनियों के सीईओ को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित
- भारत को सेमीकंडक्टर विनिर्माण का केंद्र बनाएगी मेरी सरकार : मोदी
- कंपनियां भारत में दुनिया के लिए सह-विकास व सह-उत्पादन करें

न्यूयार्क में एमआइटी स्कूल आफ इंजीनियरिंग टेक सीईओ के गोलमेज सम्मेलन में दिग्गज कंपनियों के सीईओ के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

न्यूयार्क, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनियों के सीईओ से भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने का आग्रह किया। कहा कि भारत उनके तीसरे कार्यकाल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का हर संभव प्रयास करेगा। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,जिसका सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3.9 ट्रिलियन डालर है। भारत पिछले तीन वर्षों से सात प्रतिशत से अधिक की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

मोदी ने कहा, कंपनियों को भारत में दुनिया के लिए सह-विकास, सह-डिजाइन और सह-उत्पादन करके देश की विकास गाथा का लाभ उठाना चाहिए। देश की आर्थिक व तकनीकी वृद्धि के अवसरों का उपयोग करना चाहिए। बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत की गहरी प्रतिबद्धता के बारे में व्यापारिक नेताओं को आश्वस्त करते हुए मोदी ने देश में हो रहे आर्थिक परिवर्तन पर प्रकाश डाला। विशेष रूप से इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विनिर्माण, सेमीकंडक्टर क्षेत्र का जिक्र किया। पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार भारत को सेमीकंडक्टर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह बैठक मोदी की अमेरिका यात्रा के दूसरे चरण के दौरान रविवार को लोटे न्यूयार्क पैलेस होटल में हुई। इसमें एआइ, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी के स्कूल आफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित इस बैठक में शीर्ष अमेरिकी टेक फर्मों के सीईओ शामिल हुए। इनमें गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, एडोब के शांतनु नारायण, एक्सेंचर की जूली स्वीट, एचपी इंक के एनरिक लोरेस, आइबीएम के अरविंद कृष्णा, माडर्ना के चेयरमैन डा. नूबर अफयान और एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग मौजूद थे।

अमेरिकी सीईओ बोले-यह भारत का समय : एएनआइ के अनुसार, एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा कि यह भारत का समय है। आपको इस अवसर का लाभ उठाना होगा। भारत दुनिया के महानतम कंप्यूटर वैज्ञानिकों का घर है और एनवीडिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की नई तकनीक पर भारत के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। मोदी के साथ मुलाकात का अनुभव साझा करते हुए हुआंग ने बताया कि उन्होंने इस मुलाकात का आनंद लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने यौन शिक्षा कार्यक्रम लागू करने का दिया सुझाव

भारत में यौन शिक्षा पर बातचीत में हिचक सही जानकारी देने में बड़ी बाधा

कहा, सेक्स एजुकेशन से युवाओं के स्वेच्छाचारी होने की आशंका एक भ्रम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के अपराध पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार को समग्र रूप से यौन शिक्षा कार्यक्रम लागू करने का सुझाव दिया है। इस कार्यक्रम में चाइल्ड पोर्नोग्राफी के कानूनी और नैतिक परिणामों को भी शामिल किया जाना चाहिए। इससे अपराधियों को रोकने में मदद मिल सकती है। इस कार्यक्रम में यौन शिक्षा को लेकर फैले भ्रमों को दूर कर युवाओं को सहमति और उत्पीड़न की स्पष्टता समझाई जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखने और उसकी सामग्री रखने को पोक्सो और आइटी कानून में अपराध बताने वाले फैसले में कही। कोर्ट ने यौन शिक्षा के बारे में किशोरों को सही जानकारी नहीं हो पाने में भारत में यौन शिक्षा पर बातचीत में हिचक और ऐसी शिक्षा को लेकर फैली भ्रम की स्थिति को बड़ी बाधा माना है। कोर्ट ने कहा कि भारत में यौन शिक्षा को लेकर व्यापक भ्रम है। यहां तक कि बहुत से माता-पिता और शिक्षक भी इसे लेकर संकीर्ण नजरिया रखते हैं और सेक्स के बारे में बात करना अनुचित व अनैतिक समझते हैं। इस सामाजिक कलंक ने यौन स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने के प्रति अनिच्छा पैदा की है जिस कारण किशोरों में जानकारी का महत्वपूर्ण अंतर आ जाता है। एक भ्रम यह भी है कि सेक्स एजुकेशन से युवाओं का व्यवहार गैरजिम्मेदाराना और स्वेच्छाचारी हो जाएगा। आलोचना करने वाले अक्सर कहते हैं कि यौन स्वास्थ्य और कंट्रासेप्टिव के बारे में जानकारी देने से किशोरों में यौन गतिविधियां बढ़ जाएंगी। जबकि रिसर्च बताती है कि समग्र सेक्स एजुकेशन वास्तव में सेक्सुअल एक्टीविटी में देरी लाती है और जो लोग सेक्सुअली एक्टिव हैं, उन्हें सुरक्षित बनाती है। यह भी सोच है कि सेक्स एजुकेशन पश्चिम की धारणा है और यह भारतीय पारंपारिक मूल्यों से मेल नहीं खाती। इस सोच से कई राज्यों में स्कूलों में सेक्स एजुकेशन प्रतिबंधित हो गई। इस तरह का विरोध समग्र यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम लागू करने में बाधा है और इसके कारण बहुत से किशोर-किशोरियों को सही जानकारी नहीं मिल पाती। इसके चलते किशोर और युवा इंटरनेट की ओर मुखातिब होते हैं जहां उन्हें बिना निगरानी और बिना किसी फिल्टर के सूचना मिलती है, जो कई बार गलत होती है एवं अस्वास्थ्यकर व्यवहार का बीज बो सकती है। यह भी एक गलत धारणा है कि सेक्स एजुकेशन सिर्फ संतानोत्पत्ति के बायोलाजिकल पहलू तक ही सीमित है। कहा कि प्रभावी सेक्स एजुकेशन में व्यापक विषय शामिल होते हैं जिसमें स्वास्थ्य, रिलेशनशिप, सहमति, लिंग आधारित समानता और विविधिता का सम्मान शामिल होता है। लिंग आधारित समानता को बढ़ावा देने और यौन हिंसा को कम करने के लिए इन विषयों पर ध्यान देना जरूरी है। कोर्ट ने झारखंड के उड़ान कार्यक्रम की सफलता की सराहना की।

'बाल यौन उत्पीड़न सबसे जघन्य अपराधों में से एक, चाइल्ड पोर्नोग्राफी भी उतना ही जघन्य'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कानून मजबूत होना चाहिए और उसे कड़ाई से लागू किया जाए
- यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चे पर होता है घटना का दूरगामी असर, हो जाता है अवसाद

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिए फैसले में कहा कि बाल यौन उत्पीड़न सबसे जघन्य अपराधों में से एक है और चाइल्ड पोर्नोग्राफी का अपराध भी उतना ही जघन्य है। कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न और चाइल्ड पोर्नोग्राफी के पीड़ित बच्चे पर इसका लगातार असर बना रहता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बाल यौन उत्पीड़न की सामग्री गंभीर रूप से बच्चे की गरिमा को कम करती है। यौन संतुष्टि के लिए बच्चे का इस्तेमाल एक वस्तु की तरह होता है जिससे उनकी मानवता का हनन और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। कोर्ट ने बाल यौन उत्पीड़न करने वालों को कड़ा दंड देने के साथ ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए शिक्षा और जागरूकता जैसे उपायों पर जोर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि कानून अवश्य ही मजबूत होना चाहिए और उसे कड़ाई से लागू किया जाए ताकि अपराधियों को सजा सुनिश्चित हो और बच्चे नुकसान से संरक्षित हों। अदालतों को ऐसे मामलों में कतई नरमी नहीं बरतनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चे पर घटना का दूरगामी असर होता है। उसकी मानसिक, भावात्मक और सामाजिक स्थिति बिगड़ जाती है। कई बार गंभीर उत्पीड़न का शिकार बच्चा अवसाद में आ जाता है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी के पीड़ित बच्चे पर उस चीज का लगातार असर बना रहता है। जब वह रिकार्ड होता है, या जब वह वीडियो या फोटो प्रचारित प्रसारित होता है। ऐसे पीड़ित बच्चे को सहानुभूति पूर्ण समग्र मदद की जरूरत होती है ताकि वह इससे उबर सके और सामान्य जीवन में लौट सके।

पुणे हवाई अड्डे का बदलेगा नाम

मुंबई, प्रेट्र : पुणे हवाई अड्डे का नाम जल्द ही बदल जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने इस हवाई अड्डे का नाम बदलकर जगद्गुरु संत तुंकाराम महाराज पुणे अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन करने के प्रस्ताव को सोमवार को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस प्रस्ताव को केंद्र को भेजा जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल ने हवाई अड्डे का नाम बदलने के केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मोहोल पुणे से ही हैं। मोहोल ने भाजपा शिवसेना और राकांपा की महायुति सरकार को इस निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, धन्यवाद महायुति सरकार। संत तुकाराम भक्ति आंदोलन के प्रसिद्ध संत और आध्यात्मिक कवि थे। उनका जन्म पुणे जिले में हुआ था। राज्य में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना की तर्ज पर शिंदे सरकार ने सरपंचों एवं उप सरपंचों का मानधन दोगुना कर विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी के लिए एक और चुनौती पेश कर दी है।

भारतीय सांकेतिक भाषा में 2,500 नए शब्द शामिल किए गए

नई दिल्ली, प्रेट्र : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने सोमवार को सांकेतिक भाषा दिवस मनाया। इस मौके पर भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (आइएसएलआरटीसी) ने साइन अप फार साइन लैंग्वेज राइट्स विषय पर प्रकाश डाला। इस दौरान भारतीय सांकेतिक भाषा में 2,500 नए शब्द शामिल किए गए।

केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने इस मौके पर देश भर में दिव्यांगों के भाषाई मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। वर्मा ने भारतीय सांकेतिक भाषा (आइएसएल) के प्रचार के माध्यम से दिव्यांगों के अधिकारों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय प्रयासों की आवश्यकता दोहराई। दिव्यांगता मामलों के विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि आइएसएल शब्दकोश अब 10 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है, जो भारत के विविध भाषाई परिदृश्य में व्यापक पहुंच और समझ सुनिश्चित करता है।

सरकारी विभागों ने भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ नहीं की कार्रवाई

- भ्रष्टाचार मामले में गैर-अनुपालन के सीवीसी ने 34 मामले चिह्नित किए
- भ्रष्ट अधिकारियों को या तो दोषमुक्त कर दिया गया या सजा कम की गई

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के संदर्भ में सरकारी विभागों द्वारा उसकी सलाह का अनुपालन नहीं करने के 34 प्रमुख मामलों को चिह्नित किया है।

सीवीसी की वार्षिक रिपोर्ट 2023 के अनुसार, कुछ मामलों में इन भ्रष्ट अधिकारियों को या तो दोषमुक्त कर दिया गया या संबंधित विभागों द्वारा उनकी सजा कम कर दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से सबसे अधिक सात मामले कोयला मंत्रालय के हैं, जबकि पांच मामले भारतीय स्टेट बैंक, चार मामले भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, तीन मामले इस्पात मंत्रालय तथा दो-दो मामले बिजली मंत्रालय एवं एनबीसीसी(इंडिया) लिमिटेड के हैं। दिल्ली जल बोर्ड, रेल मंत्रालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद सहित अन्य में एक-एक ऐसा मामला सामने आया है। सीवीसी की सलाह नहीं मानने का एक-एक मामला सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का भी है।

सीवीसी ने कोयला मंत्रालय द्वारा उसकी सलाह का पालन नहीं करने के एक मामले का ब्योरा देते हुए कहा कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के एक परियोजना अधिकारी, एक मुख्य प्रबंधक, तीन प्रबंधकों और एक निदेशक सहित अन्य अधिकारियों को भारी मशीन किराये पर लेने में निविदा संबंधी अनियमितताओं का जिम्मेदार पाया गया। सीवीसी ने मामले में शामिल अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की सलाह दी थी। इन अफसरों ने संबंधित अपीलीय प्राधिकारियों के समक्ष अपील की, जिन्होंने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

केंद्र सरकार प्रगतिशील भारत के कल का कर रही निर्माण : भूपेंद्र यादव

मुंबई, प्रेट्र: केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि गुणवत्तापरक शिक्षा, कौशल विकास, नौकरी का सृजन और औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं के पोषण पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकार प्रगतिशील भारत के कल का निर्माण कर रही है।

मुंबई में 'विकसित भारत के लिए युवा शक्ति' के कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए भूपेंद्र यादव ने सोमवार को युवाओं की शक्ति और पीएम नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत में उनके विजन पर चर्चा की। यादव ने कहा, सरकार का लक्ष्य युवाओं की ऊर्जा को उस शक्तिशाली बल में बदलने का है जिससे भारत का भविष्य निरंतर उज्ज्वल रहे। कहा, शून्य उत्सर्जन के प्रति सरकार का दृष्टिकोण कर्बन फुटप्रिंट कम करके बेहतर वातावरण को बढ़ावा देना है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वह सिंगल-यूज प्लास्टिक से दूर रहें और ऐसी सोच बनाएं जिससे प्रदूषण कम से कम हो।

समावेशी विकास की चुनौतियां दूर करना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी : बिरला

- राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने रखे विचार
- कहा-विधायी संस्थाओं के समर्थन बिना विकसित भारत संभव नहीं

नई दिल्ली में सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान एक-दूसरे का अभिवादन करते लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह। प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

संसद भवन परिसर में आयोजित 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बरला ने विधानमंडलों की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया। साथ ही कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कार्यपालिका की जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करके शासन को अधिक जिम्मेदार व कुशल बनाती हैं। समावेशी विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों और बाधाओं का समाधान करना जनप्रतिनिधियों व विधायी निकायों की जिम्मेदारी है।

'सतत एवं समावेशी विकास में विधायी निकायों की भूमिका' विषय पर आयोजित अधिवेशन में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत का संविधान समावेशी शासन की भावना का सबसे सशक्त उदाहरण है। भारत की संसद द्वारा पारित ऐतिहासिक कानूनों से भारत में विकास की गति तेज हुई है और इससे भारत की प्रगति और अधिक समावेशी हुई है, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। विधायी संस्थाओं के सहयोग और समर्थन के बिना आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं होगा।

उन्होंने पीठासीन अधिकारियों और विधायकों से आग्रह किया कि वे इस बात पर चिंतन करें कि पिछले सात दशकों की यात्रा में देश के विधायी निकाय के रूप में वे लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कहां तक सफल रहे हैं। इस आत्ममंथन के बिना समावेशी विकास का सपना साकार नहीं हो सकता। इस अवसर पर राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश और राज्य विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारी भी उपस्थित थे।

आयुष्मान भारत

केंद्रीय सहायता हासिल करने के लिए आडिट रिपोर्ट देना अनिवार्य, ओडिशा के शामिल होने के बाद सिर्फ दिल्ली और बंगाल इससे रह जाएंगे अछूते

नियमों के अनुपालन में जुटा पंजाब, ओडिशा में भी जल्द लागू होगी योजना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आयुष्मान योजना में खर्च की 60 प्रतिशत राशि केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य को देनी होती है

पैसा न मिलने पर अस्पतालों द्वारा आयुष्मान भारत के तहत इलाज बंद करने की चेतावनी के बाद पंजाब सरकार योजना के सुचारू संचालन की कोशिश में जुट गई है। इस क्रम में पंजाब सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अफसरों के बीच कई दौर की बैठक हो चुकी है, जिनमें योजना के तहत केंद्रीय सहायता राशि जारी करने के लिए नियमों के जरूरी अनुपालन पर विस्तार से चर्चा हुई है। वहीं, अभी तक योजना से बाहर रहा ओडिशा भी आयुष्मान भारत से जुड़ने की कोशिश में जुट गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आयुष्मान योजना के तहत आने वाले खर्च की 60 प्रतिशत राशि केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार को देना होता है। पर्वतीय राज्यों के लिए यह राशि 90 व 10 प्रतिशत है। अस्पतालों को इलाज के खर्च का भुगतान करने की जिम्मेदारी राज्य की होती है। केंद्रीय सहायता राशि हासिल करने के लिए राज्य सरकार को पूरे खर्च की आडिट रिपोर्ट देना अनिवार्य है। पंजाब सरकार ने गत कई वर्षों से आयुष्मान भारत योजना की आडिट रिपोर्ट नहीं दी थी। पिछले दिनों पंजाब ने 2020-21 की आडिट रिपोर्ट दी है। आगे की रिपोर्ट जल्द देने का आश्वासन दिया है। रिपोर्ट मिलते ही केंद्रीय राशि जारी कर दी जाएगी।

वहीं, नवीन पटनायक सरकार के दौरान आयुष्मान भारत योजना से बाहर रहा ओडिशा भाजपा सरकार बनते ही इसमें शामिल होने की कवायद में जुट गया है। इसके लिए ओडिशा व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अफसरों के बीच बातचीत चल रही है। अधिकारी ने कहा, ओडिशा में लोगों को मुफ्त इलाज के लिए योजना पहले से चल रही है।

70 पार के बुजुर्गों के इलाज का पोर्टल तैयार, ट्रायल जल्द

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आयुष्मान भारत के तहत 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के इलाज की सुविधा मुहैया कराने के लिए पोर्टल तैयार कराने का काम पूरा कर लिया गया है। जल्द ही ट्रायल शुरू किया जाएगा। साथ ही नीति आयोग के सदस्य डाक्टर वीके पाल की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ डाक्टरों की समिति बुजुर्गों को होने वाली बीमारियों व इलाज पर आने वाले खर्च का ब्योरा जुटाने में लगी है। बीमारियों और इलाज के खर्च का पैकेज तैयार होते ही योजना लांच कर दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बुजुर्गों को जल्द से जल्द इलाज सुलभ कराने पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि अगले माह इसे लांच कर दिया जाए। 70 साल से अधिक बुजुर्गों के इलाज के लिए बीमा कंपनियां स्वास्थ्य बीमा भी नहीं करती हैं। आयुष्मान भारत के तहत उन्हें नई-पुरानी हर तरह की बीमारी का पांच लाख रुपये सालाना मुफ्त और कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। पोर्टल पर बुजुर्ग के पंजीकरण कराने के बाद स्वास्थ्यकर्मी खुद उनका आयुष्मान तैयार कर उन्हें सौंप देंगे। इसके बाद वे देश में कहीं भी आयुष्मान भारत के तहत पंजीकृत 29 हजार से अधिक निजी और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त व कैशलेस इलाज करा सकेंगे।

अधिकारी के अनुसार, योजना के तहत छह वर्षों में 35.36 करोड़ लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। इस दौरान अस्पताल में 7.79 करोड़ भर्तियां कर आंखों के आपरेशन से लेकर कैंसर तक का इलाज किया गया है। इन लाभार्थियों को 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इलाज मुहैया कराया गया है।

****

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

1 लाख रुपये देने जा रही है प्रत्येक हज यात्री को आंध्र प्रदेश सरकार। इसके अलावा नायडू के नेतृत्व वाली सरकार इमामों और मुअज्जिनों को मासिक मानदेय देगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 24 सितंबर, 2024

खरगे और वेणुगोपाल भी दूर नहीं कर सके सैलजा की नाराजगी

अनुराग अग्रवाल ● जागरण

- सैलजा बोलीं, मुझे नहीं थी पार्टी अध्यक्ष के हरियाणा दौरे की कोई जानकारी
- कांग्रेस को उम्मीद, जल्द मान जाएंगी कुमारी सैलजा, 26 सितंबर को चुनाव प्रचार करने के दिए संकेत

चंडीगढ़: हरियाणा में विधानसभा चुनाव में टिकटों के आवंटन से नाराज वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा को मनाने में पार्टी को पसीने छूट रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी इस दलित नेता की नाराजगी दूर नहीं कर सके। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं ने सैलजा से फोन पर बातचीत की और चुनाव बाद उनके राजनीतिक कद का पूरा ध्यान रखने का भरोसा दिलाया, लेकिन सैलजा पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। हालांकि उन्होंने संकेत दिए हैं कि अगले कुछ दिनों में वह चुनाव प्रचार करेंगी। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने इस संबंध में पोस्ट भी की है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को सोमवार को अंबाला शहर और करनाल के घरौंडा में दो जनसभाएं संबोधित करनी थीं। सूत्रों के अनुसार, खरगे की तबीयत खराब थी, पर वह हरियाणा दौरे पर आना चाहते थे। जब पार्टी नेतृत्व को पता चला कि वहां सैलजा नहीं होंगी तो किरकिरी से बचने के लिए पार्टी अध्यक्ष का दौरा स्थगित कर दिया गया। अंबाला कुमारी सैलजा का पुराना संसदीय क्षेत्र है। सैलजा ने पार्टी अध्यक्ष के हरियाणा दौरे की कोई जानकारी होने से इन्कार किया है। खरगे के नहीं आने पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इन जनसभाओं को संबोधित किया।

सैलजा की नाराजगी की कई वजह हैं। वह हिसार जिले की उकलाना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं। उन्होंने हाईकमान के समक्ष अपनी इच्छा रखी भी, लेकिन उनको चुनाव लड़वाने से मना कर दिया दिया। वह अपने बेहद करीबी डा. अजय चौधरी को नारनौंद से टिकट नहीं दिलवा पाई। उनकी नाराजगी को मुख्यमंत्री पद की लड़ाई से जोड़कर देखा जा रहा है। सैलजा ने सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि दलित मुख्यमंत्री क्यों नहीं हो सकता। उनकी यही इच्छा सैलजा पर भारी पड़ी और हुड्डा अपने समर्थकों को ज्यादा से ज्यादा टिकट दिलाने में कामयाब रहे। हाईकमान ने हुड्डा को सैलजा को मनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन उनकी ओर से अभी ऐसा कोई प्रयास नहीं हुआ है। राज्य में करीब 22 प्रतिशत दलित मतदाता हैं। सैलजा के प्रचार नहीं करने से दलित मतदाताओं का रुझान प्रभावित हुआ है।

पार्टी छोड़ने की अटकलों को किया खारिज: इस बीच, सैलजा के किसी अन्य दल में जाने की अटकलें भी चलीं। भाजपा से प्रस्ताव भी दिया गया। दैनिक जागरण से बातचीत में सैलजा ने कहा कि उनकी रगों में कांग्रेस का खून है और वह पार्टी के तिरंगे में लिपटकर ही संसार से विदा लेंगी। जहां तक मुख्यमंत्री पद का सवाल है, कोई दावा नहीं कर सकता।

भाजपा में भी सीएम पद को लेकर है लड़ाई

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- राव इंद्रजीत और अनिल विज की दावेदारी पर नायब सैनी ने दिया जवाब
- चुनाव के बाद भाजपा के संसदीय बोर्ड का हर फैसला होगा मान्य

नायब सैनी।

राव इंद्रजीत।

अनिल विज।

हरियाणा में मुख्यमंत्री पद की लड़ाई सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं है। भाजपा भी अंदरुनी तौर पर मुख्यमंत्री पद की लड़ाई से जूझ रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत जहां समय-समय पर विभिन्न मचों पर मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर करते रहे हैं, वहीं पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताकर भाजपा हाईकमान को संकट में डाल दिया है। फिलहाल नायब सिंह सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं। राव इंद्रजीत व अनिल विज की सीएम बनने की इच्छा पर नायब सैनी ने कहा कि दोनो ही नेता भाजपा के वरिष्ठ हैं। मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका फैसला पार्टी का संसदीय बोर्ड करता है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक टीवी चैनल के साथ बातचीत में कहा कि चुनाव जीतने के बाद भी अगर संसदीय बोर्ड के फैसले में कोई बदलाव होगा तो वह उसे स्वीकार करेंगे। उनका इशारा स्वयं की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर था। भाजपा हाईकमान ने नायब सिंह सैनी को चुनाव से पहले ही सीएम का चेहरा घोषित कर दिया था और कांग्रेस को चुनौती दी थी कि वह भी अपना सीएम का चेहरा घोषित करे। नायब सैनी को भाजपा ने 12 मार्च को मनोहर लाल के स्थान पर राज्य का मुख्यमंत्री बनाया ता। नायब सैनी ओबीसी समाज से आते हैं। प्रदेश में चुनाव लड़ रहे बागियों पर नायब सैनी ने कहा कि भाजपा के ज्यादातर बागी अपना नामांकन वापस लेकर पार्टी के अधिकारिक प्रत्याशियों के लिए काम शुरू कर चुके हैं। कांग्रेस के मुकाबले भाजपा में बहुत कम बागी प्रत्याशी मैदान में हैं। जो प्रत्याशी अभी मैदान में है वह भी अगले दो तीन दिनों में प्रचार बंद कर देंगे। नायब सैनी ने कहा कि काम के लिए 56 दिन का समय मिला। इतने कम दिनों में सरकार ने 126 बड़े फैसले लिए हैं।

कांग्रेस ने हमेशा दलितों का अपमान किया, अब आरक्षण पर डाली बुरी नजर : शाह

चुनावी सभा ▶ केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, सिखों पर दिए बयान के लिए राहुल गांधी माफी मांगें

जागरण संवाददाता, फतेहाबाद

- हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनी तो फिर दिल्ली के दामाद का शासन होगा
- राहुल अमेरिका में कहते हैं कि सिखों को भारत में पगड़ी और कड़ा-कृपाण पहनने की स्वतंत्रता नहीं है

फतेहाबाद के टोहाना में सोमवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव की जनसभा के दौरान लोगों का हौसला बढ़ाते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दलितों का अपमान किया और अब आरक्षण पर बुरी नजर टिक गई है। बाबा साहेब आंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया। इस क्रम में उन्होंने कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा और पूर्व सांसद अशोक तंवर का उल्लेख भी किया। शाह बोले, राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा है कि विकास होने के बाद आरक्षण हटा देंगे। हरियाणा तो विकसित है, तो क्या प्रदेश के ओबीसी, दलित और आदिवासियों को आरक्षण चाहिए या नहीं चाहिए? आरक्षण की रक्षा केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ही कर सकती है। उन्होंने अमेरिका में सिखों पर दिए बयान के लिए राहुल गांधी माफी मांगने की मांग की। कहा, राहुल गांधी अमेरिका में कहते हैं कि सिखों को भारत में पगड़ी और कड़ा-कृपाण पहनने की स्वतंत्रता नहीं है। गुरुद्वारा जाने की अनुमति नहीं है। शाह ने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान दिल्ली में सिख दंगे हुए थे और राजीव गांधी ने कहा था कि बड़े दरख्त के गिरने पर धरती कांपती ही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को फतेहाबाद जिले के टोहाना और यमुनानगर के जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की रैलियों में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं। राहुल बाबा बताएं कि आखिर किसे खुश करने के लिए ये नारे लगवाए जा रहे हैं। कांग्रेसी नेशनल कान्फ्रेंस के साथ मिलकर कहते हैं कि सरकार बनने पर अनुच्छेद-370 को वापस ले आएंगे, लेकिन बता दूं कि राहुल गांधी की तीन पीढ़ियां भी अब अनुच्छेद-370 को वापस नहीं ला सकतीं। राहुल कहते हैं कि जेल में बंद आतंकियों को छोड़ दिया जाएगा। राहुल बाबा कितने भी प्रयास कर लें न तो हरियाणा अपना एजेंडा बदलेगा और न ही जम्मू-कश्मीर में हम ऐसा होने देंगे। शाह ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार ने रिकार्ड विकास कराए हैं। यदि कांग्रेस की सरकार बन गई तो फिर से दिल्ली के दामाद का शासन होगा।

भाजपा और कांग्रेस के सोच के अंतर को बताया: शाह ने कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में सुरजेवाला ने नए कपड़े सिलवा लिए। सैलजा रूठकर उत्तराखंड चली गईं। अब बड़े हुड्डा व छोटे हुड्डा लड़ रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा में मनोहर लाल ने कहा कि मेरा समय हो गया है। युवा नायब सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। कोई लड़ाई नहीं हुई। कांग्रेस व भाजपा में यही अंतर है। शाह ने सीएम के तौर पर नायब सिंह सैनी के नाम पर फिर मुहर लगाई। पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने कुछ दिन पहले पत्रकारवार्ता कर सीएम पद पर अपना दावा ठोका था, लेकिन सोमवार को शाह ने फिर साफ कर दिया कि सैनी ही अगले मुख्यमंत्री होंगे।

शाह ने जनसभा में अग्निवीरों को पेंशन वाली नौकरी देने की गारंटी भी दी

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने पचास साल में वन रैंक-वन पेंशन पर कोई कलम नहीं बढ़ाई, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने 2014 में पद ग्रहण किया और 2015 में वन रैंक-वन पेंशन लागू कर दी। अब तक इसमें तीन बार बढ़ोतरी भी हो चुकी है। उन्होंने तीसरी बार सरकार बनने पर प्रदेश के अग्निवीरों को पेंशन वाली नौकरी देने की गारंटी भी दी। भाजपा सरकार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पंजाब व हिमाचल सरीखे ऐसे कई राज्य हैं जो केंद्र की नीतियों के इतर चलते रहे, अब बदहाली के दौर में पहुंच गए हैं।

'अच्छे दिनों में दलित नेताओं को दरकिनार करती हैं कांग्रेस व अन्य पार्टियां'

बसपा अध्यक्ष मायावती

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस का बड़ा दलित चेहरा कुमारी सैलजा की अपनी पार्टी से बढ़ती नाराजगी की खबरों के मद्देनजर बसपा अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियां अपने बुरे दिनों में कुछ समय के लिए दलितों को मुख्यमंत्री व संगठन के प्रमुख पदों की जिम्मेदारी सौंपती हैं। अच्छे दिनों में ये पार्टियां उनको दरकिनार कर देती हैं। दलितों के स्थान पर फिर उन पदों पर जातिवादी लोगों को ही रखा जाता है, जैसा कि अभी हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। अपमानित होने वाले दलित नेताओं को बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर से प्रेरणा लेकर खुद ही ऐसी पार्टियों से अलग हो जाना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक्स पर लिखा कि बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर ने देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान व स्वाभिमान के लिए केंद्रीय कानून मंत्री के पद से त्याग-पत्र दे दिया था। उनसे प्रेरित होकर फिर मैंने भी सहारनपुर में दलित उत्पीड़न के मामले की उपेक्षा और मुझे नहीं बोलने देने पर उनके सम्मान व स्वाभिमान में राज्यसभा की सदस्यता से त्याग-पत्र दे दिया था। बसपा सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि कांग्रेस व अन्य जातिवादी पार्टियां शुरू से ही दलितों और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की विरोधी रही हैं। कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तो विदेश में जाकर आरक्षण को खत्म करने का ही एलान कर दिया है।

राहुल गांधी ने कश्मीर में बनाया स्थानीय और बाहरी का मुद्दा

राज्य ब्यूरो, जागरण

- कांग्रेस चाहती है कि जम्मू-कश्मीर को दिल्ली के बजाय स्थानीय लोग चलाएं
- अनुच्छेद 370 का उल्लेख किए बिना कहा- आपका अधिकार आपसे छीना

कांग्रेस नेता और लोस में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रैली को संबोधित अभिवादन करते हुए। प्रेट्र

श्रीनगर : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कश्मीर में स्थानीय और बाहरी का मुद्दा बनाते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का नाम लिए बिना कहा कि वह यहां एक राजा की तरह व्यवहार करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज यहां आप लोगों की सहमति के बिना बाहर वाले आपके लिए निर्णय ले रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में जारी विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दूसरे चरण के लिए प्रचार अभियान के अंतिम दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने पुंछ के सुरनकोट और श्रीनगर के सेंट्रल शाल्टेंग में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने पूरे भाषण में एक बार भी अनुच्छेद 370 का उल्लेख नहीं किया, लेकिन यह जरूर कहा कि आपका लोकतांत्रिक हक, आपका अधिकार आपसे छीन लिया गया है। कांग्रेस चाहती है कि जम्मू-कश्मीर को दिल्ली के बजाय स्थानीय लोग चलाएं। हमारी पार्टी विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाएगी। उन्होंने एक लाख नौकरियां देने और बेरोजगारों को 35,00 रुपये बेरोजगारी भत्ता देने का भी यकीन दिलाया।

श्रीनगर के शाल्टेंग में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने आप लोगों से आपका लोकतांत्रिक हक ही नहीं छीना, बल्कि शिक्षा, सड़क, रोजगार, बिजली-पानी संबंधी मामलों के फैसले लेने का अधिकार भी छीन लिया है। पहले यह निर्णय आप अपने विधायकों को चुनकर लेते थे, अब यह फैसले बाहर के लोग आकर ले रहे हैं। उन्होंने उपराज्यपाल की तरफ संकेत करते हुए कहा कि वह बाहर के हैं, वह जम्मू-कश्मीर के नहीं है। जो विकास जम्मू-कश्मीर के लोग चाहते हैं, यह व्यक्ति कर ही नहीं सकता। इन्हें पता नहीं है कि जम्मू-कश्मीर की जनता क्या चाहती है। इसलिए हम चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर के लोग अपनी सरकार चुने। राहुल ने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा सिर्फ दो-तीन अरबपतियों के लिए काम करती है। केंद्र सरकार ने 25 लोगों का 16 लाख का कर्ज माफ किया है, लेकिन बच्चों, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों के लिए कुछ नहीं किया।

प्रधानमंत्री पर बोला हमला

राहुल ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नेताओं ने मोदी के 56 इंच के सीने के बारे में बहुत बात की। अब 56 इंच का दावा खत्म हो गया है। पहले वह सीना तानकर बोलते थे, लेकिन आइएनडीआइ एलायंस ने मोदी के प्रभाव को समाप्त कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो गया है। अब वह पहले वाले मोदी नहीं रहे हैं।

सवाल का जवाब नहीं देने पर प्रत्याशी की ट्रैक्टरों से घेराबंदी

जासं, अंबाला: विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच प्रत्याशियों से मतदाता सवाल जवाब भी कर रहे हैं। हालांकि इस बीच उनका तरीका देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला अंबाला में देखने को मिला। गांव फतेहगढ़ में चुनाव प्रचार करने जा रहे भाजपा प्रत्याशी पवन सैनी को ट्रैक्टरों पर सवार होकर आए लोगों ने घेर लिया। वे किसान आंदोलन से संबंधित सवाल करने लगे। पवन सैनी अपनी गाड़ी से निकले तो लोगों ने उन्हें आगे ही नहीं बढ़ने दिया और सवालों की झड़ी लगा दी। अंबाला छावनी के डीएसपी रजत गुलिया के साथ शहजादपुर, पंजोखरा थाना प्रभारी ने स्थिति को संभाला। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने सैनी को कड़ी सुरक्षा के बीच इस विरोध प्रदर्शन से बाहर निकाला। पवन सैनी फतेहगढ़ जा रहा थे। जैसे ही वह गांव के पास पहुंचे तो उन्हें ट्रैक्टर लेकर पहुंचे सैकड़ों लोगों ने घेर लिया और चारों ओर ट्रैक्टर लगा दिए।

आतंक पर विपक्षी दलों को घेरेगी भाजपा

जागरण टीम, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद प्रदेश भाजपा अब तीसरे चरण में पूरी आक्रामकता के साथ प्रचार करेगी। पार्टी जम्मू-कश्मीर में हुए तेज विकास को ढाल बनाकर प्रतिद्वंद्वी दलों को आतंक के मुद्दे पर घेरेगी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान को भी लगातार मुद्दा बनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्रियों समेत मुख्यमंत्री भी पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी रैलियां करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी चुनावी जनसभा प्रस्तावित हैं। रैलियों का सिलसिला 28 सितंबर तक चलेगा।

तीसरे चरण में चुनाव भाजपा के गढ़ रहे जिलों में हो रहा है। 2014 में जम्मू संभाग में भाजपा ने 25 सीटे जीती थीं, जिनमें अधिकतर जम्मू, सांबा, कठुआ, ऊधमपुर जिले में थीं। जम्मू जिले में 11, सांबा में तीन, कठुआ में छह और ऊधमपुर जिले में चार सीटें हैं।

26 सितंबर को ऊधमपुर और कठुआ में रैली करेंगे केंद्रीय मंत्री शाह

26 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ऊधमपुर शहर के साथ लगते बट्टलबालियां स्थित मोदी मैदान में चुनावी रैली करेंगे। यह रैली सुबह 11 बजे शुरू होगी। वह कठुआ जिले में भी पांच चुनावी रैलियां करेंगे। ऊधमपुर जिले में चार विधानसभा सीटें हैं, जहां मतदान तीसरे चरण में है।

योगी और स्मृति भी आएंगी

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऊधमपुर के रामनगर और सांबा जिले के रामगढ़ में 26 सितंबर को चुनावी रैलियां करेंगे। 26 सितंबर को ही जम्मू शहर में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी के कई चुनावी कार्यक्रम भी होंगे।

आज चिनैनी में होंगे गडकरी

नितिन गडकरी भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने के लिए मंगलवार को ऊधमपुर पहुंचेंगे। वह चिनैनी विधानसभा क्षेत्र के घोरडी में विजय संकल्प जनसभा को संबोधित करेंगे। घोरडी बस अड्डे के पास यह रैली दोपहर 12:30 बजे शुरू होगी।

पीएम नरेन्द्र मोदी 28 और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 27 को पहुंचेंगे

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 27 सितंबर को जम्मू संभाग में चुनावी रैलियों को संबोधित करने आ रहे हैं। इसके बाद 28 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्मू शहर में अपनी महारैली के माध्यम से जम्मू जिले की 11 और सांबा जिले की तीन सीटों के मतदाताओं को संबोधित करेंगे।

चुनावी चश्मा...

डल में रैली....

सोमवार को श्रीनगर के डल झील में जम्मू और कश्मीर विधानसभा के दूसरे चरण के चुनाव से पहले जदीवल निर्वाचन क्षेत्र से पीपुल्स कांन्फ्रेंस के समर्थक पार्टी के उम्मीदवार आबिद हुसैन अंसारी के समर्थन में डल लेक में इस तरह रैली निकाली गई। प्रेट्र

बना मुद्दा

कश्मीर में घिरे कांग्रेस और नेकां बुरहान वानी की कब्र से मुद्दे खोज लाए, महबूबा पर निशाना साध मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ लामबंद करने की रणनीति

कश्मीर में अब 'टाफी' और 'दूध' की सियासत

नवीन नवाज ● जागरण

- हिजबुल आतंकी की मौत के बाद शुरू हुई हिंसा के दौरान महबूबा ने दिया था बयान

महबूबा मुफ्ती।

इल्तिजा मुफ्ती।

श्रीनगर : राजनीतिक में जब मुद्दे गौण होने लगते हैं तो राजनेता भावनात्मक मुद्दों को हवा देने में जुट जाते हैं। कश्मीर की सियासत में भी आजकल कुछ ऐसा ही हो रहा है। निर्दलीय और अपनों के चक्रव्यूह में घिरे कांग्रेस और नेकां दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले हिजबुल आतंकी बुरहान वानी की कब्र से 'टाफी' और 'दूध' का मुद्दा खोज लाए हैं। निशाने पर भले ही पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती हैं पर लक्ष्य कश्मीर के मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ अपने पक्ष में लामबंद करने का दिखाई पड़ता है।

वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने आतंकी बुरहान वानी की मौत के बाद हुई हिंसा के दौरान किशोरों के घायल होने के संदर्भ में बयान दिया था कि सुरक्षाबल के शिविर पर पत्थर मारने जाओगो तो वहां गोली ही मिलेगी, वहां कोई टाफी नहीं मिलेगी। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह भी इस दौरान वहां उपस्थित थे।

इसी मुद्दे को अब कश्मीर के दल हवा देने में जुट गए हैं। आतंकियों को हीलिंग टच का वादा करने वाली महबूबा इस बयान पर बैकफुट पर नजर आती हैं। अब उनकी बेटी इल्तिजा भी इसे महसूस करती हैं और अक्सर कहती हैं कि राजनेता भी तो आम इंसान होते हैं, गलती हो जाती है, सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद हो रहे पहले विधानसभा चुनाव में कश्मीरी दल विकास व बदलाव के नारे की काट भाजपा विरोध के नारे से करने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि संवेदनशील मुद्दों को हवा देने से भी नहीं चूक रहे। अनुच्छेद-370 की वापसी से लेकर पत्थरबाजों की रिहाई के वादे वह लगातार कर ही रहे हैं। सोमवार को श्रीनगर में राहुल गांधी की सभा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जीए मीर ने दूध और टाफी का मुद्दा उछाला तो उमर अब्दुल्ला ने भी इसे लपकने में देर नहीं लगाई। उन्होंने बड़गाम में मीडिया से बात करते हुए महबूबा की माफी की मांग कर डाली।

तब भी बड़ा मुद्दा बना था महबूबा का बयान: महबूबा के बयान को उनके राजनीतिक विरोधियों ने खूब उछाला। वर्ष 2017 में इसका असर दिखा, जब उपचुनाव में श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से महबूबा को हार झेलनी पड़ी। तब नेकां ने जीत दर्ज की थी।

****

- महबूबा मुफ्ती ने जनवरी 2019 में बिजबिहाड़ा में अपने पिता की बरसी पर इस बयान के लिए माफी मांगी थी। उनका टाफी और दूध वाला बयान लोगों को बहुत चुभा है। हालांकि, उन्होंने जो बयान दिया था, वह किसी को आहत करने के लिए नहीं दिया था। इस बयान को गलत तरीके से लिया गया।

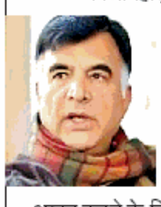

- महबूब बेग, पीडीपी के वरिष्ठ नेता

- महबूबा मुफ्ती को स्पष्ट करना चाहिए कि 2015 में और उसके बाद 2016 में भाजपा के साथ उन्होंने क्यों गठजोड़ किया। उन्होंने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से दूध और टाफी वाली टिप्पणी क्यों की? महबूबा मुफ्ती को इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। जनता बातों को ध्यान रखकर ही फैसला सुनाएगी।

- उमर अब्दुल्ला, नेकां उपाध्यक्ष

'बुखारी-सज्जाद को भाजपा की एजेंट कहने वाले उमर ने किया गठजोड़'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- नेकां उपाध्यक्ष पर लगाए आरोप, तीनों पर्दे के पीछे कर रहे मदद

लोकसभा सदस्य और अवामी इत्तिहाद पार्टी के चेयरमैन इंजीनियर रशीद ने आरोप लगाया कि नेशनल कान्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी और पीपुल्स कान्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन ने गठजोड़ कर लिया। यह गठजोड़ कश्मीर की जनता के लिए नहीं कश्मीरियों की आवाज दबाने के लिए और अवामी इत्तिहाद पार्टी के उम्मीदवारों को हराने के लिए हुआ। रशीद ने कहा कि कुछ दिन पहले तक उमर बता रहे थे कि सज्जाद और अल्ताफ बुखारी को भाजपा की बी टीम और एजेंट हैं। आज ये तीनों पर्दे के पीछे एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। अंततः भाजपा को जम्मू-कश्मीर में सत्तासीन होने के लिए मौका देने जा रहे हैं। अपनी पार्टी ने बड़गाम में उमर के पक्ष में प्रत्याशी मुंतजिर मोहिउद्दीन को मैदान से हटा लिया। सज्जाद का कैडर उन इलाकों में जहां पीपुल्स कान्फ्रेंस की स्थिति कमजोर है, या उसका प्रत्याशी नहीं है, नेकां की मदद कर रहा है। आखिर ऐसा क्या हो गया जो उमर और फारूक उन दलों से समर्थन ले रहे हैं। भाजपा नेता तरुण चुग ने कहा था कि अगर वह उन नेताओं के नाम लेंगे जो चुपके से दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करते हैं तो यहां कईयों का करियर समाप्त हो जाएगा।

1603 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन समस्तीपुर- बख्तियारपुर गंगा महासेतु का संपर्क पथ के पुल का स्पैन भर-भराकर गिर गया। एक सप्ताह पहले बरसार नदी पर बना पुल भी धंस गया था।

झारखंड और महाराष्ट्र विस के चुनाव अगले सप्ताह हो सकते हैं घोषित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- दोनों राज्यों में चुनाव को लेकर उल्टी गिनती शुरू
- तैयारियों को जांचने झारखंड पहुंची निर्वाचन आयोग की टीम
- इसी माह तैयारियों को जांचने महाराष्ट्र भी जाएगा आयोग

देश में चुनाव का सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के खत्म होने से पहले दो और राज्यों यानी झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव घोषित हो सकते हैं। इसकी घोषणा अगले हफ्ते कभी भी हो सकती है। माना जा रहा है कि ये चुनाव नवंबर-दिसंबर महीने में कराए जा सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने इसके साथ ही दोनों राज्यों की चुनावी तैयारियों को जांचने का काम भी शुरू कर दिया है। सोमवार को आयोग अपने दो दिन के दौरे पर झारखंड पहुंचा है।

आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, इसके तुरंत बाद आयोग 27 और 28 सितंबर को महाराष्ट्र के दौरे पर भी जाएगा। जहां वह राज्य की चुनावी तैयारियों को जांचेगा और राजनीतिक दलों के साथ चर्चा भी करेगा। आयोग इस दौरान 29 सितंबर को सुरक्षा तैयारियों को लेकर गृह मंत्रालय के साथ चर्चा कर सकता है। इसके बाद वह कभी भी दोनों राज्यों का चुनावी कार्यक्रम घोषित कर सकता है।

झारखंड में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए सोमवार को रांची पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार। एएनआइ

आयोग दोनों राज्यों के चुनाव को लेकर इसलिए भी सक्रिय हुआ है, क्योंकि 26 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। हालांकि, झारखंड विधानसभा के कार्यकाल में अभी समय है, जो पांच जनवरी 2025 तक का है। सियासी लिहाज से देखें तो झारखंड में मौजूदा समय में जहां कांग्रेस समर्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की सरकार है, वहीं महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की अगुवाई में भाजपा समर्थित शिवसेना की सरकार है। दोनों राज्यों में विपक्षी दल भी काफी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में चुनावी मुकाबला भी काफी दिलचस्प रहने वाला है।

वायनाड सहित उप्र विस की खाली सीटों के उप चुनाव भी हो सकते है घोषित

चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही वायनाड लोकसभा सहित उत्तर प्रदेश विधानसभा की खाली दस सीटों के लिए भी उप चुनाव कराए जा सकते हैं। वैसे भी आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के एलान के समय ही साफ कर दिया था कि अभी इन राज्यों में बाढ़ सहित दूसरी कई प्राकृतिक चुनौतियां मौजूद हैं। बारिश का सीजन खत्म होते ही खाली सभी सीटों पर उप चुनाव कराए जाएंगे। वायनाड लोकसभा की सीट राहुल गांधी के इस्तीफा देने के बाद खाली हुई है। वहां से कांग्रेस ने अब प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारने का एलान किया है। उल्लेखनीय है कि इसके जरिये प्रियंका पहली बार चुनावी राजनीति का हिस्सा बनेंगी।

हम बंटे थे तो कटे थे, इसलिए अयोध्या में 500 वर्ष इंतजार करना पड़ा : योगी

जागरण संवाददाता, मीरजापुर

- मीरजापुर में मुख्यमंत्री बोले-बंटिए मत, डबल इंजन की सरकार सुरक्षा भी करेगी और काम भी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले हम बंटे थे तो कटे थे। इसीलिए अयोध्या में भव्य राममंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों (500 वर्ष) तक इंतजार करना पड़ा। बंटिए मत, यह डबल इंजन की सरकार आपकी सुरक्षा भी करेगी और काम भी। 2017 से पहले प्रदेश में माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। वन, खनन और पशु माफिया हावी थे। प्रशासन उन्हें सैल्यूट करता था। आज माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं।

सीएम सोमवार को मझवां विस क्षेत्र (उपचुनाव वाली 10 सीटों में शामिल) में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारें योजनाओं में भेदभाव करती थीं। गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। गुंडा और माफिया राज चरम पर था। अब बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ गरीबों, मजदूरों, दलितों, किसानों और महिलाओं को मिल रहा है। अगले कुछ वर्षों में स्टार्टअप के लिए 10 लाख युवाओं को वित्तीय अनुदान उपलब्ध कराकर बेहतर अवसर मुहैया कराया जाएगा। इससे पहले योगी ने 765 करोड़ रुपये की 127 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। 1500 से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने मां विंध्यवासिनी का स्मरण करते हुए कहा कि 10 वर्ष पहले की स्थिति से सभी परिचित हैं। संकरी गलियां थीं। आज नव्य-भव्य विंध्यधाम बनकर तैयार है।

भगवंत मान ने किया चौथा कैबिनेट विस्तार, बनाए पांच नए मंत्री

जासं, चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार में सोमवार को चौथी बार कैबिनेट विस्तार किया गया। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पांच विधायकों हरदीप सिंह मुंडिया, बरिंदर कुमार गोयल, तरुणप्रीत सिंह सौंद, डा. रवजोत सिंह व मोहिंदर भगत को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। नए हुए विस्तार के साथ पंजाब कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत कुल 16 मंत्री हो गए हैं, जबकि दो और मंत्री बन सकते हैं। बरिंदर कुमार गोयल को मंत्री बनाकर सरकार ने बनिया बिरादरी को प्रतिनिधित्व दिया है। लुधियाना जैसे बड़े जिले में कोई भी मंत्री नहीं था जिसे देखते हुए हरदीप सिंह मुंडिया व तरुणप्रीत सिंह सौंद दो मंत्री बनाए गए हैं। जालंधर से मोहिंदर भगत को मंत्री बनाकर मुख्यमंत्री उपचुनाव में किया वादा पूरा किया है जबकि डा. रवजोत सिंह मुख्यमंत्री के अत्यंत करीबी बताए जाते हैं।

पीड़िता ने आपरेशन थियेटर में रंगरेलियां मना रहे डाक्टरों का बनाया था वीडियो

सीबीआइ को मिली सनसनीखेज जानकारी, वीडियो डिलिट करने का बनाया जा रहा था दबाव

डाक्टर से दरिंदगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कोलकाता की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी के मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने दावा किया है कि आरजी कर अस्पताल के आपरेशन थियेटर में डाक्टर अक्सर रंगरेलियां मनाया करते थे। मांस व शराब की पार्टी चलती थी। इतना ही नहीं पार्टी में खूबसूरत प्रशिक्षु या स्नातकोत्तर प्रशिक्षु (पीजीटी) युवती को आमंत्रित किया जाता था। केंद्रीय एजेंसी सूत्रों का दावा है कि संयोग से पीड़िता ने अपने स्मार्टफोन से डाक्टरों की मौज-मस्ती का वीडियो बना लिया था।

पीड़िता का कहना था कि वह अस्पताल में इस तरह का काम बर्दाश्त नहीं करेगी तथा इस मुद्दे को विशिष्ट मंच पर उठाएगी। यह बात जब अस्पताल के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष पता चली तो उन्होंने स्मार्टफोन से वीडियो डिलिट करने के लिए दवाब दिया। सीबीआइ के अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं पीड़िता को अपने स्मार्टफोन से वीडियो डिलिट करने से इन्कार करने की कीमत तो नहीं चुकानी पड़ी? यह भी पता चला है कि इस वारदात के बाद संदीप घोष ने अपने निजी सहायक व नेशनल मेडिकल कालेज के wडेटा एंट्री आपरेटर प्रसून चट्टोपाध्याय को सुबह फोन कर उसे घर से बुलाया जो मोबाइल साफ्टवेयर विशेषज्ञ भी है। इसके बाद संदीप घोष ने पीड़िता का स्मार्टफोन ले लिया तथा प्रसून को वीडियो डिलिट करने का आदेश दिया। इसके बाद प्रसून ने घोष के चैंबर स्मार्टफोन को कंप्यूटर से कनेक्ट कर वीडियो को डिलीट कर दिया। इतना ही नहीं स्मार्टफोन में मौजूद अस्पताल के कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी नष्ट कर दिए गए। इसके अलावा डाटा एंट्री आपरेटर से अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के कुछ हिस्से भी ब्लाक कर दिया गया। प्रसून अभी हिरासत में है।

18 डिवाइस की क्लोनिंग गई

आरजी कर अस्पताल के वित्तीय भ्रष्टाचार मामले की जांच कर रही सीबीआइ का दावा है कि मोबाइल, लैपटाप, हार्ड डिस्क, मेमोरी कार्ड सहित कम से कम 18 डिजिटल उपकरणों को क्लोन किया गया है। वह इनकी जांच कर रही है। केंद्रीय एजेंसी का मानना है कि उन उपकरणों में मौजूद दस्तावेजों से अहम जानकारियां मिल सकती हैं। वहीं दूसरी ओर अलीपुर कोर्ट स्थित सीबीआइ की विशेष अदालत ने सोमवार को आरजी कर अस्पताल के वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, आपूर्तिकर्ता सुमन हाजरा, विप्लब सिंह और संदीप के सुरक्षा गार्ड अफसर अली को 14 दिन की जेल हिरासत में भेजने का आदेश दिया। वे सात अक्टूबर तक जेल में रहेंगे।

हास्टल में छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप में शिक्षक समेत दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- मुख्य आरोपित हास्टल के वार्डन का पति फरार, तलाश में जगह-जगह छापामारी कर रही पुलिस

आरजी कर कांड को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच कोलकाता के हरिदेवपुर इलाके में स्थित सेंट स्टीफेंस स्कूल के हास्टल में छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने छात्राओं के अभिभावकों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर स्कूल के शिक्षक बिश्वनाथ सील, हास्टल की वार्डन व शोभन मंडल नामक एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपित वार्डन का पति फरार है। हास्टल के कर्मचारियों व अन्य छात्राओं से मामले में पूछताछ की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि वार्डन की कुछ दिन पहले ही शादी हुई है। उसका पति अक्सर हास्टल आता था और प्रबंधन की अनुमति के बिना रात को वहां ठहरता था। उसपर हास्टल में रहने वाली चार छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पुलिस ने आरोपितों पर भारतीय न्याय संहिता व पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। बिश्वनाथ व शोभन पर अपराध में वार्डन के पति का साथ देने के लिए गिरफ्तार किया गया है जबकि वार्डन को हास्टल के नियम तोड़ने के लिए हिरासत में लिया गया है।

टीएमसी विधायक पर कसा शिकंजा, सीबीआइ ने की मैराथन पूछताछ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- वारदात के बाद विधायक निर्मल घोष थे अतिसक्रिय, संदीप घोष से भी फोन पर की थी कई बार बातचीत

निर्मल घोष। फाइल

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल की महिला डाक्टर से दरिंदगी के मामले में सीबीआइ ने सोमवार को टीएमसी विधायक निर्मल घोष को कार्यालय बुलाकर लगभग साढ़े छह घंटे पूछताछ की। एजेंसी सूत्रों के मुताबिक निर्मल वारदात के बाद अस्पताल व पोस्टमार्टम हाउस गए थे। वह पीड़िता के दाह संस्कार के समय श्मशान घाट में भी मौजूद थे। इसके अलावा काल रिकार्ड से पता चला है कि वारदात के बाद अस्पताल के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष से फोन पर उनकी कई बार बातचीत हुई थी। पूछताछ के दौरान सीबीआइ अधिकारियों ने संदीप घोष के साथ निर्मल घोष की बातचीत का ब्योरा जानना चाहा। यह भी पूछा गया कि उन्होंने दाह संस्कार कराने में इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई? सीबीआइ पता लगाना चाहती है कि इस वारदात में टीएमसी विधायक की क्या भूमिका थी। हालांकि, पूछताछ में विधायक ने कहा कि वह पीड़िता के क्षेत्र पानीहाटी के विधायक हैं और नैतिक कर्तव्य के कारण अस्पताल गए थे। संदीप घोष से बातचीत को लेकर उन्होंने कोई ठोस जवाब नहीं दिया।

पूर्व पार्षद ने पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टर को दी थी धमकी: सीबीआइ जांच में यह भी पता चला है कि टीएमसी विधायक निर्मल घोष के करीबी व पूर्व पार्षद संजीब मुखोपाध्याय ने पीड़िता का पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों में एक डा. अपूर्ब बिश्वास को धमकी दी थी। उसने कहा था कि अगर उस दिन पोस्टमार्टम नहीं हुआ तो खून की नदी बहेगी। उसने खुद को महिला डाक्टर का चाचा बताया था। बता दें कि संजीब पीड़िता के घर पास ही रहता है। पूछताछ में डा. अपूर्ब बिश्वास ने भी यह बात बताई है। पूर्व पार्षद ने दाह संस्कार के दस्तावेज पर हस्ताक्षर भी किए थे। उसका यह भी कहना है कि वारदात के बाद पीड़िता के माता-पिता काम करने की स्थिति में नहीं थे। श्मशान घाट भी गया था।

एक अक्टूबर को सुनवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : बंगाल में डाक्टरों के जारी विरोध प्रदर्शन के बीच सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म एवं हत्या के स्वत: संज्ञान मामले पर वह एक अक्टूबर को सुनवाई करेगा। दिन की कार्यवाही के प्रारंभ में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पार्डीवाला की पीठ से एक पक्षकार की ओर से पेश वकील ने अनुरोध किया कि कुछ आवश्यक कारणों से 27 सितंबर को सूचीबद्ध स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई अगले हफ्ते की जाए। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'हम इसे एक अक्टूबर को सूचीबद्ध करेंगे।' शीर्ष अदालत ने 17 सितंबर को कहा था कि रिपोर्ट में दिए निष्कर्षों से वह विचलित है।

सीबीआइ को सीएफएसएल रिपोर्ट खोलने की इजाजत: सियालदह कोर्ट ने सोमवार को सीबीआइ को अस्पताल के घटनास्थल से इकट्ठा किए गए नमूनों को लेकर आई सीएफएसएल रिपोर्ट को खोलने की इजाजत दे दी। टाला थाना के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल का पालीग्राफ टेस्ट व संदीप घोष के नार्को टेस्ट की इजाजत पर सुनवाई 25 सितंबर तक टाल दी है।

बंगाल में बाढ़ को लेकर ममता ने झारखंड, बिहार और केंद्र पर साधा निशाना

जागरण टीम, बर्द्धमान

- बर्द्धमान में अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ से नुकसान की ली जानकारी
- बोलीं, झारखंड-बिहार में बारिश से होती है चिंता, बंगाल में छोड़ देते हैं पानी
- डीवीसी से शेयर वापस ले रही बंगाल सरकार

बंगाल में बाढ़ को लेकर बड़जोड़ा में अधिकारियों से बात करती बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। इंटरनेट मीडिया

बंगाल में बाढ़ को लेकर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झारखंड और बिहार के साथ केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने बंगाल में बाढ़ के लिए तीनों के साथ ही दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) को भी जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान उन्होंने डीवीसी से बंगाल सरकार का शेयर वापस लेने की बात कही। मालूम हो कि डीवसी में झारखंड-बिहार और केंद्र सरकार के साथ बंगाल का भी शेयर है। मुख्यमंत्री वर्षा और डीवीसी के डैम से पानी छोड़े जाने के बाद बंगाल में हुई तबाही का जायजा लेने सोमवार को बर्द्धमान आई थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डीवीसी केंद्र सरकार के अधीन है, लेकिन वे लोग कोई काम नहीं करते हैं। डैम से गाद की सफाई नहीं हो रही है। हमारे अधिकारियों को डीवीसी से पानी छोड़ने की जानकारी नहीं दी जा रही है। विरोध में हमलोग डीवीसी से अपना शेयर वापस ले रहे हैं। डीवीसी कमेटी में शामिल बंगाल के विद्युत विभाग के सचिव शांतनु सेन ने इस्तीफा दिया था। उस कमेटी में सिंचाई विभाग के एक इंजीनियर थे, उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया है।

ममता ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा- बंगाल के लिए दुर्भाग्य की बात है, जहां असम की तरह बाढ़ की स्थिति होती है। बंगाल की अवस्था नौका की तरह है। झारखंड में बारिश होने पर हमलोगों की चिंता बढ़ जाती है। वे लोग खुद बचने के लिए बंगाल में पानी छोड़ देते हैं। वही स्थिति बिहार की है। बिहार में भी बांध काटकर बंगाल में पानी छोड़ दिया जाता है जिससे मुर्शिदाबाद और मालदा में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

झारखंड विस नियुक्ति घोटाले की सीबीआइ जांच

हाई कोर्ट का आदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

- तीन पूर्व विस अध्यक्ष इन्दर सिंह नामधारी, आलमगीर आलम व शशांक शेखर भोक्ता आए घेरे में

झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाले की जांच अब सीबीआइ करेगी। झारखंड हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसएन प्रसाद व जस्टिस एके राय की खंडपीठ ने सोमवार को इस मामले में फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया। इस मामले में सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद खंडपीठ ने 20 जून को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। झारखंड विधानसभा के तीन पूर्व अध्यक्ष इस मामले में आरोपों के घेरे में हैं। इनमें इन्दर सिंह नामधारी, आलमगीर आलम और शशांक शेखर भोक्ता शामिल हैं।

विधानसभा नियुक्ति में गड़बड़ी को लेकर एक सीडी वायरल होने के बाद इसकी जांच की मांग की गई थी। विधानसभा ने इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। कमेटी ने जांच पूरी नहीं की। इसके बाद वर्ष 2014 में राज्यपाल की सहमति से जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन कर मामले की जांच कराई गई। वर्ष 2018 में आयोग ने राज्यपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। इस रिपोर्ट के आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर शिवशंकर शर्मा ने वर्ष 2022 में जनहित याचिका दाखिल की थी।

वर्ष 2005 से 2007 के बीच हुई नियुक्तियों में गड़बड़ी के हैं आरोप

सरकार बोली- मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट ही अंतिम रूप से मान्य : सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट कानूनी रूप से मान्य रिपोर्ट नहीं मानी जाएगी। इस कारण सरकार को विस्तृत जांच के लिए जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय आयोग बनाना पड़ा था। इसकी रिपोर्ट को सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

वर्षा के कारण नहीं उड़ सका शिवराज का हेलीकाप्टर, गाड़ी भी गड्ढे में फंसी

जासं, बहरागोड़ा/घाटशिला (पूर्वी सिंहभूम)

केंद्रीय मंत्री व भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को झारखंड के पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा और घाटशिला में पार्टी की परिवर्तन यात्रा को संबोधित किया। इस दौरान बरसात ने उनके कार्यक्रमों में थोड़ी अड़चन डाली। बरसात के कारण जहां रांची के लिए उड़ने के बाद शिवराज के हेलीकाप्टर को थोड़ी ही देर में वापस बहरागोड़ा में उतारना पड़ा, वहीं घाटशिला की सभा में वह लगभग दो घंटे विलंब से पहुंच सके। इस बीच बहरागोड़ा में हैलीपेड स्थल से सभास्थल जाने के क्रम में केंद्रीय मंत्री की कार बायपास में एक गड्ढे में फंस गई। ऐसे में केंद्रीय मंत्री को बारिश के बीच कार से नीचे उतरना पड़ा। उनके अंगरक्षकों ने काफी मशक्कत के बाद कार के पहिए को गड्ढे से बाहर निकाला।

विधवा अम्मी से दुष्कर्म करने वाले बेटे को आजीवन कारावास की सजा

जासं, बुलंदशहर: डेढ़ वर्ष पहले अम्मी के साथ दुष्कर्म करने के दोषी बेटे को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। रिश्ते को शर्मसार करने वाले बेटे पर अदालत ने 51 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

एडीजीसी कुश कुमार व विजय कुमार शर्मा ने बताया कि 22 जनवरी, 2023 को बुलंदशहर के कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज कराया गया था। वादी ने मुकदमा में बताया था कि 16 जनवरी को उसका 40 वर्षीय बड़ा भाई 60 वर्षीय मां को खेत से चारा लाने के बहाने ले गया और दुष्कर्म किया। इसके बाद गांव से भाग गया। मां ने घर आकर आपबीती बताई। वारदात के छह दिन बाद 22 जनवरी को वादी व उसके भाई ने अपने आरोपित भाई को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच की। इसके बाद अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया। अपर जिला सत्र न्यायालय (त्वरित न्यायालय) के न्यायाधीश वरुण मोहित निगम ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

दी सफाई

ईवाई कर्मी की मौत के मामले में माकपा और कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री सीतारमण के बयान की तीखी आलोचना की, साथ ही कहा- माफी मांगें वित्त मंत्री

मेरा बयान गलत तरीके से लिया गया : सीतारमण

कोच्चि, प्रेट्र: ईवाई कंपनी की एक महिला कर्मचारी की मौत मामले में अपने बयान की आलोचना होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को जवाब दिया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से लिया गया है। किसी भी तरह से पीड़िता को दोष नहीं दिया था और न ही उनका ऐसा कोई इरादा था। उन्होंने यह जवाब शिवसेना उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के एक पोस्ट पर दिया। प्रियंका ने कहा कि सीए की पढ़ाई के दौरान एना के अंदर दबाव झेलने की शक्ति आ गई थी, लेकिन टाक्सिक वर्क कल्चर और लंबे समय तक काम करने की वजह से उनकी जान गई।

बता दें कि गत 20 जुलाई को आडिट कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की 26 वर्षीय कर्मचारी एना सेबेस्टियन पेराई की कथित रूप से काम के भारी दबाव में मौत हो गई थी। केरल की रहने वाली एना सीए थीं और कंपनी के पुणे कार्यालय में कार्यरत थीं। चेन्नई में शनिवार को एक कार्यक्रम में सीतारमण ने इस घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा था कि शिक्षण संस्थानों और परिवारों को बच्चों को तनाव प्रबंधन के गुर सिखाने चाहिए। उनसे यह कहना चाहिए कि वे जो भी पढ़ाई करें, जो भी नौकरी करें, उनमें उससे जुड़ा तनाव झेलने की अंदरूनी शक्ति होनी चाहिए।

सीतारमण के इस बयान की तीखी आलोचना करते हुए केरल के पर्यटन और लोक निर्माण मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि केंद्रीय मंत्री आइटी कर्मचारियों का शोषण करने वाली कंपनियों की संरक्षक बन गई हैं। उन्हें अपना बयान वापस लेना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। जबकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नितला ने सीतारमण के बयान को अत्यंत निंदनीय करार देते हुए कहा कि कारपोरेट जगत के लालच ने एना की जान ली। वित्त मंत्री ने उनके माता-पिता का अपमान किया।

सीतारमण। फाइल

दस दिन में आएगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को बताया कि ईवाई में कथित असुरक्षित और शोषणकारी कार्य माहौल की जांच चल रही है, जिसके कारण एना सेबेस्टियन पेराई की मौत हुई थी। मांडविया ने यहां पत्रकारों से कहा, 'हमने राज्य के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद ही इस पर कुछ कह पाएंगे। हम गलती पर किसी को बख्शेंगे नहीं।

****

वाघेला के खिलाफ खड़े हुए जयवीरराज सिंह

जागरण संवाददाता, अहमदाबाद

- पिता विजयराज सिंह बने क्षत्रिय शक्ति अस्मिता मंच के अध्यक्ष
- पुत्र ने राजपरिवार के राजनीतिक दुरुपयोग की जमाई आशंका

गुजरात में राजपूत समाज की एकता व सामाजिक मुद्दों के लिए हाल ही बने गुजरात क्षत्रिय शक्ति अस्मिता मंच की कमान जहां भावनगर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विजयराज सिंह गोहिल को सौंपी गई है वहीं उनके पुत्र जयवीरराज सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला पर दिवंगत महाराजा क्रष्णसिंह व राजपरिवार के नाम का राजनीतिक दुरुपयोग करने की आशंका जताई है।

भारत की आजादी के बाद एकीकरण के लिए महाराजा क्रष्णसिंह ने सरदार पटेल को सबसे पहले अपना भावनगर का रजवाड़ा सौंपा था। पूर्व मुख्यमंत्री वाघेला लंबे समय से महाराजा क्रष्ण सिंह को भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं। गत 20 सितंबर को गुजरात क्षत्रिय शक्ति अस्मिता मंच का गठन कर उसी राजपरिवार के सदस्य विजयराजसिंह को इस मंच का अध्यक्ष बनाया गया है लेकिन उनके ही पुत्र जयवीरराज सिंह का कहना है कि वाघेला उनके परिवार के सदस्यों व राजपरिवार की प्रतिष्ठा का उपयोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए करना चाहते हैं।

शंकर सिंह वाघेला। जयवीरराज सिंह। फाइल

जयवीर ने बताया कि मई 2024 में उनके दादा एवं महाराजा क्रष्णसिंह के छोटे पुत्र शिवबापा का निधन हो गया था, वाघेला इस शोक के मौके पर राज्य में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तरह राजपूत समाज की ओर से एक संगठन बनाने का प्रस्ताव जयवीरराज के समक्ष रखा। जयवीर बताते हैं कि वाघेला समाज के बुजुर्ग हैं लेकिन उनको इतनी समझ नहीं रही कि शोक के मौके पर इस तरह की बात नहीं की जाती।

बकौल जयवीर, वाघेला ने संगठन की कमान जयवीर को सौंपने का भी प्रस्ताव रखा था ताकि युवाओं को आकर्षित किया जा सके, जयवीर ने यह प्रस्ताव नकार दिया था लेकिन अब उनके पिता को वाघेला ने क्षत्रिय शक्ति मंच के जरिए अपने साथ सक्रिय कर लिया है ऐसे में जयवीर को आशंका है कि उनके परिवार की प्रतिष्ठा व परिवार के सदस्यों का वाघेला राजनीतिक दुरूपयोग कर सकते हैं। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले चूंकि राजपूत समाज तत्कालीन केंद्रीय मंत्री व राजकोट से भाजपा प्रत्याशी परशोत्तम रुपाला के खिलाफ आंदोलनरत था, ऐसे में वाघेला उस जनभावना को भुनाने का भरसक प्रयास कर रहे थे। हालांकि अब स्थिति बदलती नजर आ रही है।

लोगों की बर्बादी का जरिया बनी बेलगाम आनलाइन सट्टेबाजी

इससे हर कोई परिचित है कि शराब और ड्रग्स की लत कितना नुकसान पहुंचाती है, लेकिन अब इससे भी बड़ी समस्या बनकर उभरी है आनलाइन सट्टेबाजी। यह लोगों को मानसिक रूप से बीमार करने के साथ उन्हें केवल कंगाल ही नहीं बना रही है, बल्कि आनलाइन सट्टा खेलने के आदी लोगों से अवैध वसूली भी कर रही है। इससे भी बुरा यह है कि गेमिंग की आड़ में हो रही आनलाइन सट्टेबाजी सरकारी खजाने को हर साल 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की चपत लगाने के साथ मनी लांड्रिंग का आसान जरिया भी बन गई है। यह सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत में आनलाइन सट्टेबाजी को लेकर प्रभावी और पर्याप्त नियम-कानून नहीं हैं। जो कानून हैं भी, उन्हें आनलाइन सट्टेबाजी वाली कंपनियां ठेंगा दिखा रही हैं, क्योंकि उनमें से अधिकांश विदेश से संचालित हैं। इन कंपनियों को न तो नियम कानून की परवाह है न ही लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता। अवैध आनलाइन सट्टेबाजी कंपनियां इस साल सट्टेबाजी में शामिल हर व्यक्ति से 24 हजार रुपये कमाएंगी। आनलाइन सट्टेबाजी का खेल किस तरह नियामक और अपराध रोधी एजेंसियों के लिए सिरदर्द बन गया है, इसकी पड़ताल करते इस विशेष आयोजन की पहली किस्त में हम बता रहे हैं कि कैसे इस सट्टेबाजी में लुट रहे हैं भारतीय और कितना विशाल है यह पूरा खेल। इसके बाद अगले दो दिनों में क्रमश: पढ़िए-आनलाइन गेमिंग की नई सुबह पर सट्टेबाजी का साया और ड्रग्स-शराब से भी खतरनाक है गेमिंग की लत।

मनीष तिवारी • जागरण

नई दिल्ली: अलवर में चार सौ से अधिक स्कूली छात्र राजस्थान और हरियाणा पुलिस की स्पेशल सेल के रडार पर आए हैं, क्योंकि संदेह है कि इनके खातों में आनलाइन सट्टेबाजी का पैसा जमा हुआ है। उन्हें एक एप डाउनलोड करने के नाम पर एक दिन में ढाई से तीन हजार रुपये कमाने का लालच दिया गया था। यह पैसा बाहर ले जाने की कोशिश की गई यानी यह मनी लांड्रिंग का स्पष्ट मामला है।

मुंबई में ईडी ने एक दर्जन से ज्यादा विदेशी आनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइट की जांच में अनुमान लगाया गया है कि इन्होंने एक साल में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है और पैसा विदेश ले जाने की कोशिश की है।

ये दोनों मामले में आपस में जुड़े हों या न हों, लेकिन ये दो तस्वीर हैं, जो देश में आनलाइन जुए और सट्टेबाजी के कारोबार और उसकी दिशा की झलक देती हैं। कुराकाओ, साइप्रस और माल्टा जैसे टैक्स हेवन देशों से जुए और सट्टेबाजी के आपरेटर कानूनी खामियों का फायदा उठाकर मालामाल हो रहे हैं और ठगे जा रहे भारतीय शिकायत करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि उन्हें लुटने के बाद पता चलता है कि उन्होंने गेमिंग के नाम पर हो रही अवैध सट्टेबाजी में हिस्सा लिया है। उनके लिए अदालतों के दरवाजे भी बंद हैं और उपभोक्ता आयोगों के दफ्तर भी।

देश में आनलाइन जुए और इसके सबसे बड़े हिस्से सट्टेबाजी का कारोबार दस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का हो चुका है। इसमें केवल क्रिकेट मैचों पर सट्टेबाजी 90 प्रतिशत तक है। यह अनुमान थिंक चेंज फोरम का है। यह थिंक टैंक उभरते नए जोखिमों के साथ अगले एक-दो माह में नई रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है। तब पता चलेगा कि जुए और सट्टेबाजी का कारोबार 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है या 25 प्रतिशत से। आनलाइन जुए और सट्टेबाजी के कुल कारोबार और इस खेल में शामिल कुल लोगों की संख्या के आधार पर फोरम ने आकलन किया है कि इस साल सट्टेबाजी के एप हर व्यक्ति से 24 हजार रुपये वसूलेंगे।

2030 तक 50 लाख करोड़ होगा कारोबार: डाटा रिसर्च की एजेंसी स्टैटिस्टिका के अनुमान के मुताबिक अगर रोक नहीं लगाई गई तो जुए और सट्टेबाजी का कारोबार 2030 तक पचास लाख करोड़ तक हो सकता है। यूनाइटेड नेशंस आफिस आफ ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) की पिछले साल आई रिपोर्ट में 2021 में दुनिया भर में अवैध सट्टेबाजी का कारोबार 136 लाख करोड़ रुपये से आगे निकल चुका है। अकेले भारत से ये सट्टेबाजी एप और प्लेटफार्म सालाना आठ लाख करोड़ रुपये तक की अवैध कमाई कर रहे हैं। ग्लोबल रिपोर्ट आन करप्शन इन स्पोर्ट्स नाम से संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट अभी तक आनलाइन सट्टेबाजी पर सबसे विश्वसनीय डाटा है। इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कारोबार अगले कुछ सालों में तीस प्रतिशत तक की रफ्तार से बढ़ सकता है।

लालच पड़ रहा भारी: आल इंडिया गेमिंग फेडरेशन के सीईओ रोलैंड लैंडर्स का कहना है 'जीतने का आशावाद लोगों को कंगाल और जुए-सट्टेबाजी के कारोबारियों को मालामाल बना रहा है।' 2022 में सट्टेबाजी एप परीमैच के सीईओ ने दावा किया था कि वह हर साल 96,000 करोड़ रुपये देश से बाहर ले जा रहे हैं और भारत में आफलाइन तथा आनलाइन जुए-सट्टेबाजी का कारोबार कम से कम 320 लाख करोड़ रुपये से ऊपर है। लैंडर्स उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने केंद्र सरकार से आनलाइन गेमिंग की आयु संबंधी रेटिंग की पुख्ता व्यवस्था की मांग की है। लैंडर्स के अनुसार क्रिकेट से लेकर दूसरे खेलों और यहां तक कि रंग, संख्या और मौसम के मिजाज तक पर सट्टेबाजी हो रही है। टेलीग्राम और वाट्सएप पर सौ से ज्यादा चैनल हैं, जहां बस एक लिंक क्लिक कर सट्टेबाजी की जा सकती है।

10 लाख करोड़ के अवैध कारोबार में एप और वेबसाइटें हर यूजर से कमा रहीं 24 हजार रुपये

96,000 करोड़ आनलाइन सट्टेबाजी का केवल एक प्लेटफार्म ही हर साल बाहर ले जा रहा

90% अवैध आनलाइन सट्टेबाजी और जुए के एप और वेबसाइटें विदेश से संचालित

सट्टेबाजी और जुए के शीर्ष आपरेटर

- 10cric
- 22 bet
- 4RABET
- Bc.game
- Bet365
- Betwinner
- Casumo
- 1xbet/1xbat
- Pari match
- Dafabet
- Betway

कौशल बनाम किस्मत पर आधारित खेल

असली समस्या इंटरनेट आधारित आन लाइन गेमों के प्रसार के बीच जुए और सट्टेबाजी का अवसर देने वाले माध्यमों के उभरने के बाद आई। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के एक मामले में कौशल आधारित खेलों को मान्यता दी यानी जिसमें प्रतिभागियों के ज्ञान, प्रशिक्षण विशेषज्ञता और अनुभव के आधार पर मुकाबले का निर्णय होना था। ताश का खेल पोकर कौशल आधारित माना गया, क्योंकि इसमें गणितीय ज्ञान और समझ की जरूरत होती है। पोकर और रमी को तमाम उच्च न्यायालयों ने भी कौशल वाला खेल माना है। दूसरी ओर वे खेल हैं जो शुद्ध तौर पर तुक्के यानी किस्मत पर आधारित हैं और यही जुए और सट्टेबाजी का रूप होते हैं।

सितारों के जाल में फंसते हैं लोग: सट्टेबाजी के प्रमोशन में लगे सितारों पर अंकुश लगाया गया तो सट्टेबाजी के एप अब खेलों की राज्य स्तरीय लीग की ओर मुड़ गए हैं। खिलाड़ियों की शर्ट पर न्यूज और स्पोर्ट्स बियर की कंपनियों की आड़ में लोगों को सट्टेबाजी के एप की ओर ले जाया जा रहा है। पिछले दिनों वन एक्स बैट का प्रमोशन करने वाला सुरेश रैना का एक विज्ञापन इंटरनेट मीडिया में इसलिए चर्चा में रहा, क्योंकि यह आनलाइन चैलेंज और उसमें बोनस जीतने का अवसर देने के नाम पर यूजर को बेट की ओर ले जा रहा था। यह सरोगेसी विज्ञापन है और केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय अब इसकी काट खोजने में जूझ रहा है। इससे पहले मंत्रालय सट्टेबाजी और जुए का प्रचार करने वाले फिल्म और खेल के सितारों तथा इंटरनेट मीडिया के इन्फ्ल्यूंसर को इस तरह के प्रचार न करने के लिए आगाह कर चुका है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश सीके ठक्कर का कहना है 'आनलाइन गेमिंग उद्योग कौशल और किस्मत आधारित खेलों के बीच स्पष्ट अंतर के बिना धुंधले माहौल में काम कर रहा है। कोई स्पष्ट कानून नहीं है जो कौशल और किस्मत वाले खेलों की अलग-अलग सूची बना सके।'

सट्टेबाजी एप सबसे कम संभावना वाले नतीजों पर इतना ज्यादा पैसे देने का दावा करते हैं कि लोग बड़ी जीत की लालच में ज्यादा पैसा दांव पर लगा देते हैं। जीत की उम्मीद में लोग कंगाल हो रहे हैं।
रोलैंड लैंडर्स, आल इंडिया गेमिंग फेडरेशन के सीईओ

सारा खेल विदेश में बैठे आपरेटरों का है, जिनमें भारतीय भी शामिल हैं, क्योंकि देश में 95 प्रतिशत राज्यों में आनलाइन जुए और सट्टेबाजी में प्रतिबंध है। एप भारत से पैसे विदेश भेज रहे हैं।
विराग गुप्ता, आनलाइन गेमिंग के नियमन के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता

सबसे ज्यादा शिकायतें

2023-24 के लिए एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड काउंसिल आफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अवैध सट्टेबाजी के एड सबसे अधिक समस्या वाले विज्ञापनों में शामिल हैं। 17 प्रतिशत शिकायतें ऐसे ही विज्ञापनों को लेकर आ रही हैं।

बड़ा हाथ मारने के चक्कर में आ गए सट्टेबाजी में

गाजियाबाद के एक इलेक्ट्रीशिएन सुधांशु (बदला हुआ नाम) ने इसी साल आइपीएल में ढाई लाख रुपये सट्टेबाजी में गंवा दिए थे। पहले वह एक करोड़ रुपये जीतने की चाहत में 39 रुपये खर्च कर ड्रीम टीम बना रहे थे। फिर बड़ा हाथ मारने के चक्कर में सीधे सट्टेबाजी में आ गए। पेरिस में चीन के पदकों की संख्या पर सट्टा लगाने वाले गुरुग्राम के अतुल कुमार (बदला हुआ नाम) अब तक दो लाख रुपये से ज्यादा गंवा चुके हैं। साइबर एक्सपर्ट राहुल यादव का दावा है 'करीब 40 करोड़ लोग सट्टेबाजी में किसी न किसी रूप में शामिल हैं। मोटे तौर पर पांच सौ एप हैं, जो क्रिकेट से लेकर मौसम तक में सट्टेबाजी कराते हैं।'

शिमला, मंडी के बाद ऊना में सराय की जमीन पर बनी मस्जिद का विरोध

- ऊना में सराय के लिए दी थी, मस्जिद बनने के बाद लोगों ने रुकवाया निर्माण
- हिंदू संगठनों का ऊना मुख्यालय पर प्रदर्शन, ढांचा गिराने को दिया सात दिन का समय

ऊना की बसोली पंचायत के पीरनिगाह के पास मस्जिद के अवैध निर्माण के विरोध में प्रदर्शन करते ग्रामीण व हिंदू संगठनों के सदस्य। जागरण

जागरण संवाददाता, ऊना

हिमाचल प्रदेश में शिमला, मंडी, कुल्लू और बिलासपुर के बाद अब ऊना जिले की बसोली पंचायत में मस्जिद के अवैध निर्माण का विरोध तेज हो गया है। लोगों ने मस्जिद का निर्माण कार्य रुकवा दिया है। निजी भूमि पर मस्जिद का निर्माण किया जा रहा है। लोगों का दावा है कि यह भूमि सराय के निर्माण के लिए दी गई थी। इस मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने उपायुक्त ऊना जतिन लाल को ज्ञापन सौंपा और मस्जिद को गिराने की मांग की। उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

सोमवार को हिंदू संगठनों व बसोली के ग्रामीणों ने ऊना मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रशासन को इस ढांचे को सात दिन के अंदर गिराने का समय दिया। प्रशासन को चेताया कि सात दिन में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस ढांचे को गिरा देंगे। प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में हिंदू एकता मंच के अध्यक्ष चंदन शर्मा ने कहा कि बसोली में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं रहता है। ऐसे में वहां पर मस्जिद बनाने का क्या औचित्य है।

'समय के साथ वक्फ बोर्ड में भी सुधार की जरूरत'

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला : हिमाचल में कांग्रेस सरकार के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह का मानना है कि समय के साथ इसमें सुधार करने की गुंजाइश बनी हुई है। कहा कि वक्फ बोर्ड में भी बदलते समय के साथ कुछ सुधार करने की आवश्यकता है।

युवक की पिटाई से हिमाचल में जाग उठा हिंदू समाज

रोहित नागपाल • जागरण

शिमला : हिमाचल की राजधानी शिमला में हिंदू युवक की पिटाई मुस्लिम समुदाय के लोगों पर भारी पड़ गई। मामला 30 अगस्त का है। शिमला में मामूली कहासुनी पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिंदू युवक की पिटाई कर तेजधार हथियार से हमला कर दिया था। इस मामले में छह मुस्लिम युवक गिरफ्तार किए, लेकिन इससे हिंदुओं का गुस्सा शांत नहीं हुआ। बात संजौली में अवैध रूप से बनी मस्जिद को गिराने तक जा पहुंची। इस हमले से निकली चिंगारी ने पूरे हिमाचल में हिंदुओं में आक्रोश भर दिया। लगभग 14 वर्ष से नगर निगम शिमला की अदालत में लंबित मामले पर हिंदू संगठन पहले कभी इस तरह इकट्ठा नहीं हुए। लोगों ने मस्जिद को गिराने की मांग पर एक सितंबर को संजौली में पहला प्रदर्शन किया। प्रदर्शन नगर निगम के कांग्रेस पार्षदों के नेतृत्व में हुआ था। इसके बाद 11 सितंबर को संजौली में बड़ा प्रदर्शन हुआ। यह प्रदर्शन हिंदू संगठनों के आह्वान पर हुआ। इसका नेतृत्व कोई एक नेता नहीं कर रहा था, इसके पीछे केवल समाज था। तभी तो संजौली में जब कुछ लोगों ने प्रदर्शन समाप्त करने को लेकर प्रशासन से बात की तो दूसरे लोगों ने इसे मानने से इन्कार कर दिया और प्रदर्शन सुबह से लेकर शाम तक चला। संजौली से अवैध मस्जिद को गिराने की आवाज पूरे प्रदेश से उठने लगी। इसमें इंटरनेट मीडिया की भूमिका भी रही।

सुलतानपुर डकैती में वांछित एक लाख का इनामी मुठभेड़ में ढेर

जागरण टीम, लखनऊ

- एसटीएफ व उन्नाव पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई, मंगेश यादव के बाद दूसरा एनकाउंटर
- मारे गए अनुज के पिता ने कहा-अब उनको (अखिलेश) संतुष्टि मिल गई होगी
- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा-किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है

उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर के ठठेरी बाजार में सर्राफ भरतजी सोनी की दुकान में बीते 28 अगस्त को हुई डकैती में वांछित एक लाख रुपये का इनामी अनुज प्रताप सिंह सोमवार सुबह एसटीएफ व उन्नाव पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में ढेर हो गया। सत्ता और सपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का कारण बने हाई प्रोफाइल डकैती कांड में यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले डकैती में शामिल रहा जौनपुर निवासी मंगेश यादव पांच सितंबर को सुलतानपुर में हुई मुठभेड़ में मारा गया था। इस मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जाति देखकर फर्जी एनकाउंटर करने का आरोप लगाया था। सोमवार को अनुज सिंह के मारे जाने के बाद अमेठी निवासी उसके पिता धर्मराज सिंह ने सिसकते हुए कहा कि यादव-यादव चिल्लाया जा रहा था, अब तो ठाकुर का एनकाउंटर हो गया। उनको (अखिलेश) संतुष्टि मिल गई होगी, जबकि अखिलेश यादव ने कहा कि किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है।

उन्नाव के अचलगंज में सोमवार को अनुज प्रताप सिंह को मुठभेड़ में ढेर किए जाने के बाद घटनास्थल पर तैनात पुलिस। प्रेट्र

उन्नाव के एसपी दीपक भूकर ने बताया कि एसटीएफ को अनुज की लोकेशन अचलगंज थाना क्षेत्र के कोलुहागाड़ा गांव में मिली थी। जानकारी और पुष्ट हो जाने पर रविवार देर रात एसटीएफ पहुंच गई। सोमवार तड़के करीब चार बजे एसटीएफ और पुलिस टीम का अनुज से सामना हो गया। वह बाइक से कहीं जा रहा था। टीम ने उसे रोकने की कोशिश की तो फायर कर दिया। टीम द्वारा जवाब दिए जाने पर उसके सिर में गोली लगी। बाइक पर उसके पीछे बैठा साथी भागने में कामयाब रहा। अनुज द्वारा चलाई गई गोली एसटीएफ टीम में शामिल कमांडो को भी लगी, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट के कारण वह बाल-बाल बच गया। मुठभेड़ में घायल अनुज को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसटीएफ टीम का नेतृत्व कर रहे सीओ प्रमेश कुमार ने अनुज और उसके अज्ञात साथी पर पुलिस टीम पर हमला करने का मुकदमा दर्ज कराया है। अनुज के पास मिले बैग से चार किग्रा चांदी, दो पिस्टल, तीन कारतूस, सात खोखे और बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की गई है। मंगेश यादव उर्फ कुंभे और अनुज प्रताप सिंह के एनकाउंटर के बाद सुलतानपुर डकैती में अब अरबाज, फुरकान, अंकित व एक अज्ञात की तलाश है। डकैतों द्वारा लूटे गए 98 प्रतिशत से अधिक आभूषण पुलिस बरामद कर चुकी है। मामले में अज्ञात समेत 15 आरोपित शामिल बताए जा रहे थे। मुख्य सरगना विपिन सिंह गैंगस्टर के मामले में न्यायालय में हाजिर होकर रायबरेली जेल चला गया था।

सुप्रीम कोर्ट में वैवाहिक दुष्कर्म पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट वैवाहिक दुष्कर्म मामले पर मंगलवार को सुनवाई करेगा। इस जटिल कानूनी प्रश्न संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई होगी कि क्या अपनी बालिग पत्नी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने वाले पति को दुष्कर्म के अपराध में मुकदमे से छूट मिलनी चाहिए या नहीं।

पीठ ने सोमवार को कहा कि ये याचिकाएं पहले ही कल के लिए सूचीबद्ध हैं। मामले में एक वादी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील करुणा नंदी ने याचिकाओं को शीघ्र सूचीबद्ध करने संबंधी अपील का उल्लेख किया। इससे पहले 18 सितंबर को एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा था कि याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। बता दें कि आइपीसी की धारा 375 के अपवाद खंड के तहत किसी पुरुष द्वारा अपनी बालिग पत्नी के साथ यौन संबंध या यौन कृत्य दुष्कर्म नहीं है। आइपीसी को निरस्त कर दिया गया है और अब उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने ले ली है।

भारत में मिला एमपाक्स के तेजी से फैलने वाले वैरिएंट का पहला मरीज

नई दिल्ली, प्रेट्र : केरल में एमपाक्स के तेजी से फैलने वाले क्लैड-1बी वैरिएंट का एक मरीज मिला है। भारत में एमपाक्स के इस वैरिएंट का यह पहला मरीज है। इसी वैरिएंट की वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले महीने एमपाक्स को दूसरी बार सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

एमपाक्स का यह मरीज केरल के मलप्पुरम जिले का रहना वाला है। 38 वर्षीय यह व्यक्ति हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटा था। सूत्रों ने बताया कि उसकी हालत स्थिर है। इससे पहले एमपाक्स का मरीज दिल्ली में मिला था। 26 वर्षीय वह व्यक्ति हरियाणा के हिसार का रहने वाला था। उसमें पश्चिम अफ्रीका का क्लैड-2 वैरिएंट मिला था। डब्ल्यूएचओ द्वारा 2022 में एमपाक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के बाद से भारत में इसके 30 मामले मिल चुके हैं।

दिल्ली में मंकीपाक्स के मरीज को अस्पताल से मिली छुट्टी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: इस महीने की शुरुआत में लोक नायक अस्पताल में भर्ती मंकीपाक्स के एक मरीज को छुट्टी दे दी गई है। 26 वर्षीय मरीज लगभग 12 दिनों तक मंकीपाक्स के लिए बने आपदा वार्ड में भर्ती था। अस्पताल ने बताया कि मंकीपाक्स के एकमात्र मरीज को 21 सितंबर को छुट्टी दे दी गई। हरियाणा के हिसार के 26 वर्षीय मरीज को आठ सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, डाक्टरों ने 9 सितंबर को बीमारी की पुष्टि की थी। लोक नायक अस्पताल में 20 आइसोलेशन कमरे हैं, जिनमें से 10 संदिग्ध मामलों के लिए हैं और शेष पुष्ट मंकीपाक्स रोगियों के लिए हैं। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल और बाबासाहेब अंबेडकर अस्पताल में संदिग्ध मंकी पाक्स मामलों के लिए पांच-पांच कमरे और पुष्ट किए गए मामलों के लिए पांच-पांच कमरे हैं।

बेंगलुरु में महिला के शव के 59 टुकड़े कर फ्रिज में रखने वाले की हुई पहचान

- कर्नाटक के गृह मंत्री बोले-मुख्य संदिग्ध बंगाल का रहने वाला है
- महिला आयोग ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी, जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

बेंगलुरु, प्रेट्र : बेंगलुरु के एक घर में 165 लीटर के फ्रिज में रखे मिले 29 वर्षीय महिला के शव के 59 टुकड़ों का मामला अब खुलने ही वाला है। कर्नाटक के गृह मंत्री पी.परमेश्वरा ने कहा कि इस हत्याकांड में शामिल व्यक्ति की पहचान हो गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने बंगाल के एक व्यक्ति की पहचान मुख्य संदिग्ध के तौर पर की है, जो बेंगलुरु में ही रह रहा है। बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी.दयानंद ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि मुख्य संदिग्ध को पकड़ने के लिए ट्रैकिंग जारी है। उसकी गिरफ्तारी के बाद जांच आगे बढ़ेगी। मारी गई महिला के अलग रह रहे पति हेमंत दास के आरोपों पर अशर्रफ से पुलिस ने पूछताछ की है जो बेंगलुरु के नीलमांगला में रहता है। पति व परिवार के अन्य सदस्यों ने तीन और लोगों पर शक जताया है। पुलिस ने इस सभी से पूछताछ करके उन्हें जाने दिया। फ्रिज को भी फारेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। स्वजन ने महालक्ष्मी की अस्थियों को कन्याकुमारी में विसर्जित किया, ताकि दर्दनाक मौत पाने वाली पीड़ित की आत्मा को शांति मिले। महिला आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस से तीन दिन में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

यह है मामला : विगत 21 सितंबर को बेंगलुरु के व्यालिकवल के विनायक नगर स्थित फ्लैट में महालक्ष्मी का शव उसी के फ्रिज में पचास से अधिक टुकड़ों में मिला जिसमें कीड़े पड़ चुके थे। घर से दो दिनों से बदबू आने की पड़ोसियों की शिकायत पर महालक्ष्मी की मां और बड़ी बहन उसके घर पहुंचे और वहां यह भयानक दृश्य देखकर तत्काल पुलिस को बुलाया।

पुलिस के अनुसार फ्रिज चालू हालत में था, इसके बावजूद शव बहुत हद तक डीकंपोज हो गया था। इसलिए हत्या करीब एक पखवाड़े पहले हो चुकी थी। विगत रविवार को भाजपा की प्रदेश इकाई ने विरोध प्रदर्शन करके कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर आरोप लगाया था कि उनकी नीतियों के कारण ही कन्नड़ लोग अब वहां सुरक्षित नहीं हैं। कर्नाटक भाजपा ने एक्स पर पोस्ट करके आरोप लगाया कि अशर्रफ ने महालक्ष्मी की हत्या की है।

बदले तेवर

लेह में कार्यशाला में चीनी भाषा 'मंदारिन' के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा, कार्यशाला के बाद दो से तीन माह तक लद्दाख शिक्षक देंगे भाषा का ज्ञान

लद्दाख में चीन को उसकी भाषा में जवाब देंगे जवान

राज्य ब्यूरो, जागरण जम्मू

- कार्यशाला के बाद बेसिक ट्रेनिंग दो से तीन माह की
- आइटीबीपी कई जवान और अधिकारी कर चुके हैं चाइनीज लैंग्वेज का कोर्स

चीन की चालाकी को समझने के लिए लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात सेना के अधिकारियों और जवानों को चीनी भाषा 'मंदारिन' सिखाई जा रही है। चार वर्ष पहले पूर्वी लद्दाख में गलवन भिड़ंत के बाद दोनों देशों में चल रहे तनाव के बाद चीनी सैनिकों से संवाद करने के साथ चीनी भाषा की जानकारी होना जरूरी है। सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर मुख्यालय लेह में सोमवार को तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई, जिसमें चुनिंदा अधिकारियों व जवानों को चीनी भाषा का ज्ञान रखने वाले लद्दाखी विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षित कर रहे हैं। इस कार्यशाला के बाद भाषा की बेसिक ट्रेनिंग शुरू होगी जो दो से तीन माह की होगी।

सेना की उत्तरी कमान की देखरेख में हो रही कार्यशाला का मकसद भारतीय सेना के कर्मियों को पड़ोसी देश के सैनिकों की भाषा बोलने व समझने में दक्ष बनाना है। कई बार सीमा पर घुसपैठ, कोर कमांडर स्तर की वार्ता, फ्लैग मीटिंग, संयुक्त अभ्यासों और सीमा कार्मिक बैठकों में पर चीनी अधिकारी से लेकर सैनिक गुप्त तरीके से बात भी करते हैं, जिसे हमारे सैनिक नहीं समझ पाते हैं।

पूर्वी लद्दाख के गलवन में चीनी सेना के साथ हिंसक संघर्ष के बाद भारतीय सेना क्षेत्र में हर लिहाज से खुद को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है। भारतीय सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की सेना की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हैं। सैनिकों को चीन भाषा की जानकार बनाना भी भारतीय सेना की आपरेशनल तैयारियों का ही हिस्सा है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर रहने वाले भारतीय चरवाहों के साथ तिब्बत से पलायन कर लद्दाख में बसे तिब्बती भी चीनी भाषा की जानकारी रखते हैं। ऐसे में वे भी भारतीय सैनिकों के लिए अहम हैं। बता दें कि लद्दाख में तैनात आइटीबीपी कई जवान और अधिकारी चाइनीज लैंग्वेज कोर्स कर चुके हैं।

लेह में शुरू हुई चीनी भाषा पर तीन दिवसीय कार्यशाला में हिस्सा ले रहे भारतीय सेना के अधिकारी व जवान। फोटो सेना

भारत-चीन सीमा पर और बढ़ेगी निगरानी

जागरण संवाददाता,गंगटोक : भारत-चीन सीमा की निगरानी और बढ़ेगी। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुरक्षा तैयारियों को जायजा लने स्वयं सेना के पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी उत्तर सिक्किम पहुंचे। इस क्षेत्र की सीमा चीन के साथ ही तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र से लगती है।

लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी इस क्षेत्र में अग्रिम चौकियों तक गए और यहां तैनात त्रिशक्ति कोर के जवानों से मुलाकात की। उन्होंने यहां सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और सीमा पर सुरक्षा स्थिति एवं आपरेशनल तैयारियों पर बातचीत की। लेफ्टिनेंट जनरल ने यहां 17 हजार फीट की ऊंचाई पर देश की सुरक्षा में तैनात सैनिकों से बातचीत की और कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए उनके योगदान और समर्पण को सराहा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र काफी चुनौतीपूर्ण है।

'सरकार अदालतों के लिए एकल वादी, समग्र रुख के साथ आए'

- मिजोरम के वन व राजस्व विभाग में एक अधिसूचना को लेकर विवाद

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अदालतों के लिए सरकार एकल वादी है। इसलिए उसे अपने सभी संबंधित विभागों से परामर्श करने के बाद अदालत के सामने अपने एकीकृत या समग्र रुख के साथ ही आना चाहिए। पीठ ने सोमवार को कहा कि मिजोरम सरकार में वन और राजस्व विभाग में मई, 1965 की एक अधिसूचना को लेकर विवाद है।

सर्वोच्च अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि गौहाटी हाई कोर्ट की आइजल खंडपीठ ने जनवरी, 2021 में असम के गजट की 19 मई, 1965 की अधिसूचना के सिलसिले में अपनी याचिका लगाई है। मिजो जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक आदेश पारित करके तुरियल नदी के एक तरफ आधे मील के जंगल को और 15 अन्य नदियों को परिषद का संरक्षित वन को घोषित किया था जो कानून के तहत टिकाऊ नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने पहले हाई कोर्ट की एक पीठ में याचिका दायर करने को अपील को वापस लेने की छूट के साथ ही जरूरत पड़ने पर एक नई याचिका दायर करने की भी अनुमति मांगी है।

****

लोगों की मौत हो गई महाराष्ट्र के अमरावती जिले में सोमवार को एक ब्रिज सेनाले में बस के गिरजाने से। यह दुर्घटना परातवाड़ा-धरनी रोड पर सेमादोह गांव के समीप सुबह आठ बजे हुई। बस में 45 यात्री थे।

तिरुपति मंदिर में शुद्धिकरण को शांति होम पंचगव्य प्रोक्षण

अनुष्ठान सुबह छह बजे शुरू हुआ और 10 बजे तक चला

तिरुपति, प्रेट्र: वाईएसआरसीपी शासन के दौरान तिरुमाला मंदिर में हुई अपवित्रता को सुधारने के लिए सोमवार को चार घंटे का शांति होम पंचगव्य प्रोक्षण (अनुष्ठानात्मक पवित्रीकरण) का आयोजन किया गया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक सूत्र ने बताया कि अनुष्ठान सुबह छह बजे शुरू हुआ और 10 बजे तक चला। इसका उद्देश्य भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को प्रसन्न करना है। तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी के इस्तेमाल से अपवित्रता फैली है, इसका शुद्धिकरण जरूरी है। टीटीडी की कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने कहा कि ये अनुष्ठान बुरे प्रभावों को दूर करेंगे और श्रीवारी भक्तों की भलाई के साथ-साथ लड्डू प्रसादम की पवित्रता को बहाल करेंगे।

तमिलनाडु भाजपा ने सीबीआइ जांच की मांग की : भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने सोमवार को आंध्र प्रदेश सरकार से लड्डू प्रसादम विवाद के बाद तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर के भक्तों का विश्वास बहाल करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने चेन्नई में कहा कि मामले की न्यायिक जांच पर विचार करना चाहिए। यहीं नहीं, पूरे प्रकरण की जांच सीबीआइ को सौंपनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में पारदर्शिता, जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस विवाद ने दुनियाभर के हिंदू समुदाय को झकझोर दिया है, जिससे आक्रोश फैल रहा है। उन्होंने कहा कि लड्डू प्रसादम की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसकी पवित्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सोमवार को तिरुपति मंदिर में शांति होम पंचगव्य प्रोक्षण करते पुजारी। एएनआइ

तिरुपति में पशु चर्बी मिला घी सप्लाई करने वाली कंपनी का लाइसेंस हो सकता है रद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तिरुपति के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पशु की चर्बी मिला घी सप्लाई करने वाली कंपनी एआर डेरी का लाइसेंस रद हो सकता है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी आफ इंडिया (एफएसएसएआइ) ने कंपनी को मिलावट की शिकायत पर लाइसेंस रद करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार तिरुमला तिरुपति देवस्थानम यानी टीटीडी द्वारा भेजे गए सैंपल की टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर एफएसएसएआइ ने नोटिस जारी किया है। ध्यान देने की बात है कि किसी भी तरह का खाद्य पदार्थ बाजार में बेचने के लिए एफएसएसएआइ का लाइसेंस अनिवार्य है ताकि उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि टीटीडी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार मंदिर में लड्डू बनाने के लिए चार कंपनियों द्वारा घी सप्लाई किया जाता था। इनमें से सिर्फ एक कंपनी एआर डेरी के नमूने फेल हुए। एफएसएसएआइ के नियम के मुताबिक घी सिर्फ दूध से ही बना होना चाहिए और उसमें किसी भी तरह की चर्बी की मिलावट लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन है। कंपनी की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में एफएसएसएआइ उसका लाइसेंस रद करने के साथ ही जुर्माना भी लगा सकता है।

तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट का स्वत : संज्ञान ले सुप्रीम कोर्ट : विहिप

- कहा- अक्षम्य अपराध के दोषियों की पहचान कर कड़ी सजा दी जाए
- श्री वेंकटेश्वर स्वामी के करोड़ों भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची

जेएनएन, नई दिल्ली : विश्व हिंदू परिषद ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वह तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट के मामले का स्वतः संज्ञान ले और दोषियों की पहचान के लिए जांच शुरू करे। विहिप के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की तिरुपति में हुई बैठक के दौरान शीर्ष कोर्ट से यह मांग की गई। बैठक में विहिप के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा और अन्य संत शामिल हुए।

विहिप का यह अनुरोध आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा हाल ही में किए गए उस दावे के मद्देनजर आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को भी नहीं बख्शा और अपने अनोखे स्वाद के लिए मशहूर तिरुपति लड्डू बनाने में घटिया सामग्री और पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया। विहिप ने जारी विज्ञप्ति में कहा-''सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और इस अक्षम्य अपराध के दोषियों की पहचान करने और उन्हें कड़ी सजा देने के लिए एक निश्चित समय अवधि में इसकी जांच करनी चाहिए।''

साथ ही विहिप ने कहा कि इस मामले में लापरवाही और देरी की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि ऐसा होने की सूरत में हिंदुओं द्वारा देशव्यापी आंदोलन छेड़ा जा सकता है। वह इस मुद्दे पर पहले से ही रोष में हैं। विहिप के अनुसार, प्रकरण से दुनियाभर में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के करोड़ों भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, क्योंकि लड्डू प्रसादम को अत्यंत आस्था के साथ एक दिव्य आशीर्वाद के रूप में माना जाता है और इसका सेवन किया जाता है।

सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर तिरुपति के लड्डू प्रसाद बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल की जांच की मांग की। उन्होंने ने शीर्ष अदालत से आंध्र प्रदेश सरकार को लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए गए घी के सोत और नमूने पर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। स्वामी ने अपनी याचिका के बारे में एक्स पर पोस्ट भी किया। उन्होंने कहा कि तिरुपति तिरुमाला मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी की मिलावट से भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआरसीपी सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर तिरुपति लड्डू बनाने वाले घी में पशु चर्बी के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति गठित करने की मांग की है।

लड्डू विवाद ने दिया आंध्र में सनातन को संबल

अरविंद शर्मा ● जागरण

- तिरुपति मंदिर में मिलावटी घी की आपूर्ति सिर्फ आस्था तक सीमित नहीं रहने वाली
- 90 प्रतिशत हिंदू आबादी वाले आंध्र प्रदेश की राजनीति पर दिखेगा इसका लंबा असर

नई दिल्ली : तिरुपति मंदिर में मिलावटी घी की सप्लाई का असर सिर्फ आस्था और स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहने वाला है। यह 90 प्रतिशत हिंदू आबादी वाले आंध्र प्रदेश की राजनीति पर भी गहरा असर डालने वाला हो सकता है। तिरुपति बालाजी में प्रचंड आस्था के सहारे चिंगारी ऐसी लगी है कि राज्य में दशकों से शिथिल सनातनी भावना एकाएक उभार पर आ गई है। पूरी जांच रिपोर्ट के बाद अगर यह साबित हो गया कि घी में आपत्तिजनक मिलावट थी तो वाईएसआरसीपी सुप्रीमो और पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी की राजनीति धराशायी हो सकती है। हालांकि अभी आंध्र प्रदेश या दक्षिण के किसी राज्य में कोई चुनाव नहीं है, लेकिन यह ऐसा मुद्दा है जिसका असर लंबा होगा।

जगन मोहन के शासनकाल में तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में पशु चर्बी के इस्तेमाल का मामला सामने आने के बाद प्रायश्चित के लिए महाशांति यज्ञ और देवालय परिसर के शुद्धिकरण के अतिरिक्त आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के 11 दिनों के उपवास पर जाने से साफ है कि राजनीति का चक्र तेजी से घूमने लगा है। दूसरी तरफ जगन मोहन की तरफ से यह चुनौती दी जा रही है कि घी का जो सैंपल भेजा वह तब का है जब राज्य में चंद्रबाबू नायडू सरकार बन गई थी। वाईएसआरसीपी का आरोप है कि राज्य में कुप्रबंधन से ध्यान भटकाने के लिए घी का विवाद उछाला गया है। बहरहाल, देशभर के देवालयों के प्रबंधन से जुड़े अमिय भूषण इसे जगन मोहन की राजनीति के अंत की शुरुआत मानते हैं। वह कहते हैं कि डेढ़ प्रतिशत से भी कम आबादी वाले क्रिश्चियन समुदाय से आने वाले जगन मोहन ने बहुसंख्यकों की भावना को चोट पहुंचाई है।

पिछले लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के नतीजे बता रहे हैं कि जातीय समीकरण प्रभावी हो चुका है। 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश की पांच करोड़ आबादी में हिंदू 90.89 प्रतिशत हैं। मुस्लिम 7.30 और ईसाई मात्र 1.38 प्रतिशत हैं। जगन मोहन का परिवार ईसाई है, जो लगभग छह पीढ़ी पहले रेड्डी से धर्मांतरित हुआ है।

हिंदू में तीन जातियां प्रमुख हैं। कम्मा, कापू और रेड्डी। कम्मा की संख्या सबसे ज्यादा लगभग 25 प्रतिशत है। चंद्रबाबू इसी जाति से आते हैं। दूसरी बड़ी जाति कापू है, जिसके नेता पवन कल्याण हैं। इसकी आबादी 15 प्रतिशत है। किंतु दोनों परस्पर विरोधी मानी जाति थीं। तीसरे नंबर पर रेड्डी हैं, जो संख्या में सिर्फ 10 प्रतिशत हैं मगर सर्वाधिक संपन्न, शिक्षित एवं प्रभावशाली हैं। जगन मोहन रेड्डी के पूर्वजों के धर्मांतरण के बावजूद उन्हें रेड्डी वोटरों का समर्थन मिलता रहा है।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में आकाशीय बिजली से 10 लोगों की मौत

राजनांदगांव : छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और जांजगीर-चांपा में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो दिनों में 10 लोग मारे गए हैं। 11 लोग घायल हुए हैं। राजनांदगांव में सोमवार को गाज गिरने की दो घटनाओं में नौ लोगों की मौत हुई है। जिले के ग्राम मुढ़ीपार-जोरातराई में पेड़ के नीचे टपरी में बारिश से बचने के लिए आश्रय लिए चार स्कूली छात्रों समेत आठ की गाज की चपेट में आने की मौत हो गई। सभी 11वीं के छात्र थे। सोमनी क्षेत्र में बिजली गिरने से एक व्यक्ति मारा गया। जांजगीर-चांपा में किशोर की मौत हो गई। (नईदुनिया प्रतिनिधि)

बिजनौर में कब्र खोदकर शव से काट ले गए सिर

बिजनौर : उत्तर प्रदेश के बिजनौर में कब्रिस्तान से कारी (मस्जिद में पदाधिकारी) की कब्र खोदकर शरारती तत्व उनके शव से सिर काटकर ले गए। सोमवार सुबह इसकी जानकारी होने पर लोग आक्रोशित हो गए। एएसपी सिटी ने आशंका जताई कि यह सब तंत्र क्रिया के लिए किया गया है। कारी के बेटे फैजान की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। 85 वर्षीय कारी सैफुर रहमान का 25 जुलाई को बीमारी से निधन हो गया था। उनके शव को स्थानीय कब्रिस्तान में दफनाया गया था। सोमवार सुबह कुछ लोग कब्रिस्तान में फातिहा पढ़ने गए। यहां कब्र खुली मिली। (जासं)

तमिलनाडु में तीन ने युवक का जनेऊ काटकर फेंका

तिरुनेलवेली : तमिलनाडु में मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने 24 वर्षीय एक व्यक्ति का जनेऊ काट कर फेंक दिया। यह घटना 21 सितंबर की शाम पलायमकोट्टई में हुई। पीड़ित अखिलेश एक भजन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने धोती पहन रखी थी। वह बिना शर्ट पहने ही कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी बीच, मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोका और उनका जनेऊ काटकर फेंक दिया। उनका मजाक उड़ाते हुए इसे फिर न पहनने की धमकी भी दी। (प्रेट्र)

कंगारू कोर्ट लगा महिला के बाल काटे, प्रेमी का सिर मुंडवा कर पीटा

जागरण संवाददाता, इस्लामपुर

- बंगाल के उत्तर दिनाजपुर का मामला
- वीडियो प्रसारित होने पर जागी पुलिस

बंगाल में महिलाओं के साथ बर्बरता की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। राज्य के जिस उत्तर दिनाजपुर जिले में कुछ महीने पहले एक तृणमूल नेता ने एक महिला की जमकर पिटाई की थी, उसी जिले में फिर से एक महिला के साथ बर्बरता हुई है। महिला के न केवल बाल काटे गए, बल्कि उसको एक खंबे से बांधकर रखा गया। उसके कथित प्रेमी का सिर मुंडवा दिया गया। उसकी पिटाई भी की गई।

यह घटना तब हुई है, जब पूरे राज्य में आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दरिंदगी के विरोध में आंदोलन चल रहा है। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस की नींद टूटी है। हालांकि, दैनिक जागरण वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। यह घटना उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर थाने के रुइया इलाके की है। कहा जा रहा है कि सालिसी सभा (कंगारू कोर्ट) में ''पंचों'' ने इस प्रकार का बर्बर फैसला सुनाया।

स्थानीय सूत्रों ने बताया है कि गांव की रहने वाली एक शादीशुदा महिला को उसी गांव के एक युवक से प्यार हो गया। दोनों घर से भाग गए थे। ग्रामीण उन्हें पकड़ कर गांव ले आए और सालिसी सभा बुलाई। इसी में दोनों के बाल मुड़वाने के साथ खंबे में बांधकर रखने का फैसला सुनाया गया। लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के साथ ही खलबली मच गई। पुलिस अधिकारी डेंडूप शेरपा ने कहा कि शिकायत मिली है। पुलिस ने पीड़िता के पति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

मतांतरण की कोशिश करने वाले दंपती सहित पांच पर केस

नईदुनिया प्रतिनिधि, गुना : मध्य प्रदेश के गुना में प्रलोभन देकर आदिवासी लोगों के मतांतरण की कोशिश करने पर दंपती और उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। यह दंपती ईसाई धर्म प्रचारक के रूप में राजस्थान के बारां जिले से गुना आया था। आरोपित हिंदू धर्म के लोगों को पैसे व उपहार का प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में मतांतरण की साजिश रच रहे थे।

रविवार को चरण सिंह आदिवासी की ओर से मतांतरण की सूचना मिलने के बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता सरसवेह गांव में पहुंचे। वहां पता चला कि बालमुकंद आदिवासी, साबित्री बाई आदिवासी और पिंकी आदिवासी की ओर से लोगों को पैसे व उपहार का प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में मतांतरण के लिए उकसाया जा रहा है। इस मामले के आरोपितों को खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने पंथनिरपेक्षता को यूरोपीय अवधारणा बताया

- आरएन रवि ने कहा-एक 'असुरक्षित' पीएम ने इसे बाद में संविधान में जोड़ा
- बोले-भारत धर्म प्रधान राष्ट्र है इसीलिए ये हमारे संविधान का हिस्सा नहीं था

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि पंथनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है। चर्च और राजा के बीच के संघर्ष के कारण सेक्युलरिज्म का सोच उपजा था। जबकि भारत एक धर्म प्रधान राष्ट्र है और इसीलिए यह हमारे संविधान का हिस्सा नहीं था। लेकिन आपातकाल के दौरान एक 'असुरक्षित' प्रधानमंत्री ने पंथनिरपेक्षता यानी सेक्युलरिज्म को भारतीय संविधान में जोड़ दिया था। राज्यपाल के इस बयान की वामपंथी नेता डी. राजा ने कड़ी आलोचना की है।

कन्याकुमारी में एक कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि इस देश के लोगों के साथ बहुत सारे फ्राड किए गए हैं। और इसी में से एक पंथनिरपेक्षता का गलत विश्लेषण है। आखिर यह सेक्युलरिज्म क्या है? सेक्युलरिज्म एक यूरोपीय अवधारणा है। यह भारतीय अवधारणा नहीं है। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि दशकों बाद आपातकाल (1975-77) के दौरान एक असुरक्षित प्रधानमंत्री ने लोगों के तबके के तुष्टीकरण के लिए भारतीय संविधान में पंथनिरपेक्षता को जोड़ दिया।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि यूरोप में चर्च और राजा के बीच वर्चस्व की लड़ाई लंबे समय तक चली थी। इसी के चलते यूरोप में सेक्युलरिज्म का उद्भव हुआ। रवि ने दावा किया कि आजादी के समय जब संविधान का मसौदा तैयार किया जा रहा था तब पंथनिपेक्षता को लेकर चर्चा हुई और संविधान सभा ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भारत एक धर्म प्रधान देश है और यहां यूरोप जैसा कोई संघर्ष नहीं है। संविधान सभा ने चर्चा के बाद कहा कि भारत धर्म का देश है। यहां धर्म से कैसे संघर्ष हो सकता है? भारत भला धर्म से अलग कैसे हो सकता है। यह संभव ही नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि भारत में पंथनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता ही नहीं है। इस बीच, माकपा नेता डी.राजा ने सोमवार को तमिलनाडु के राज्यपाल के बयान की आलोचना करते हुए भारत के संवैधानिक मूल्यों की समझ पर सवाल उठाए और कहा कि डा. बीआर आंबेडकर ने कहा था कि अगर हिंदू राष्ट्र असलियत में बना तो एक बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ेगा। आखिर वह भारत के बारे में क्या जानते हैं? वह एक राज्यपाल हैं, उन्हें संविधान से बंधे रहना चाहिए।

कर्नाटक हाई कोर्ट सिद्दरमैया की याचिका पर आज सुनाएगा फैसला

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक हाई कोर्ट मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की याचिका पर अपना आदेश सुनाएगा। याचिका में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण मामले में उनके खिलाफ अभियोग चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने 12 सितंबर को मामले में अपनी सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस एम नागप्रसन्ना की एकल पीठ इस मामले में मंगलवार को अपना आदेश सुनाएगी।

राज्यपाल ने याचिका पर 16 अगस्त को मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। सिद्दरमैया ने 19 अगस्त को राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था। याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे जारी किया गया और यह वैधानिक नियमों का उल्लंघन है।

बिहार में फिर गिरा पुल का हिस्सा, सियासी रार

जासं, समस्तीपुर

- अधिकारियों ने कहा, बियरिंग और गर्डर बदलने के समय हुई घटना

बिहार में बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु के निर्माणाधीन संपर्क पथ स्थित नंदनी लगुनिया रेलवे स्टेशन के पास बन रहे पुल का गर्डर रविवार की देर शाम गिर गया। सोमवार को जांच के लिए बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन की तीन सदस्यीय टीम पहुंची। टीम ने शेष तीन और गर्डर को हटाने का निर्देश दिया है। बता दें कि बिहार में 18 जून से लेकर अभी तक डेढ़ दर्जन से अधिक पुल और पुलिया क्षतिग्रस्त चुके हैं।

बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक सत्य कपिल अशोक ने बताया कि निर्माणाधीन पुल पर पहले से बियरिंग लगाई गई थी, जो लगभग सात वर्ष पुरानी हो गई थी। उसे और गर्डर को बदलने का निर्देश निर्माण कंपनी को पहले ही दिया गया था। इसी कार्य के दौरान रविवार को गर्डर गिरने की घटना हुई। बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु और इसके संपर्क पथ का निर्माण 1603 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड निर्माण करा रही है। इसमें गंगा पर बन रहे पुल के अलावा 45 किमी एप्रोच रोड बनाने की योजना है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इस योजना की शुरुआत वर्ष 2011 में हुई थी। पांच वर्ष में पूरा करना था। कतिपय कारणों से बीच में निर्माण रोकना पड़ा। जो गर्डर पुल के ऊपर रखे गए हैं उन्हें भी बदलने का निर्देश दिया गया है। अधिकारी भी इस बात को मान रहे हैं कि मानवीय भूल के कारण गर्डर गिरा। उन्होंने कहा कि पुल के ऊपर जो गर्डर टेढ़े हो गए थे, उन्हें भी काट कर हटा दिया गया था।

समस्तीपुर में निर्माणाधीन पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद जायजा लेते अधिकारी। जागरण

एनडीए की बुनियाद ही कमीशनखोरी और संस्थागत भ्रष्टाचार : तेजस्वी

निर्माणाधीन पुल का स्पैन गिरने के बाद बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। अपनी दुबई यात्रा के बीच तेजस्वी ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर एक पोस्ट डाल कर कहा है कि 1603 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन समस्तीपुर-बख्तियारपुर गंगा महासेतु का संपर्क पथ के पुल का स्पैन भर-भराकर गिर गया। तेजस्वी ने कहा कि 20 वर्षों की एनडीए सरकार की बुनियाद ही कमीशनखोरी, रिश्वतखोरी, संस्थागत भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता, अवैध वसूली तथा अपराधी व अधिकारियों की संगठित लूट पर टिकी है।

रेलवे स्टेशनों की सीमा में शुरू हुआ 'आपरेशन कवच'

जासं, कानपुर : कानपुर में ट्रेनों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। साबरमती और कालिंदी एक्सप्रेस की घटना पहले से ही पुलिस के लिए चुनौती थी, सरसौल के प्रेमपुर में रेल ट्रैक पर सिलिंडर रखकर एक और चुनौती साजिशकर्ताओं ने दे दी। ऐसे में रेलवे ने अब रेलवे स्टेशनों की सीमा में आपरेशन कवच चलाया है। अभियान के तहत जीआरपी, आरपीएफ, रेलवे और पुलिस टीमें मिलकर अराजकतत्वों का डाटा जुटाएंगी। हाईवे या फिर मुख्य मार्गों के पास के रेलवे स्टेशनों पर खास नजर रखी जा रही है। होटल, दुकानों और उसमें उठने-बैठने वालों का डाटा जुटाया जा रहा है। रेलवे लाइन के किनारे बस्तियों में रहने वालों को जीआरपी ने रेल मित्र बनाने की शुरुआत की है। जीआरपी और आरपीएफ रेल ट्रैक के किनारे रहने वालों के मोबाइल नंबर, कब से रह रहे, परिवार में कौन-कौन हैं आदि ब्योरा जुटा रही है। ट्रेनों में अपराध करने वालों, दूसरे अपराधों में लिप्त और अराजक तत्वों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

सूरज का सितम

वर्ष 1974 के बाद पहली बार सितंबर में 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा पारा, प्रदेश में मौसम शुष्क, बुधवार को कुमाऊं में तीव्र बौछारों के बन रहे आसार

देहरादून में सितंबर में पारे ने तोड़ा 50 साल का रिकार्ड

जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में मानसून कमजोर पड़ने के बाद मौसम शुष्क बना हुआ है। चटख धूप पसीने छुड़ा रही है। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में शुष्क मौसम के बीच पारे में उछाल दर्ज किया जा रहा है। यही नहीं दून में सोमवार को पारे ने 50 वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया। 1974 के बाद पहली बार सितंबर में दून का अधिकतम तापमान 36 डिग्री से अधिक रहा है।

देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में बीते कुछ दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है। हालांकि, सुबह-शाम मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन चटख धूप खिलने से दून में पारा तेजी से चढ़ा है। सोमवार को दून का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक है। बीते तीन दिन में ही पारे में तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। यह 50 वर्ष में सितंबर में दून का सर्वाधिक तापमान है। सितंबर में दून में सर्वाधिक तापमान का आल टाइम रिकार्ड चार सितंबर 1974 में 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, प्रदेश में मानसून की गतिविधि फिलहाल धीमी है।

बीते वर्षों में सितंबर में दून का सर्वाधिक तापमान

दिन	तापमान
07 सितंबर 2023	35.9
20 सितंबर 2022	33.9
27 सितंबर 2021	34.0
21 सितंबर 2020	35.7
03 सितंबर 2019	34.9
06 सितंबर 2018	34.5
18 सितंबर 2017	34.1
17 सितंबर 2016	33.4
30 सितंबर 2015	34.0
19 सितंबर 2014	32.7

30 वर्ष बाद शिमला में सितंबर में सबसे गर्म दिन रहा सोमवार

राज्य ब्यूरो, जागरण, शिमला : हिमाचल में कुछ दिन से खिल रही धूप ने सितंबर में जून जैसी गर्मी का अहसास करवा दिया है। शिमला में सोमवार को सितंबर में 1994 के बाद सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया और पारा 28.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 30 सितंबर, 1994 को 28.6 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया था।

सोलन के कराड़घाट में दरकी पहाड़ी, 15 घंटे बंद रहा एनएच

शिमला-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोलन के कराड़घाट के समीप रविवार रात करीब तीन बजे साफ मौसम में पहाड़ी दरकने से मलबा सड़क पर आ गया। इस कारण नौ जिलों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। इस कारण सड़क के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों को वाया पिपलूघाट संपर्क मार्ग वाया शिवनगर मार्ग व मांगू-सेर-गलोटिया मार्ग से गंतव्य के लिए भेजा गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने जानकारी मिलते ही सुबह सात बजे जेसीबी मशीनें मौके पर भेजी और सड़क को खोलने का कार्य शुरू कर दिया गया। 15 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद एक लेन खोलकर वाहनों की आवाजाही शुरू करवा दी गई। एनएचएआइ के डिप्टी मैनेजर अमित प्रभात ने बताया कि अचानक पहाड़ी सड़क पर गिर गई थी। इसका कारण किसी तरह का निर्माण नहीं था, लेकिन कुछ दिन लगातार वर्षा के बाद पड़ी तेज धूप के कारण मिट्टी की सारी नमी सूख गई और पहाड़ी से मिट्टी बड़ी मात्रा में सड़क पर आ गिरी। लोगों को वर्षा के बाद ऐसे स्थानों पर सतर्क होकर चलना चाहिए।

****

तमिलनाडु बसपा प्रमुख की हत्या में वांछित गैंगस्टर मुठभेड़ में ढेर

- एक अन्य गैंगस्टर काकाथोप बालाजी 18 सितंबर को ग्रेटर चेन्नई पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ मारा गया था
- हाल के दिनों में बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले से जुड़ी यह तीसरी मुठभेड़

चेन्नई, आइएनएस : तमिलनाडु बसपा अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले में वांछित गैंगस्टर सोमवार को चेन्नई में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। वह 'सीजिंग' राजा के नाम से कुख्यात था। गैंगस्टर को आंध्र प्रदेश से पकड़ा गया था। पुलिस उसे हथियारों की बरामदगी के लिए कहीं ले गई थी, इसी दौरान उसने भागने की कोशिश की और पुलिस की गोली से मारा गया। एक अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई।

राजा बसपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या मामले में आरोपित था। वह पांच अन्य हत्या के मामलों में भी आरोपित था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास के कई मामले दर्ज थे। हाल के दिनों में आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले से जुड़ी यह तीसरी मुठभेड़ है। विगत 14 जुलाई को चेन्नई पुलिस की एक टीम ने आर्मस्ट्रांग की हत्या के मुख्य आरोपितों में से एक के. थिरुवेंगदम को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। पुलिस ने कहा है कि जब आर्मस्ट्रांग की हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों की पहचान के लिए उसे माधवराम झील परिसर में लाया गया और उसकी हथकड़ी हटाई गई तो उसने पुलिस पर हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी, जिससे गैंगस्टर की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य गैंगस्टर काकाथोप बालाजी 18 सितंबर को ग्रेटर चेन्नई पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ मारा गया था।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 24 सितंबर, 2024

दैनिक जागरण

संघर्ष के बिना मिली सफलता वेस्वाद होती है

भारत-अमेरिका संबंध

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा दोनों देशों के संबंधों में और अधिक प्रगाढ़ता का परिचय देने वाली तो है ही, भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कद को भी रेखांकित करने वाली है। इस यात्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि क्वाड संगठन अब एक ठोस आकार ले रहा है और उसके उद्देश्य भी पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो रहे हैं। क्वाड को और अधिक सशक्त करने के लिए यह आवश्यक है कि सभी सदस्य देश अर्थात भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया अपने आपसी संबंधों में भी सुधार लाने की दिशा में आगे बढ़ें। क्वाड के समक्ष जो चुनौतियां हैं, उनमें केवल एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता ही नहीं है, बल्कि विश्व के अन्य क्षेत्रों में भी जारी उथल-पुथल भी है। क्वाड इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि एक ओर रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है तो दूसरी ओर पश्चिम एशिया में भी अशांति बढ़ रही है। क्वाड को एक ऐसे प्रभावी संगठन के रूप में उभरना होगा, जो न केवल स्वयं अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों के प्रति प्रतिबद्ध रहे, बल्कि यह संदेश देने में भी सफल रहे कि दुनिया के सभी देशों को ऐसा करना होगा। लोकतांत्रिक देशों के संगठन के रूप में क्वाड के और अधिक प्रभावी होने की आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र अपना प्रभाव एवं अपनी प्रासंगिकता खोता जा रहा है। विडंबना यह है कि इसके बाद भी संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में सुधार की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है।

भारतीय प्रधानमंत्री का अमेरिका दौरा इसका भी सूचक है कि दोनों देशों के संबंध अब एक ऐसे दौर में पहुंच रहे हैं, जहां आपसी लेन-देन एवं समझबूझ और अधिक बढ़ेगी। इसकी पुष्टि विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हो रहे आपसी समझौतों से भी होती है। अब इस नतीजे पर पहुंचने के अच्छे-भले कारण हैं कि भारत-अमेरिका मैत्री पर किसी देश में सत्ता परिवर्तन से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी एक ऐसे समय क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने अमेरिका पहुंचे, जब वहां राष्ट्रपति चुनावों का जोर है। यह लगभग तय है कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कोई भी बने, दोनों देशों के संबंध और प्रगाढ़ होते रहेंगे। यह स्थिति बनी रहे, इसके लिए उन मुद्दों को हल करना भी आवश्यक है, जो दोनों देशों के संबंधों में बाधा बनते रहते हैं अथवा अविश्वास का कारण बनते हैं। यह अच्छा नहीं हुआ कि भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के ठीक पहले अमेरिकी अधिकारियों ने खालिस्तान समर्थकों से मुलाकात करना आवश्यक समझा। इस मुलाकात का उद्देश्य कुछ भी हो, उससे संदेश यही निकला कि अमेरिकी नेतृत्व खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताओं के प्रति संवेदनशील नहीं। भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों में किस तरह खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण दिया जा रहा है और उन्हें भारत विरोधी गतिविधियां चलाने की छूट सी दी जा रही है।

पुलिस के लिए चुनौती

पंजाब में गैंगस्टरों एवं आतंकियों की ओर से फोन करके रंगदारी मांगने की घटनाओं से लोगों में डर पैदा होता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से इस तरह की घटनाओं में वृद्धि हुई है जिससे पुलिस के लिए चुनौती बढ़ती जा रही है। मोहाली में एक प्रापर्टी डीलर को फोन करके दो करोड़ रुपये मांगे गए, जबकि फार्मास्युटिकल कारोबारी से बिजनेस में हिस्सा देने को कहा गया। दोनों को फोन करने वाले ने अपना नाम गोल्डी बराड़ बताया और मांग पूरी न करने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। इसी तरह तरनतारन में एक किसान को फोन करके आतंकी लखबीर के गुर्गे ने पचास लाख रुपये मांगे। रंगदारी देने से इन्कार करने पर घर पर फायरिंग भी की गई। इससे पता चलता है कि असामाजिक तत्वों का दुस्साहस कितना बढ़ता जा रहा है। इससे पहले भी गुरदासपुर एवं तरनतारन में इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। तस्करों, गैंगस्टरों एवं आतंकियों का गठजोड़ सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। पुलिस को यथाशीघ्र इस गठजोड़ को खत्म करना होगा। गैंगस्टरों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई तो कर रही है, लेकिन यह नाकाफी साबित हो रही है। पिछले दिनों कुछ नाबालिग भी पकड़े गए हैं जो गैंगस्टरों के साथ वारदात में शामिल थे। पैसे का लालच देकर गैंगस्टरों द्वारा नाबालिग से वारदात करवाना ज्यादा चिंता वाली बात है। अभिभावकों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि बुरे काम का नतीजा बुरा ही होता है, इसलिए अपने बच्चों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। पुलिस को भी लोगों में भरोसा पैदा करना होगा जिससे वे बिना डरे गैंगस्टरों की गतिविधियों की जानकारी दें। गैंगस्टरों पर नकेल कसना बहुत जरूरी है।

पुलिस को गैंगस्टरों, आतंकियों एवं तस्करों के गठजोड़ को यथाशीघ्र खत्म करना होगा

राहुल की आत्मघाती आक्रामकता

डा. एके वर्मा

राहुल गांधी को समझना होगा कि भारत का जनमानस शिष्ट आचरण, तर्कसंगत विचार और शालीन भाषा पसंद करता है

अवधेश राजपूत

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाल की अमेरिका यात्रा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार के खिलाफ काफी आक्रामक रहे। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों में 'चौकीदार चोर है' और 2024 में 'अदाणी-अंबानी' के सहारे उन्होंने मोदी को उद्यमियों का हितैषी और गरीब विरोधी बताने की नाकाम कोशिश की। इसी वर्ष एक जुलाई को उन्होंने लोकसभा में कहा, '..और जो लोग अपने आप को हिंदू कहते हैं, वे 24 घंटे हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत, असत्य-असत्य करते हैं..।' अमेरिका में उन्होंने कहा कि भारत में सिख समुदाय को कड़ा, पगड़ी पहनने और गुरुद्वारा जाने की स्वतंत्रता नहीं है। यह तथ्यहीन और अनर्गल आरोप समाज तोड़ने की कुटिल और निंदनीय साजिश है। विडंबना यह है कि वह अमेरिका में सिखों के मामले में दिए गए अपना बयान पर कायम रहना चाहते हैं।

वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब सिखों का कांग्रेस प्रायोजित कत्लेआम हुआ, तब जरूर सिख समुदाय में असुरक्षा की भावना रही, लेकिन अब वह इतिहास की बात है। राहुल गांधी कुछ भी बोल देते हैं और लोग पप्पू' कहकर उनकी उपेक्षा कर देते हैं। राहुल की मंडली उनकी छवि बदलने के प्रयास में भी लगी है। इसी सिलसिले में लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने दो राजनीतिक यात्राएं कीं, जिसका उन्हें लाभ भी मिला। इस चुनाव में कांग्रेस ने 97 सीटें और 21.19 प्रतिशत वोट प्राप्त किए जो, 2019 में प्राप्त हुए करीब 19 प्रतिशत मत और 45 सीटों की तुलना में कहीं अधिक था। चुनाव में राहुल ने लोगों को डराया कि भाजपा आरक्षण खत्म कर देगी और अब स्वयं अमेरिका जाकर बोल रहे कि हम 'आरक्षण खत्म करेंगे', जिस पर बाद में लीपापोती का प्रयास भी किया गया। राहुल के इस बयान पर चिराग पासवान और मायावती के अलावा भाजपा ने कड़ी आपत्ति दर्ज की। विदेश में भारत की छवि खराब करने वाले नेता जैसी छवि राहुल की बन गई है, जिसका फायदा शत्रु देश और विदेशी ताकतें उठाने को व्याकुल बैठी हैं।

हालांकि राहुल की इस राह में तीन अवरोध हैं। पहला, भाजपा और मोदी, दूसरा आइएनडीआइए के घटक दल और तीसरा स्वयं कांग्रेस। इनमें सबसे बड़ा अवरोध कांग्रेस के मोर्चे पर ही है, क्योंकि कई ऐसे नेता हैं, जो कांग्रेस को राहुल से बेहतर नेतृत्व दे सकते हैं, लेकिन नेहरू-गांधी परिवार ने पार्टी पर ऐसा शिकंजा कसा हुआ है कि शीर्ष पद पर कोई भी हो, असल नेतृत्व परिवार का होता है। दूसरा अवरोध आइएनडीआइए के घटक दल हैं, जिनके नेता समय आने पर कड़ी चुनौती दे सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस अपने बलबूते चुनाव लड़ नहीं सकती। यदि कांग्रेस को सहयोगी दलों की बैसाखी चाहिए, तो उसे सीटों का बंटवारा करना पड़ेगा। जिस घटक दल की ज्यादा सीटें आएंगी, वह कांग्रेस से सौदेबाजी करेगा।

केंद्र में गैर-भाजपा सरकार बनने की स्थिति में यदि कांग्रेस राहुल को प्रधानमंत्री के रूप में पेश करेगी तो उसे घटक दलों का बंधक बनना पड़ेगा। इतना ही नहीं, कांग्रेस को घटक दलों से ऐसा समझौता भी करना पड़ेगा कि यदि उसे 2029 के लोकसभा चुनावों में ज्यादा सीटें चाहिए तो विधानसभा चुनावों में घटक दलों के लिए वह बड़ा हिस्सा छोड़ दे। आगामी विधानसभा चुनावों में यह देखना रुचिकर होगा कि कांग्रेस क्या रणनीति अपनाती है, लेकिन इतना निश्चित है कि राहुल को प्रधानमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

राहुल गांधी को सबसे मजबूत चुनौती मोदी और भाजपा से मिलेगी। मोदी-विरोधी आक्रामकता से राहुल को लोकसभा में अधिक सांसद, मत और प्रतिष्ठा तो मिली है। यह कहा जा सकता है कि राहुल की आक्रामकता रंग ला रही है, लेकिन रंग लाने और सत्ता पाने में फर्क है। राहुल को समझना होगा कि भारत का जनमानस शिष्ट आचरण, तर्कसंगत विचार तथा शालीन भाषा पसंद करता है। उन्हें कुछ पूर्व प्रधानमंत्रियों के भाषण सुनने चाहिए, जिससे एक नेता के रूप में निखरने के लिए वह वांछित रवैया अपना सकें। अभी तक के उनके व्यवहार में लड़कपन की झलक मिलती है, धीर-गंभीर राजनीतिज्ञ की नहीं। नेतृत्व की लड़ाई में व्यक्तिगत छवि का बहुत महत्व होता है। उनकी स्पर्धा मोदी से है। यदि उन्हें राजनीति की जरा भी समझ है तो पता होगा कि देश-विदेश में मोदी की छवि बहुत अच्छी है। क्या आक्रामक, असंयत, अशिष्ट भाषा और बचकाना व्यवहार राष्ट्रीय स्तर पर राहुल को गंभीर और परिपक्व नेता बनने देगा? अभी तक किसी नीतिगत मुद्दे पर उन्हें गंभीर होते या तर्क करते नहीं देखा गया। एकाध अवसर पर आक्रामक हुआ जा सकता है, लेकिन साख तो गंभीर विचार और ठोस तर्क से ही बनती है। ऐसा न हो कि आक्रामकता के सहारे 'पप्पू छवि' से निकलने के प्रयास में उनकी छवि 'नोटोरियस पप्पू' की बने, जिससे उनको एवं कांग्रेस को फायदे के बजाय नुकसान हो जाए?

विरोध की राजनीति विपक्षी दल का एक नैसर्गिक अधिकार है, लेकिन नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी को समझना होगा कि मोदी-विरोध का केवल आंतरिक ही नहीं, वरन बाह्य पहलू भी है। चीन, पाकिस्तान और अनेक देश भारत के शत्रु हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहभागी-जन अपने देश को ही आगे रखते हैं। चाहे अपनी सरकार से उनके कैसे भी संबंध हों, लेकिन राहुल गैर-जिम्मेदाराना ढंग से अपने ही देश को नीचा दिखाते फिरते हैं। आज भारत की छवि सफल लोकतंत्र और तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में बनी है तो विदेशी धरती पर यह कहना कहां तक उचित है कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो गया है, सरकार संविधान पर हमला कर रही है, मोदी सबको डराते हैं, सरकार उनके विचारों को दबाने का प्रयास कर रही है, सरकार ने संवाद के सभी रास्ते बंद कर दिए हैं इसलिए उनको यात्रा द्वारा जनता से सीधे संवाद करना पड़ा कि उनकी वजह से सबका डर खत्म हो गया है और भारत में उन्होंने ही सबसे पहली बार 'प्यार का विचार' प्रस्तुत किया है।... यह सब भ्रामक, तथ्यहीन और अनर्गल होने के साथ ही आत्ममुग्धता से भरा है। यह भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्कृति पर कुठाराघात जैसा है, जिसका फायदा उठाने के लिए अनेक राष्ट्र-विरोधी शक्तियां आतुर होंगी।

(लेखक सेंटर फार द स्टडी आफ सोसायटी एंड पालिटिक्स के निदेशक एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

मुसलमानों को फिर से डराने की साजिश

मुख्तार अब्बास नकवी

वक्फ संशोधन विधेयक से केवल उन्हीं को दिक्कत हो सकती है, जो वक्फ संपत्तियों को निजी जागीर मान बैठे हैं

वक्फ बिल में बदलाव का विरोध। एएनआइ

वक्फ संशोधन बिल, 2024 को लेकर एक बार फिर भारत में सौ साल पहले के खिलाफत आंदोलन जैसा माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। वक्फ और खिलाफत आंदोलन का चोली-दामन का साथ था। हम वक्फ और खिलाफत आंदोलन के घटनाक्रम को एक साथ जोड़कर देखेंगे तो समझ सकेंगे। इसकी शुरुआत 1895 में ब्रिटिश राज की एक न्यायिक कमेटी के कुछ निर्णयों के चलते हुई, जिसमें कहा गया था कि 'वर्तमान वक्फ सिस्टम सर्वाधिक बुरा और हानिकारक है।' यह टिप्पणी ब्रिटिश हुकूमत के अंतर्गत भारत सहित कई देशों में प्रचलित वक्फ व्यवस्था पर थी। अन्य देशों ने इसे स्वीकार कर सुधार का रास्ता चुना, लेकिन भारत में मुस्लिम कट्टरपंथियों से सौदा करने के इरादे से अंग्रेज सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। अंग्रेजों की योजना से इसे मुद्दा बनाकर कुछ कट्टरपंथी जमातों ने इस्लाम की रक्षा के नाम पर मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में विरोध शुरू कर दिया।

प्रथम विश्व युद्ध (वर्ष 1914-18) के बाद आटोमन साम्राज्य और उसकी स्वघोषित इस्लामी खलीफा व्यवस्था के खात्मे से परेशान तुर्किये के लोगों द्वारा 'तुर्किये गणराज्य' की स्थापना को कुछ इस्लामी कट्टरपंथी जमातों ने अंग्रेजों की साजिश और इस्लाम पर हमला प्रचारित कर अंतरराष्ट्रीय इस्लाम बचाओ अभियान शुरू कर दिया। इसका अन्य देशों में तो कोई खास असर नहीं हुआ, पर भारत में यह काफी असरदार दिखा। तब तक जिन्ना इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के बंबई से सदस्य चुने जा चुके थे, जिसे ब्रिटिश हुकूमत में विधायी अधिकार थे। जिन्ना ने अंग्रेजों से साठगांठ कर काउंसिल में 'मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग बिल, 1913' पास करा लिया, जिसका विस्तार और अधिक शक्तियों के साथ 1923 में 'मुसलमान वक्फ एक्ट' के रूप में हुआ। इस तरह अंग्रेजों ने सोची-समझी साजिश के तहत जिन्ना और मुस्लिम लीग को सांप्रदायिक सियासत का कानूनी हथियार थमा दिया। इसमें कहा गया कि कोई भी मुसलमान अपने परिवार, बच्चों, आश्रितों के आंशिक या पूर्ण समर्थन के लिए वक्फ बना सकता है। यह वक्फ व्यवस्था को निरंकुश बनाने के साथ रजवाड़ों, रियासतों, नवाबों के दान के नाम पर अथाह संपत्तियों को वक्फ का सुरक्षा कवच पहनाकर बचाने और मालिकाना हक कायम रखने की मंशा से प्रभावित था।

प्रथम विश्व युद्ध के बाद वक्फ मुद्दे को और धारदार बनाने के लिए मुस्लिम लीग और अन्य कट्टरपंथी नेताओं ने भारत में 1919 में खिलाफत कमेटी बनाई, जिसका कांग्रेस ने भी समर्थन किया। महात्मा गांधी का सोच था कि अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में हिंदू-मुसलमान एकजुट होकर लड़ेंगे तो स्वतंत्रता संग्राम को ताकत मिलेगी, पर खिलाफत आंदोलन का मकसद भारत की आजादी के बजाय देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिये अलग मुल्क की मांग को हवा देने का था। अंग्रेजों ने अपनी बांटो और राज करो की नीति के तहत जिन्ना आदि मुस्लिम नेताओं से साठगांठ कर 1930 में मुसलमान वक्फ एक्ट (रेट्रोस्पेक्टिव) यानी पहले की वक्फ संपत्तियों और व्यवस्था पर भी लागू होने वाला कानून बना दिया। आजादी के बाद वक्फ एक्ट में कई बार संशोधन हुए, पर वे मुख्य रूप से मुसलमान वक्फ एक्ट, 1930 की कापी-पेस्ट ही रहे।

बंटवारे के वक्त भारत से जो मुसलमान पाकिस्तान गए, वे जिस जमीन-जायदाद पर ठहरे, आज उन संपत्तियों के मालिक हैं। जो लोग पाकिस्तान में अपना सब कुछ छोड़कर भारत आए, वे आज भी न मालिक और न किराएदार बन पाए, बल्कि 'अवैध कब्जेदार' बनकर रह गए। वे वक्फ बोर्डों के शोषण का शिकार होते रहते हैं। वे भी इस वक्फ सिस्टम के बड़े हितधारक हैं। उन्हें भी मानवीय न्याय मिलना चाहिए। इन्हीं पहलुओं के मद्देनजर 1954 के वक्फ एक्ट में बोर्ड के सदस्य बनने के लिए सिर्फ मुसलमान होना अनिवार्य नहीं था, मगर 2012-13 में संशोधन कर 'मात्र मुस्लिम' कर दिया गया। आज वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ लोग वैसे ही भय-भ्रम का माहौल बना रहे हैं, जैसा खिलाफत आंदोलन के नाम पर इस्लाम बचाओ मुहिम के नाम पर किया गया था।

खिलाफत आंदोलन का भारतीय मुसलमानों से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं था। उस आंदोलन की मांग थी कि तुर्किये खिलाफत सुरक्षित रहे, तुर्किये के धार्मिक स्थल सुरक्षित हों, तुर्किये की सीमाएं प्रथम विश्व युद्ध से पहले वाली बहाल हों। इन तीनों मांगों में भारत, भारतीय मुसलमानों का कहीं भी हित नहीं था, लेकिन खिलाफत आंदोलन के जरिये इस्लाम के नाम पर मुसलमानों को बरगलाकर जिन्ना एंड कंपनी ने अपने निहित और सियासी स्वार्थ साधे। आज फिर देश में वैसा ही माहौल खड़ा करने की कोशिश हो रही है। इसमें जाकिर नाइक जैसे कुछ षड्यंत्रकारी बहुत सक्रिय हैं, जो वक्फ सिस्टम में अहम सुधारों से डरे हुए हैं। उन्हें भी मालूम है कि वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 किसी मस्जिद, दरगाह, इमामबाड़े, धार्मिक स्थलों या इस्लामी कर्तव्यों के लिए न खतरा है, न रोड़ा है, बल्कि इसका उद्देश्य देश में वक्फ सिस्टम को सशक्त, पारदर्शी, प्रभावी और सामाजिक सशक्तीकरण का संवैधानिक सुरक्षा कवच प्रदान करना है। हां, उन लोगों के लिए जरूर चिंता की बात हो सकती है, जो वक्फ संपत्तियों को अपनी निजी जागीर और परिवार की प्रापर्टी मान बैठे हैं। शायद वे वक्फ संपत्तियों द्वारा समाज के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तीकरण के लिए सदुपयोग के विचार से विचलित हैं। इसीलिए फिर वक्फ के नाम पर देश के मुस्लिम समुदाय को डराने की साजिश कर रहे हैं। इनसे मुस्लिम समुदाय को सावधान रहना होगा।

(लेखक पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

मन की शांति का मार्ग क्षमा

पूरे दिन हम दूसरों की बुराइयों, कमियों, कमजोरियों, दुर्व्यवहारों एवं दुश्चेष्टाओं की कितनी सारी स्मृतियां जमा करके रखते हैं। ये हमारे सुखमय जीवन जीने के लिए बाधक होती हैं। ऐसी पीड़ादायक अवस्था से निजात पाने का एकमात्र सरल उपाय है, 'क्षमा भाव।' क्षमाशीलता ही एक ऐसी शक्ति है जिससे हम अपने मन से घृणा, द्वेष, नाराजगी इत्यादि जैसे भावों को दया, करुणा एवं सहिष्णुता में परिवर्तित कर सकते हैं। विद्वान एवं गुणीजनों ने सदैव 'भूलो और माफ करो' का सूत्र अपने जीवन में अपनाकर आध्यात्मिक उन्नति को प्राप्त किया और दूसरों को भी प्राप्त करवाया है। जब तक हम भूलेंगे नहीं तब तक क्षमा भी नहीं कर सकेंगे और यदि क्षमा नहीं करेंगे तो भुला भी नहीं सकेंगे और यदि भुला नहीं सकेंगे तो हमारे जीवन में निखार आएगा ही नहीं और हम सुख-चैन की नींद सो भी नहीं पाएंगे।

क्षमा न कर सकना अपने आप में एक बहुत बड़ी कमजोरी है, परंतु केवल दूसरों को ही क्षमा करना पर्याप्त नहीं है, अपितु हमने यदि कुछ अनिष्ट, अयुक्त, अमर्यादित अथवा अभद्रतापूर्ण व्यवहार किसी से किया हो तो हमें भी दूसरों से उसके लिए क्षमा मांगनी चाहिए। अथवा खेद प्रकट करना चाहिए, वरना न तो हमारा अभिमान मिटेगा और न ही बुरा करने की हमारी आदत मिटेगी। जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे, तब तक हमारा मन निर्मल और हल्का नहीं हो पाएगा।

शायद ही कोई होगा जिसने अपने जीवनकाल में कभी दूसरों को हानि न पहुंचाई हो या दुर्व्यवहार न किया हो या निंदा-चुगली न की हो। इतना सब करने के पश्चात क्षमा मांगकर हल्का होना ही उचित है, क्योंकि ऊपरवाला हर कर्म का हिसाब लेता है। उसकी अदालत में किसी की सिफारिश काम नहीं करती है। ऐसे में समझदारी दूसरों की बुराई मन से भुलाने और अपनी बुराई के प्रति क्षमाभाव प्रकट करने में ही है।

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी

सेमीकंडक्टर चिप का बढ़ता महत्व

डा. शशांक द्विवेदी

उम्मीद है सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित होने के बाद भारत चिप बनाने के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की एक नई राह खोल दी है। इस दौरान अमेरिका के साथ हुए एक अभूतपूर्व समझौते के तहत भारत को अपना पहला राष्ट्रीय सुरक्षा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन संयंत्र मिलेगा। यह अमेरिकी सशस्त्र बलों, सहयोगी सेनाओं और भारतीय रक्षा बलों को चिप की आपूर्ति करेगा। यह संयंत्र भारत में 2025 में स्थापित होगा। इसे शक्ति का नाम दिया जाएगा। इससे पहले सेमीकंडक्टर उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मोदी सरकार ने पिछले दिनों ग्रेटर नोएडा में तीन दिवसीय सेमीकान इंडिया का आयोजन किया था। इसका मुख्य उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर में हुए विकास को दुनिया को दिखाना और अन्य देशों को भारत में आकर अपनी फैक्ट्री खोलने और निवेश के लिए प्रेरित करना था।

भारत सेमीकंडक्टर के लिए दुनिया में एक केंद्र बनने की दिशा में काम कर रहा है। वर्तमान में सबसे अधिक सेमीकंडक्टर बनाने वाला देश ताइवान है, जिस पर चीन अपना हक जताता रहता है। इसलिए भारत को इसपर तेजी से काम करना होगा। भारत में सेमीकंडक्टर की खपत 2026 तक 80 बिलियन डालर और 2030 तक 110 बिलियन डालर को पार करने की उम्मीद है। इससे यह साफ होता है कि चिप निर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार जगत के लिए बहुत मायने रखता है। फिलहाल 90 प्रतिशत चिप की आपूर्ति के लिए हमें आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। कोरोना के बाद सेमीकंडक्टर निर्माण में कमी आने के बाद भारतीय आटो मोबाइल समेत अन्य तकनीकी उद्योग प्रभावित हुए थे, क्योंकि महंगी कारों से लेकर स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल होता है। सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कुछ ही देशों में केंद्रित है। ताइवान दुनिया के 60 प्रतिशत से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है और दक्षिण कोरिया 100 प्रतिशत सबसे उन्नत चिप (10 नैनोमीटर से कम) बनाता है।

सेमीकंडक्टर आटोमोबाइल, मोबाइल फोन, कंप्यूटर, टेलीकाम और सैन्य प्रणालियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार का लक्ष्य देश के भीतर यथासंभव अधिक से अधिक सेमीकंडक्टर इकाइयां स्थापित करना है। केंद्र सरकार राज्यों सरकार के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर यूनिट को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन और नीतिगत सहायता प्रदान कर रही है। सिंगापुर से भी सेमीकंडक्टर उत्पादन में सहयोग के लिए चार समझौते हुए हैं। भारत को चिप निर्माण के जरूरी सिस्टम बनाने के लिए भारत में संबंधित उद्योगों को जोड़ने पर भी तत्काल काम करना चाहिए। साथ ही राष्ट्रीय क्षमता को भी बढ़ाने की रूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

यूनिवर्सल हेल्थ बीमा का सपना

'आयुष्मान भारत का मिशन' शीर्षक से लिखे आलेख के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश को मुफ्त इलाज की सुविधा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आरंभ की गई आयुष्मान योजना के छह साल पूरे होने पर इसके लाभ बताने के साथ इसे और मजबूत करने की बात कही है। हाल में आयुष्मान योजना का विस्तार करते हुए 70 साल से ऊपर के हर वर्ग के बुजुर्गों को इसमें शामिल किया गया। यह सरकार का बहुत ही अच्छा प्रयास है। उम्मीद है भविष्य में सरकार इस योजना का और विस्तार करेगी जिससे देश के हर नागरिक को इसका लाभ पहुंचे। आयुष्मान योजना आज देश में गरीब लोगों की जान बचा रही है। इसके अभाव में पहले वे महंगे इलाज का बोझ न उठा पाने के चलते दम तोड़ रहे थे। अब देश की बहुत बड़ी आबादी इलाज की चिंता से मुक्त होकर जीवनयापन कर रही है। अब वह अपना ध्यान रोजी रोटी कमाने और परिवार के उत्थान पर लगा रही है। इससे एक फायदा यह हुआ है कि किसी बीमारी की स्थिति में परिवार के सदस्य संबंधित व्यक्ति को बोझ की तरह नहीं देख रहे हैं। हालांकि देश में अभी भी बहुत से ऐसे जरूरतमंद लोग हैं जिनको इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। सरकार को अब इसमें जरूरी सुधार कर 60-70 साल के लोगों को भी इसके दायरे में लाना चाहिए। हमारे देश में बहुत से ऐसे लोग भी हैं, जो 60-70 साल के हो जाने पर भी अपना जीवन निर्वाह करने के लिए दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें इस योजना में शामिल किया जाना चाहिए ताकि उनको सस्ता इलाज मिल सके। केंद्र सरकार को धीरे-धीरे इस योजना का विस्तार कर सभी देशवासियों को इसके दायरे में लाना चाहिए ताकि यूनिवर्सल हेल्थ बीमा का सपना पूरा हो सके। इससे स्वस्थ समाज बनाने में मदद मिलेगी।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

चीन की कथनी और करनी में फर्क

'अविश्वसनीय चीन का मुकाबला' शीर्षक आलेख में डा. ऋषि गुप्ता ने चीन की करनी और कथनी पर विश्वास नहीं करने की सलाह देते हुए कहा है कि चीन मोदी सरकार से असहज है, जबकि नेहरू-इंदिरा के युग में चीन एक मजबूत स्थिति में रहा, जो अब उसे मुश्किल लग रहा है। सैन्य विश्लेषक बताते हैं कि वर्ष 2020 में गलवन घाटी में दोनों देशों के बीच हुई झड़पों में भारतीय सेना ने चीनी सैनिकों को छक्के छुड़ाए थे। उसके बाद चीन को होश आ गया कि यह बदली हुई भारत की सैन्य ताकत है। बीते दिनों अमेरिका में क्वाड की बैठक में क्वाड नेताओं ने चीन का सीधे नाम लिए बिना दक्षिण चीन सागर और उसके आसपास के जलक्षेत्र की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई तथा उस क्षेत्र में तटरक्षक और समुद्री मिलिशिया जहाजों के 'खतरनाक' उपयोग की निंदा की। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर साझा चिंताओं के मद्देनजर क्वाड नेताओं ने ऐसी किसी भी 'एकतरफा' कार्रवाई का कड़ा विरोध किया, जो बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की कोशिश करती है। क्वाड अमेरिका, भारत, जापान और अस्ट्रेलिया सदस्य देशों का एक सशक्त शिखर मंच है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्वाड शिखर सम्मेलन में चीन पर अप्रत्यक्ष रूप से हमला बोलते हुए कहा कि स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि क्वाड नेता ऐसे समय में एकत्र हुए हैं, जब पूरी दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी हुई है। ऐसे समय में क्वाड का अपने लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मिलकर काम करना पूरी मानव जाति के लिए अहम है।' उन्होंने कहा कि हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम सभी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान और सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान करने के पक्ष में हैं। हांगकांग के 'साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट' ने अपनी खबर में कहा कि किसी भी मायने में क्वाड शिखर सम्मेलन चार देशों के ढांचे के लिए एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत है।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी- 210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

4.2 प्रतिशत थी बेरोजगारी की दर इस वर्ष अगस्त में अमेरिका में, जबकि एक वर्ष पहले यह 3.8 प्रतिशत थी। वस्तुत: बेरोजगारी दर को कम करने के लिए अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की गई है।

आजकल

ब्याज दरों में कटौती का आर्थिकी पर असर

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व (फेड) ने हाल ही में ब्याज दरों में 50 आधार अंक की कटौती की है। फेड ने 14 माह तक ब्याज दरों को 23 वर्ष के उच्चतम स्तर पर रखा था, परंतु अब ब्याज दरों में कटौती का नया चक्र प्रारंभ हो गया है। यह एक तरफ अमेरिका में आर्थिक मंदी का संकेत है, तो वहीं दूसरी ओर इससे भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए विदेशी पूंजी निवेश की संभावनाओं में वृद्धि हुई है। इससे डालर की तुलना में रुपया भी मजबूत होगा, जो भारत जैसे आयातोन्मुखी देश के लिए वरदान साबित होगा। साथ ही, कच्चे तेल पर भी इसका असर दिखेगा

चूंकि डालर में भारत को बड़ी संख्या में व्यापारिक भुगतान करना होता है, लिहाजा इसके कमजोर होने से हमें लाभ होगा। फाइल

राहुल लाल
आर्थिक मामलों के जानकार

अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने बेंचमार्क ब्याज दरों को 5.25-5.50 प्रतिशत से 50 आधार अंकों की कटौती करके 4.75-5.0 प्रतिशत कर दिया। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को 2022 के आरंभ से अब तक 11 बार बढ़ाया था, यही कारण है कि ब्याज दर 23 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। अमेरिकी सरकार ने कोविड महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर सहायता कार्यक्रम शुरू करके अर्थव्यवस्था में लगभग पांच लाख करोड़ डालर डाले थे। इस अतिरिक्त नकदी के साथ लोगों और कारोबारियों के पास खर्च करने के लिए अधिक पैसा था, जिससे मांग आसमान छू गई। यही कारण था कि जून 2022 में अमेरिका में मुद्रास्फीति 9.1 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 40 वर्षों में सबसे उच्चतम स्तर था। ऐसे में अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को बढ़ाने का चक्र 2022 से प्रारंभ किया था, जिससे मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया जा सके। ब्याज दरों को बढ़ाने से उधार लेना महंगा हो जाता है, फलतः कंपनियां और लोग खर्च कम करते हैं। इससे मुद्रास्फीति को कम करने में मदद मिलती है।

लेकिन मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के फेडरल रिजर्व के इन प्रयासों से बेरोजगारी की समस्या उभरने लगी। उच्च ब्याज दरों का मतलब यह भी है कि कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत बढ़ जाती है, जिससे लागत में कटौती, धीमी गति से विस्तार एवं छटनी की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। इससे बेरोजगारी दर में वृद्धि होने लगी। इसलिए पिछले साल फेडरल रिजर्व ने दरों को बढ़ाने पर रोक लगा दी थी। फेड ने बेरोजगारी दर को कम करने के लिए ब्याज दरों में कटौती की, जबकि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए पहले ब्याज दरों में वृद्धि की थी। अमेरिका में 4.2 प्रतिशत की बेरोजगारी दर यद्यपि ज्यादा नहीं है, लेकिन बेरोजगारी का लगातार इस प्रकार बढ़ना मूलतः आर्थिक मंदी को भी प्रतिबिंबित करता है। अमेरिकी फेडरल बैंक ब्याज दरों में यदि केवल 25 आधार अंकों की कटौती करती तो कहा जाता कि इससे मुद्रास्फीति के बहुत बुरे दौर की वापसी को रोका जा रहा है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संदर्भ होता। लेकिन फेड ने जिस तरह ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की, उसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी के ओर बढ़ने के संकेत के रूप में देखा जा सकता है।

भविष्य के कदमों की रूपरेखा : फेड ने 50 आधार अंकों की कटौती के साथ सहजता की शुरुआत की है, लेकिन अभी से इसके भविष्य के कदम और दरों में कमी की संभावनाओं पर भी चर्चा प्रारंभ हो गई है। फेड अधिकारियों के अनुमान बताते हैं कि इस वर्ष दरों में एक और 50 आधार अंकों की कमी हो सकती है, जबकि 2025 में एक प्रतिशत की कमी की जा सकती है। इस संदर्भ में यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि सहजता का यह चक्र आम चक्रों से अलग है। कम ब्याज दरों के कारण व्यय में अपेक्षाकृत तेजी से वृद्धि हो सकती है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों से जुड़ी निर्णय को "नीतिगत दरों को निरपेक्ष दरों के करीब ले जाने का" एक व्यवस्थित कदम बताया। वस्तुतः निरपेक्ष दर ऐसी नीतिगत ब्याज दर है, जो न तो प्रतिबंधात्मक हो और न ही समायोजन वाली। महामारी के पहले माना जा रहा था कि 2.5 प्रतिशत की दर निरपेक्ष दर होगी, लेकिन उसके बाद से इसमें वृद्धि हुई है। एक अनुमान के अनुसार, यह 3.5 से 4.8 प्रतिशत के बीच है। इससे ब्याज दरों में कमी की गुंजाइश सीमित हो जाती है।

भारत पर प्रभाव : हाल ही में बैंक आफ इग्लैंड और यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने भी ब्याज दरों में कमी की है। वैश्विक वित्तीय बाजार और पूंजी प्रवाह अमेरिकी फेडरल बैंक के कदमों से अधिक प्रभावी होते हैं। वित्तीय हालात को सहज बनाने के लिए यूएस फेड से ब्याज दरों में कमी की अपेक्षा थी। बहरहाल, इस बार यूएस फेड की दरों में कमी का चक्र कई मायने में अलग होगा, क्योंकि ब्याज दर कम होने पर भी शून्य स्तर से काफी अधिक स्तर पर होगी। ज्ञात हो कि वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान फेड ब्याज दर काफी समय तक शून्य के इर्द गिर्द रही है। वैश्विक पूंजी प्रवाह भी अमेरिका में तुलनात्मक रूप से कम रह सकता है, क्योंकि अमेरिकी सरकार को घाटे की भरपाई की जरूरत है।

भारत में निवेश की संभावना : अमेरिका में कम ब्याज दरें भारत जैसे देशों में निवेश को अधिक आकर्षक बना सकती है। कैरी ट्रेड की स्थिति इसमें मददगार है। यह रणनीति, जिसे कैरी ट्रेड के रूप में जाना जाता है, उसके तहत निवेशक जहां अमेरिका में पैसे उधार लेते हैं (दरें कम होने के कारण) और इसे वहां निवेश करते हैं, जहां दरें अधिक है। इससे भारत जैसे बाजारों में अधिक पूंजी प्रवाहित हो सकती है, जिससे संभावित रूप से शेयर बाजारों को बढ़ावा मिल सकता है। यही कारण है कि पिछले सप्ताह सेंसेक्स ने रिकार्ड 84 हजार का आंकड़ा पार किया, जबकि निफ्टी भी 25 हजार से ऊपर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के नजरिए से देखें तो वे बाजारों में खरीदारी का इंतजार कर रहे हैं, जिससे वे भारत व अन्य देशों में निवेश कर सकें। अन्य उभरते बाजार कमजोर डालर और दर कटौती के लिहाज से भारत के मुकाबले अधिक संवेदनशील हैं। हालांकि भारत को उभरते बाजारों में ब्राजील से कड़ी चुनौती मिल सकती है, क्योंकि वहां ब्याज दरें ऊंची हैं। वहीं दक्षिण एशियाई देश भारत के मुकाबले कमजोर डालर के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील है। भारत समेत एशियाई देश पहले ही ब्याज दरों में कटौती कर सकते थे, लेकिन आरबीआइ समेत अधिकांश ने ब्याज दरों में कटौती नहीं की, क्योंकि वे अपनी मुद्रा को कमजोर नहीं होने देना चाहते थे।

निष्कर्ष : भारत फेड के सख्ती के तूफान से अपेक्षाकृत सहजता से निपटने में कामयाब रहा है, क्योंकि हमारे यहां विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति मजबूत थी। फेड के सहजता चक्र के बीच भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि पूंजी का प्रवाह रुपये पर अनावश्यक रूप से ऊपरी दबाव न बनाए। यदि ऐसा हुआ तो भारत के कारोबारी क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पर असर होगा। नीतिगत संदर्भ में आरबीआइ से अपेक्षा होगी कि वह मुद्रास्फीति की दर को टिकाऊ स्तर पर चार प्रतिशत की मुद्रास्फीति की दर से सुसंगत बनाएं। आरबीआइ ने मुद्रास्फीति को कम रखने के लिए फरवरी 2023 से रेपो दर को 6.5 पर अपरिवर्तित रखा है। आरबीआइ मौद्रिक समिति की अगली बैठक 7-9 अक्टूबर को होने वाली है। अब भारत में सबकी नजरें आरबीआइ की इस बैठक पर है, जहां फेड रेट कटौती पर उसकी प्रतिक्रिया सामने दिखेगी। ऐतिहासिक रूप से भारतीय रेपो रेट अमेरिकी ब्याज दरों से भी प्रभावित रही है। हालांकि आरबीआइ के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पहले ही संकेत दिया है कि भारत को इसका अनुसरण करने और अपनी दरों को कम करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यूएस फेड ने श्रम बाजार की कमजोरी के प्रति ज्यादा संवेदनशीलता दिखाई है। फेड ने बाजार की बदलती उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए 50 आधार अंक की बड़ी कटौती के साथ ब्याज दर कटौती चक्र शुरू किया है। मुद्रास्फीति अस्थाई है और दरें लंबे समय तक ऊंची रहेंगी। फेड ने बाजार की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए लंबा सफर तय किया है। एक तरफ यह अमेरिका में आर्थिक मंदी का संकेतक है, तो वहीं दूसरी ओर यह ब्याज दर कटौती कमजोर डालर कम दरों के साथ उभरते बाजार में पूंजी प्रवाह को बढ़ाएगी।

डालर की तुलना में मजबूत हो सकता है रुपया

अमेरिका में ब्याज दरों में बार बार कमी आने से भारतीय रुपये जैसी अन्य मुद्राओं के साथ डालर की विनिमय दर में भी कुछ कमी आएगी। दूसरे शब्दों में, डालर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर मजबूत हो सकती है। जैसे-जैसे विदेशी निवेशक इनवेस्टमेंट के उद्देश्य से अपनी करेंसी को भारतीय रुपये में बदलेंगे, रुपये की मांग बढ़ेगी। इससे काफी हद तक संभव है कि डालर के मुकाबले रुपया मजबूत होगा। बाजार में यह नजर भी आया। फेड ब्याज दर में कमी के बाद रुपया मजबूत होकर 83.48 डालर पहुंच गया। मजबूत रुपया आयात की लागत को कम कर देता है। वहीं वह विदेशी खरीदारों के लिए उनके सामान को अधिक महंगा बनाकर भारतीय निर्यातकों को भी दुष्प्रभावित करता है। भारतीय आर्थिकी आयातोन्मुखी बनी हुई है, इसलिए मजबूत रुपया हमारे लिए लाभप्रद है।

डालर में ऋण चुकाना सस्ता होगा : अमेरिकी ब्याज दर में कटौती से भारतीय कंपनियों के लिए डालर में किए गए ऋण को चुकाना भी सस्ता हो जाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि कम ब्याज दर से ऋण ब्याज की अदायगी लागत कम हो जाती है। इसके अलावा, कमजोर डालर का मतलब यह भी है कि आपको उसी राशि के ऋण निपटान करने के लिए कम रुपये की आवश्यकता होगी। मान लीजिए कि आज एक डालर की कीमत 85 रुपया है। यदि ब्याज दर में कटौती से डालर कमजोर होकर 84 रुपया हो जाता है, तो 10 करोड़ डालर का ऋण चुकाना सस्ता हो जाता है यानी 850 करोड़ से रकम 840 करोड़ रुपये आ जाती है।

(राहुल लाल)

खरी-खरी

बाइक का हार्न

अलंकार रस्तोगी

हाल ही में उन्होंने ढाई लाख रुपये की एक नई बाइक खरीदी है। बाइक पर बैठने से भी ज्यादा उन्हें प्रेशर वाला हार्न बजाने में आनंद की अनुभूति होती है। हार्न बजाते ही उनके अंदर किसी दिव्य पुरुष की आत्मा के वास का आभास होने की तरह प्रतीत होता है। हार्न बजाते ही वह किसी स्वयंभू सम्राट की तरह बर्ताव करने लग जाते हैं। वह अपने हार्न की आवाज से अपनी उस दमित इच्छा की पूर्ति करते हैं जो वह चक्रवर्ती सम्राट न बन पाने के कारण नहीं कर पाए थे। वह हार्न से ही लोगों को पटकनी देने और धूल चटा देने का का दंभ भरने लगे हैं।

हार्न बजाना अब उनके मौलिक अधिकार की तरह बन चुका है। उनकी सुबह हार्न के वंदन से, सांझ हार्न के कीर्तन से और रात हार्न के क्रंदन से गुंजायमान रहती है। हार्न उनके जीवन का अभिन्न अंग सा बन गया है। उनका व्यक्तित्व अब हार्न ही है। ऐसा लग रहा है मानो वह उसमें कोई विशिष्ट शोधकार्य कर रहे हों या फिर उसके अध्येता बनना चाह रहे हों। उनका स्वयं का कुछ भी नहीं है। उनका हर अर्जित और परमार्जित बस हार्न से ही है। लड़कियों के कालेज जैसे स्थान विशेष पर हार्न को बजाना वह किसी क्रांतिकारी आंदोलन से कम नहीं मानते हैं। उनके इस साहसिक कार्य के लिए वह अपनी मित्र मंडली द्वारा 'मजनू श्री' की उपाधि से भी अलंकृत किए जा चुके हैं।

ट्रैफिक जाम और जन्नत उनके लिए एक समान ही है। जहां गाड़ियों के लिए हिलने की भी जगह संभव नहीं हो, वहां भी जनाब के हार्न का 'नान स्टाप' संगीत जारी रहता है। यह संगीत का 'कंसर्ट' तब तक जारी रहता है, जब तक अगल-बगल के लोग बहरे होने की कगार पर आकर रहम की भीख न मांगने लग जाएं या फिर कोई उनके पास आकर उनके इस पुनीत कार्य के लिए उनकी माता और बहन का स्तुति वंदन न करने लग जाए। हार्न में ही उनकी आत्मा है। हार्न ही उनका परमात्मा है। हार्न ही उनकी कुंठा निकालने का तरीका है। हार्न ही उनकी ईर्ष्या प्रदर्शन का मंच है। हार्न ही सबकुछ है उनके लिए, परंतु दुर्भाग्यवश हार्न मोह के कारण वह स्वयं नहीं बचे हैं एक सभ्य समाज के लिए।

पोस्ट

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर सीएम की कुर्सी पर न बैठकर उसे खाली रखना असल में उस संविधान का अपमान है, जिसकी शपथ ली गई! यह मानसिक दासता का एक नायाब नमूना है।
त्रिभुवन@tribhuvun

लोगों ने उस अरविंद केजरीवाल पर अपना दुलार बरसाया था, जो एक साधारण से मकान में रहता था, न कि आलीशान महल में रहने वाले शख्स पर। अभी भी उन्होंने बहुत कुछ नहीं गंवाया है, लेकिन उन्हें वहीं से आरंभ करना होगा, जहां से पार्टी शुरू हुई थी। यह मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं।
आशुतोष@ashutosh83B

कुमारी सैलजा खुद सामने आकर क्यों नहीं कह देतीं कि पूरी कांग्रेस हरियाणा में एकजुट होकर चुनाव लड़ रही है। न किसी को कोई सफाई देने की जरूरत पड़ेगी, न कोई फोटो जारी करने की जरूरत होगी।
अरविंद चोटिया@arvindchotia

मुंबई पुलिस ने अंडरवर्ल्ड का सफाया करने के लिए सात साल में करीब 500 एनकाउंटर किए। तब न तो मीडिया और न ही नेताओं ने मारे गए अपराधियों की जाति पर कोई प्रश्न किया। यूपी में अपराधियों को लेकर गजब का जातिवाद दिख रहा है।
उज्ज्वल शाह@UJJAVALSHAH2

जागरण जनमत कल का परिणाम

भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने में सफल रहेगी?

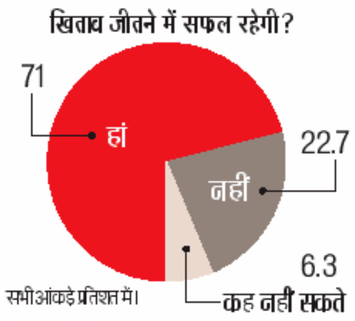

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या श्रीलंका में दिसानायके का राष्ट्रपति बनना भारत के लिए चिंता का विषय है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

दिल्ली में भी ले लिये आज भरत अवतार,
कुर्सी बाजू में धरे चल निकली सरकार।
चल निकली सरकार अजब कलियुग की श्रद्धा,
पूजा उसकी होय जमानत पर जो बंदा।
यह नौटंकी देख देश में उड़ती खिल्ली,
काश! समझती खेल बुद्धिमानों की दिल्ली!
- ओमप्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

...और 17 वर्ष बाद 17 को दोहराया इतिहास

इतिहास स्वयं को दोहराता है। यह उक्ति एक बार फिर बंगाल में प्रमाणित हुई है, क्योंकि 17 वर्ष पहले और 17 तारीख को ही हुई घटना इस तरह से एक बार फिर लोगों के सामने आएगी, यह शायद किसी ने भी नहीं सोचा होगा। इसी 17 सितंबर को कोलकाता में ऐसा कुछ देखने को मिला, मानो 17 वर्ष पहले हुई घटना की पुनरावृत्ति हो। फर्क केवल इतना था कि 17 वर्ष पहले पद से हटने और हटाने वाले नाम व चेहरे अलग थे, परंतु दोनों ही मामले में सबसे बड़ी समानता यह है कि पद से हटाने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की थी और हटने वाले अधिकारी कोलकाता पुलिस के आयुक्त थे।

इस प्रकरण की शुरुआत 17 वर्ष पहले 2007 में हुई थी। उस समय बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य थे और कोलकाता पुलिस के आयुक्त प्रसून मुखर्जी थे। विपक्ष की नेता ममता बनर्जी थीं। कोलकाता के एक प्रसिद्ध उद्योगपति की बेटी को रिजवानुर रहमान नामक ग्राफिक डिजाइनिंग सिखाने वाले शिक्षक से प्यार हो गया था। दोनों ने शादी भी कर ली। उसी वर्ष 21 सितंबर को रिजवानुर रहमान की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। यह विषय मुद्दा इसीलिए बन गया, क्योंकि तत्कालीन पुलिस आयुक्त प्रसून मुखर्जी, कोलकाता पुलिस के उपायुक्त अजय कुमार और ज्ञानवंत सिंह पर उद्योगपति की मदद करने और रिजवानुर को धमकी देने के आरोप लगे थे। हाई कोर्ट के निर्देश पर हत्याकांड की सीबीआइ जांच का आदेश दिया गया था। इसे लेकर खूब आंदोलन हुए थे। ममता ने इस मुद्दे पर विरोध-प्रदर्शन शुरू किया और पुलिस आयुक्त अन्य आरोपित पुलिस अधिकारियों को हटाने की मांग की थी। इसके बाद 17 अक्टूबर को दुर्गापूजा की महापंचमी के दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने आयुक्त के पद से प्रसून मुखर्जी और दोनों उपायुक्तों को हटाने की घोषणा की थी।

बुद्धदेव भट्टाचार्य। फाइल

ममता बनर्जी। फाइल

अब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्याकांड में पुलिस की भूमिका पर प्रश्न उठ चुके हैं। इस मामले में कोलकाता के टाला थाने के तत्कालीन थानेदार की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। आम लोगों से लेकर जूनियर डाक्टरों के आंदोलन के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 17 सितंबर की मध्य रात्रि को कोलकाता पुलिस आयुक्त के पद से विनीत गोयल, पुलिस उपायुक्त अभिषेक गुप्ता समेत स्वास्थ्य विभाग के दो और अधिकारियों को हटाने की घोषणा करनी पड़ी। इसके बाद मनोज वर्मा आयुक्त बन गए। इसमें अंतर केवल इतना था कि 2007 में तारीख 17 अक्टूबर थी और 2024 में 17 सितंबर।

इस प्रकरण में एक और खास बात हुई, जो नेताओं के लिए किसी सीख से कम नहीं है। नेता जब विपक्ष में होते हैं तो सरकार और सत्तारूढ़ दलों को घेरने के लिए बिना सोचे-समझे कुछ भी टिप्पणी कर देते हैं, परंतु समय हर दिन समान नहीं रहता और जब समय बदलता है तो ऐसे बयान देने वाले नेताओं को बगल झांकने को मजबूर होना पड़ता है इसीलिए तो सदियों पहले कबीर दास जी ने लिखा था- 'बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि, हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि।' परंतु लोग ऐसा नहीं सोचते हैं, इसीलिए कुछ भी बोल देते हैं और भूल जाते हैं कि उनकी कही बातें किसी दिन उनके ही गले की हड्डी बन सकती है। ऐसा ही कुछ ममता बनर्जी के साथ हुआ। 17 वर्ष पहले उन्होंने जो बयान दिया था, उसी ने उनको मजबूर कर दिया।

दरअसल, आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व हत्या के बाद से ही जूनियर डाक्टर कोलकाता पुलिस आयुक्त के पद से विनीत गोयल को हटाने की मांग कर रहे थे। पिछले सप्ताह सोमवार को जब ममता बनर्जी के कालीघाट आवास पर जूनियर डाक्टरों के साथ बैठक हो रही थी तो उस दौरान गोयल को हटाने की मांग उठी तो उस पर काफी देर तक गतिरोध बना रहा। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री कह रही थीं कि दुर्गापूजा तक गोयल को हटाना सही नहीं होगा। इस पर जूनियर डाक्टरों ने 2007 में रिजवानुर रहमान कांड को लेकर दिए उनके बयान का हवाला दे दिया। उस समय विपक्ष की नेता ममता ने संवाददाता सम्मेलन में प्रश्न उठाया था कि आरोपित पुलिस अधिकारियों को उनके पद पर रखकर न्याय कैसे संभव होगा? उस समय तो दुर्गापूजा शुरू हो चुकी थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री भट्टाचार्य ने आयुक्त के साथ ही दो उपायुक्तों को भी हटाया था। जैसे ही यह बात जूनियर डाक्टरों ने कही तो विनीत गोयल को हटाने पर ममता सहमत हो गईं, हालांकि इस बैठक से कुछ दिन पहले ममता ने मीडिया से कहा था कि वह विनीत को अभी नहीं हटा सकतीं। गोयल ने स्वयं भी इस्तीफा देने की इच्छा जताई थी, लेकिन आगे दुर्गापूजा है, कानून और व्यवस्था देखने वाले लोगों की जरूरत है, परंतु सुश्री बनर्जी के लिए 17 वर्ष पहले दिए उनके बयान ने ही उनके लिए असहज स्थिति पैदा कर दी।

मंथन

यमुना के अस्तित्व की चिंता

दिल्ली व हरियाणा में यमुना का एक बड़ा हिस्सा प्रवाहमान है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, कुछ माह बाद दिल्ली में भी होंगे, परंतु यमुना के अस्तित्व की चिंता किसी दल को नहीं है

ज्ञानेंद्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद

दिल्ली के साथ यमुना की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान जुड़ी हुई है। यह नदी इस शहर के लिए जीवन दायिनी रही है। परंतु विडंबना यह कि देश के राजधानी की एक बड़ी जनसंख्या को जल उपलब्ध कराने वाली इस नदी की चिंता किसी को नहीं है। न दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी की सरकार को और न केंद्र की भाजपा सरकार को। आजकल दिल्ली व केंद्र में सत्तासीन दोनों दलों के साथ कांग्रेस को हरियाणा चुनाव में सत्ता कैसे मिले, इसकी चिंता सताए जा रही है और इस हेतु हरसंभव जोड़-तोड़ में भी वे लगी हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में यमुना नदी का बहाव क्षेत्र लगभग तीन सौ किलोमीटर तक विस्तृत है। लिहाजा यह नदी इस राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण है।

दुखद बात यह है कि किसी भी दल ने यमुना के प्रदूषण के बाबत चुनाव में आज तक एक भी शब्द नहीं बोला है। यह राजनीतिक दलों की यमुना के प्रति संवेदनहीनता का जीता जागता सबूत है। भले दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना मर रही हो, वह जहरीली हो गई हो, उसमें लेड, कापर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे सेहत के लिए हानिकारक तत्व मौजूद हों और तो और यमुना में रसायन के चलते बजबजाते झाग को रोकने के लिए समूचे सीवेज के ट्रीटमेंट की जरूरत हो, लेकिन उसकी चिंता इस चुनाव में किसी को नहीं है।

वैसे यमुना की बदहाली से ये दोनों राज्य सरकारें भलीभांति परिचित हैं। बीते दशकों का इतिहास इसका गवाह है कि यमुना साल-दर-साल कितनी प्रदूषित हुई है। लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा यमुना के संदर्भ में तैयार रिपोर्ट में यह राजफाश किया गया है कि यमुना के जल में भारी धातु के प्रदूषक तत्वों की भरमार है जो जानलेवा बीमारियों के कारण हैं। समिति ने यमुना में पाए जाने वाले बीओडी, सीओडी और फीकल कोलीफार्म जैसे प्रदूषक तत्वों की सूची तैयार की है। साथ ही, नदी में पाए जाने वाले सेहत के लिए जानलेवा बन रही छह धातुओं यथा लेड, कापर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम से होने वाले नुकसान की सूची भी तैयार की है। समिति ने माना है कि लेड से वयस्कों में रीढ़ की हड्डियों से जुड़ी नसों से संबंधित पैरीफेरल न्यूरोपैथी और खासकर बच्चों में काग्निटिव इंपेयरमेंट, कापर से सिर दर्द, किडनी संबंधी बीमारी, उल्टियां और दस्त के साथ नौसिया, जिंक से लिवर व किडनी से जुड़ी बीमारियों के साथ उल्टी-दस्त होने, निकेल से न्यूरोटाक्सिक, जेनेटाक्सिक और कार्सीनोजेनिक, कैडमियम से किडनी और लिवर से जुड़ी बीमारी के साथ गैस्ट्रो व आंत्रशोध और क्रोमियम से न्यूरोनल डैमेज, हेपेटिक व गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल जानलेवा बीमारियां जन्म लेती हैं। समिति ने यमुना में झाग बनने से रोकने हेतु दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाले समूचे सीवेज का ट्रीटमेंट किए जाने की जरूरत बताई है। समिति ने जल संसाधन विभाग को सुझाव दिया है कि वह यमुना नदी के लिए भी स्वच्छ गंगा मिशन की तर्ज पर एक कोष की स्थापना करे, ताकि पैसे की कमी आड़े न आए।

वैसे यमुना की सफाई पर बीते ढाई दशकों से अभी तक करोड़ों रुपये स्वाहा हो चुके हैं। उसके बाद भी यमुना में अमोनिया के बढ़ते स्तर पर अंकुश नहीं लग सका है। पिछले लगभग एक दशक तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल ने बरसों पहले यह दावा किया था कि यमुना को वे पूरी तरह से स्वच्छ करवाएंगे। उन्होंने तो यह भी कहा था कि वह स्वयं यमुना में स्नान भी करेंगे। परंतु अब तक तो ऐसा कुछ होता दिख नहीं रहा है।

आज यदि कालिंदी कुंज के पास यमुना को देखें तो वास्तव में ऐसा लगता है जैसे किसी नदी के आसपास बर्फ की चादर बिछी हो। उसके आसपास का किनारा सफेद झागों से पटा हुआ नजर आता है। वस्तुतः यमुना को प्रदूषण मुक्त किए जाने की दिशा में सीवेज ट्रीटमेंट की क्षमता में बढ़ोतरी किए जाने, नालों के पानी को सीधे नदी में गिरने से रोकने, शहरी और जेजे कलस्टर में सीवर नेटवर्क निर्माण, शोधित पानी के दोबारा उपयोग, यमुना कछार में चलने वाली और जिलों से गाद निकालने से जुड़ी परियोजनाओं में हीला-हवाली कहें या नाकामी पूरी तरह जिम्मेदार है। इसका पर्दाफाश दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की एक हालिया रिपोर्ट में हुआ है। ऐसे में यमुना का नाले के रूप में बहना उसकी नियति बन चुकी है। हरिद्वार और वाराणसी की तर्ज पर उसके घाटों का सौंदर्यीकरण कर पर्यटक स्थल बना और वहां आरती का कार्यक्रम आयोजित करने से यमुना की बदहाली छिप जाएगी, यह जनता को धोखे में रखने के सिवाय कुछ नहीं। इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता।

व्यापक प्रयासों से ही यमुना नदी को स्वच्छ एवं निर्मल बनाया जा सकता है। फाइल

****

एनएचपीसी ने 338.5 करोड़ का लाभांश दिया

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की हाइड्रो पावर उत्पादक कंपनी एनएचपीसी ने सोमवार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को 338.51 करोड़ रुपये के अंतिम लाभांश का भुगतान कर दिया गया है। इससे पहले अंतरिम लाभांश के तौर पर पांच मार्च को 947.82 करोड़ रुपये का लाभांश दिया था। इस प्रकार पूरे वित्त वर्ष के लिए 1,286.33 करोड़ रुपये का लाभांश दिया गया है। (प्रेट्र)

हिंदुस्तान जिंक में से सरकारी हिस्सेदारी बेचने के लिए हमने देश-विदेश में कई रोड शो किए हैं। इस दौरान निवेशकों से मुलाकात भी की गई।
— वीएल कांता राव, खनन सचिव

सेंसेक्स	84,928.61 ▲ 384.30	निफ्टी	25,939.05 ▲ 148.10	सोना प्रति दस ग्राम	₹76,950 ▲ ₹600	चांदी प्रति किलोग्राम	₹90,000 ▼ ₹1,000	डालर	₹83.54 ▲ ₹0.02	क्रूड (बैंट) प्रति बैरल	$ 74.55

एक नजर में

बीते एक वर्ष में 3.2 प्रतिशत पर स्थिर रही बेरोजगारी दर

नई दिल्ली : बीते एक वर्ष यानी जुलाई 2023 से जून 2024 के दौरान 15 वर्ष या इससे ज्यादा उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत पर स्थिर रही है। सोमवार को जारी श्रम बल सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2023 से जून 2024 के दौरान 15 वर्ष या इससे ज्यादा उम्र के लोगों के बीच श्रम बल भागीदारी दर 60.1 प्रतिशत रहा है जो एक वर्ष पहले की समान अवधि के 57.9 प्रतिशत से ज्यादा है। (प्रेट्र)

अगस्त में जेम्स व ज्वेलरी निर्यात 19 प्रतिशत घटा

मुंबई : अगस्त के दौरान भारत के जेम्स एंड ज्वेलरी निर्यात में 18.79 प्रतिशत की गिरावट रही है। जेम ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के अनुसार, इस दौरान 2.01 अरब डालर के जेम्स एंड ज्वेलरी का निर्यात किया गया है। अगस्त 2023 में 2.47 अरब डालर के जेम्स एंड ज्वेलरी का निर्यात किया गया था। हालांकि, जुलाई 2024 के 1.66 अरब डालर के मुकाबले इसमें बढ़ोतरी रही है। (प्रेट्र)

अनिल अंबानी के बेटे पर लगा एक करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली : रिलायंस होम फाइनेंस के मामले में कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा कंपनी के मुख्य जोखिम अधिकारी कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अनमोल पर यह जुर्माना कारपोरेट लोन का मंजूरी में जिम्मेदारी निभाने में विफल रहने पर लगाया गया है। (प्रेट्र)

एजीआर को लेकर सरकार के पास पहुंची वोडाफोन

नई दिल्ली : 70 हजार करोड़ रुपये के बकाया एडजस्टेड ग्रास रेवेन्यू (एजीआर) पर राहत को लेकर दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने सरकार का दरवाजा खटखटाया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की ओर से बकाये की गणना, जुर्माना और ब्याज में संशोधन की मांग से जुड़ी याचिका खारिज होने के बाद वोडाफोन ने यह कदम उठाया है। वोडाफोन में सरकार की 23.2 प्रतिशत हिस्सेदारी है। (प्रेट्र)

बैंक-आटो में खरीदारी से 85 हजार के करीब सेंसेक्स

इंट्रा-डे में 436 अंक बढ़कर 84,980 के रिकार्ड स्तर तक पहुंचा बीएसई सूचकांक, निफ्टी 25,900 के पार

जेएनएन, नई दिल्ली: अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बैंक, आटो और ऊर्जा क्षेत्र के शेयरों में तेजी की बदौलत दोनों प्रमुख सूचकांक रिकार्ड स्तर पर पहुंचे। बीएसई का मानक सूचकांक इंट्रा-डे में 436.22 अंक की तेजी के साथ 85 हजार के करीब 84,980.53 के उच्च स्तर तक पहुंचा। हालांकि, अंत में यह 384.30 अंक की बढ़त के साथ 84,928.61 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी इंट्रा-डे में 165.05 अंक बढ़कर 25956 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा। अंत में यह 148.10 अंक बढ़कर 25,900 के पार जाकर 25,939.05 के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती का उत्साह घरेलू बाजार में बना हुआ है। इनपुट लागत में नरमी और वैश्विक बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बीच आरबीआइ के रुख में बदलाव की उम्मीद से मूल्यांकन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, भारत के पीएमआइ आंकड़ों में नरमी है। लेकिन निवेशकों को उम्मीद है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआइआइ) के प्रवाह से बाजारों को स्थिरता मिलेगी। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, सोमवार को एफआइआइ ने 15,181 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध रूप से खरीदारी की है। इसके साथ सितंबर में एफपीआइ की शुद्ध शेयर खरीदारी 48 हजार करोड़ से ज्यादा हो गई है, जो 2024 में अब तक किसी एक माह में सबसे ज्यादा है। सेंसेक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.29 प्रतिशत, एसबीआइ में 2.55 प्रतिशत, भारती एयरटेल में 2.25 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक में 1.71 प्रतिशत की वृद्धि रही। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी बढ़कर बंद हुए। सूचकांकों में केवल बीएसई आइटी गिरकर बंद हुआ।

1,980 अंक से ज्यादा बढ़ा सेंसेक्स बीते तीन सत्रों के दौरान

15,181 करोड़ की खरीदारी की एफआइआइ ने सोमवार को

तीन सत्रों में 8.30 लाख करोड़ रुपये बढ़ा पूंजीकरण

बीते तीन सत्रों से जारी तेजी की बदौलत बीएसई के पूंजीकरण में 8.30 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 476.03 लाख करोड़ रुपये या 5.70 ट्रिलियन डालर हो गया है। इन तीन सत्रों में सेंसेक्स 1,980.38 अंक बढ़ चुका है।

सेंसेक्स में सूचकांकवार तेजी (%में)

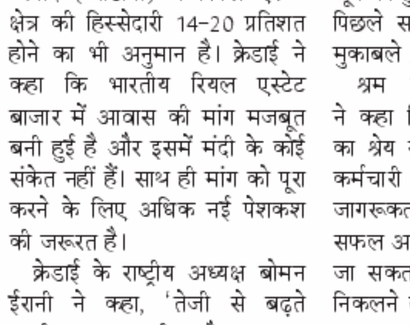

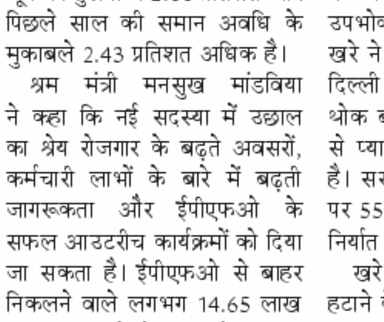

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आइपीओ नवंबर में

नई दिल्ली, प्रेट्र : बिजली उत्पादन कंपनी एनटीपीसी की सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) नवंबर के पहले सप्ताह में आ सकता है। कंपनी ने पिछले सप्ताह ही 10 हजार करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा किए हैं। दूसरी ओर, सेबी ने वारे एनर्जीज और वन मोबीक्विक सिस्टम्स को आइपीओ लाने की मंजूरी दे दी है।

लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देंगे भारतीय शेयर बाजार

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि लंबी अवधि के लिए निवेश करने वाले निवेशकों को भारतीय बाजार बेहतर रिटर्न देंगे। रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय शेयर बाजार पांच वर्ष और दस वर्ष की निवेश अवधि के लिए आकर्षक बने रहेंगे। रिपोर्ट में भारतीय बाजारों के उच्च मूल्यांकन, और पूंजीगत लाभ कर में की गई वृद्धि की ओर इशारा किया गया है, लेकिन भारतीय बाजारों के लचीलेपन पर भी ध्यान दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अभी भी शेयर संस्कृति के निर्माण के शुरुआती दौर में है।

बीते वर्ष एफएंडओ में 73 लाख व्यक्तिगत ट्रेडर्स को हुआ घाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त वर्ष 2023-24 में 91 प्रतिशत या 73 लाख से अधिक व्यक्तिगत ट्रेडर्स को वायदा और विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट में घाटा हुआ है। प्रति व्यक्ति औसत शुद्ध घाटे की बात करें तो यह 2.1 लाख रुपये रहा। इसके अलावा, एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत एफएंडओ ट्रेडर्स में से 93 प्रतिशत को वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2023-24 तक यानी तीन वर्षों के दौरान दो लाख रुपये (लेनदेन लागत सहित) का औसत घाटा हुआ। इस अवधि के दौरान ऐसे ट्रेडर्स का कुल घाटा 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा सोमवार को जारी की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले वित्त वर्ष 2023-24 में व्यक्तिगत ट्रेडर्स को लगभग 75 हजार करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। घाटे में रहने वाले शीर्ष 3.5 प्रतिशत या लगभग चार लाख ट्रेडर्स को इसी अवधि में लेनदेन लागत सहित प्रति व्यक्ति औसतन 28 लाख रुपये का नुकसान हुआ। दूसरी ओर, केवल 7.2 प्रतिशत व्यक्तिगत एफएंडओ ट्रेडर्स ने लाभ कमाया और केवल एक प्रतिशत ट्रेडर्स ने ट्रांजेक्शन लागतों को समायोजित करने के बाद एक लाख रुपये से अधिक का लाभ कमाने में सफल रहे। वहीं खुदरा ट्रेडर्स और व्यक्तिगत ट्रेडर्स की संख्या दो साल में लगभग दोगुनी होकर वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 96 लाख हो गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में इस तरह के ट्रेडर्स की संख्या 51 लाख थी। ऐसे निवेशकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में कुल कारोबार में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान दिया। सेबी ने कहा, कम ट्रांजेक्शन लागत ने खुदरा निवेशकों को विकल्प और वायदा अनुबंधों में सक्रिय रूप से हिस्सेदारी करने के लिए प्रेरित किया। नियामक ने कहा कि एफएंडओ ट्रेडिंग गतिविधि में तेजी से हुई वृद्धि ने निवेशक शिक्षा और जोखिम प्रबंधन आवश्यकताओं को उजागर किया है, क्योंकि व्यक्तिगत ट्रेडर्स का एक महत्वपूर्ण अनुपात बाजार में लगातार घाटा उठा रहा है।

संस्थागत ट्रेडर्स और एफपीआइ ने कमाया लाभ : व्यक्तिगत ट्रेडर्स जहां एफएंडओ में घाटा उठा रहे हैं वहीं एफपीआइ ने लाभ कमाया है। संस्थागत ट्रेडर्स को जहां वित्त वर्ष 2023-24 में एफएंडओ सेगमेंट में लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का सकल लाभ कमाया है वहीं एफपीआइ ने लगभग 28 हजार करोड़ रुपये का सकल लाभ कमाया। जबकि इस दौरान व्यक्तिगत ट्रेडर्स और अन्य लोगों को 61 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। इसमें ट्रांजेक्शन लागत शामिल नहीं है। 30 वर्ष से कम ट्रेडर्स के हिस्सेदारी की बात करें तो वित्त वर्ष 2022-23 में इनकी संख्या 31 प्रतिशत थी जबकि 2023-24 में बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई। इन युवा ट्रेडर्स में से लगभग 93 प्रतिशत ने वित्त वर्ष 2023-24 में एफएंडओ में घाटा उठाया है। यह वित्त वर्ष 2023-24 के 91.1 प्रतिशत के औसत घाटे से अधिक है।

2.1 लाख रुपये प्रति व्यक्ति को घाटा हुआ पिछले वित्त वर्ष में, सेबी के अध्ययन के मुताबिक

कम कमाने वाले एफएंडओ सेगमेंट में ज्यादा सक्रिय

वित्त वर्ष 2023-24 में 75 प्रतिशत से अधिक व्यक्तिगत एफएंडओ ट्रेडर्स (65.4 लाख व्यापारी) ने पांच लाख रुपये से कम की वार्षिक आय घोषित की थी। कम आय वाले व्यापारियों (पांच लाख रुपये से कम वार्षिक आय) का अनुपात वित्त वर्ष 2021-22 में 71 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 76 प्रतिशत हो गया है। एफएंडओ में हिस्सा लेने वाली महिला ट्रेडर्स का अनुपात वित्त वर्ष 2021-22 में 14.9 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 13.7 प्रतिशत हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में 91.9 प्रतिशत पुरुष ट्रेडर्स को घाटा हुआ जबकि महिलाओं में यह अनुपात 86.3 प्रतिशत रहा।

2047 तक 10 ट्रिलियन डालर हो जाएगा रियल एस्टेट बाजार

सिडनी, प्रेट्र : भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार 2047 तक कई गुना बढ़कर पांच से सात ट्रिलियन डालर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि जिस तरह से आर्थिक वृद्धि और तीव्र शहरीकरण हो रहा है, उससे यह 10 ट्रिलियन डालर तक पहुंच सकता है। रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने सोमवार को यहां 'क्रेडाई नैटकान' सम्मेलन में एक संयुक्त रिपोर्ट 'इंडियन रियल एस्टेटः द क्वांटम लीप' जारी की।

रिपोर्ट के अनुसार, 2047 तक भारतीय रियल एस्टेट का बाजार आकार निराशावादी परिदृश्य में तीन से पांच ट्रिलियन डालर, यथार्थवादी परिदृश्य में पांच से सात ट्रिलियन डालर और आशावादी परिदृश्य में सात से 10 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने का अनुमान है। उस समय तक भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी 14-20 प्रतिशत होने का भी अनुमान है। क्रेडाई ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट बाजार में आवास की मांग मजबूत बनी हुई है और इसमें मंदी के कोई संकेत नहीं हैं। साथ ही मांग को पूरा करने के लिए अधिक नई पेशकश की जरूरत है।

रियल एस्टेट क्षेत्र की संस्था क्रेडाई के मुताबिक, तीव्र शहरीकरण के चलते मांग को पूरा करने के लिए नई पेशकश की जरूरत

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, 'तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ती औसत आयु व प्रौद्योगिकी प्रगति जैसे गतिशील कारकों के परस्पर प्रभाव के साथ, हम एक बड़े बदलाव की कगार पर हैं और वृद्धि तथा विविधीकरण के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं।

ईपीएफओ से जुलाई में 19.94 लाख सदस्य जुड़े

नई दिल्ली, प्रेट्र : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई में 19.94 लाख सदस्य जोड़े। यह अप्रैल, 2018 में पेरोल डाटा शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे ज्यादा मासिक संख्या है। जहां तक शुद्ध रूप से नए सदस्यों की बात है तो इनकी संख्या 10.52 लाख है, जो जून की तुलना में 2.66 प्रतिशत और पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 2.43 प्रतिशत अधिक है।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि नई सदस्या में उछाल का श्रेय रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों को दिया जा सकता है। ईपीएफओ से बाहर निकलने वाले लगभग 14.65 लाख सदस्य जुलाई में फिर से संगठन से जुड़े। जुलाई में जुड़े 8.77 लाख सदस्य 18-25 वर्ष आयु वर्ग के हैं। 18-25 वर्ष की आयु के लगभग 6.25 लाख लोग पहली बार काम कर रहे हैं या नए सदस्य हैं।

कीमतों पर काबू के लिए बफर स्टाक से प्याज की बिक्री बढ़ाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने हाल ही में निर्यात शुल्क हटाए जाने के बाद खुदरा कीमतों में आए उछाल के मद्देनजर थोक बाजारों में बफर स्टाक (भंडार) से बिक्री बढ़ाकर प्याज की कीमतों पर अंकुश लगाने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को कहा कि केंद्र ने दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के थोक बाजारों में अपने बफर स्टाक से प्याज निकालना शुरू कर दिया है। सरकार ने 10 दिन पहले प्याज पर 550 डालर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाया था।

खरे ने कहा कि निर्यात शुल्क हटाने के बाद हमें कीमतों में उछाल का अनुमान था। 4.7 लाख टन के बफर स्टाक और खरीफ की बोआई के बढ़े हुए रकबे के साथ हमें उम्मीद है कि प्याज की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी। सरकार समूचे भारत में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज की खुदरा बिक्री बढ़ाने की योजना बना रही है। 22 सितंबर को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 55 रुपये प्रति किलो थी, जो एक साल पहले 38 रुपये प्रति किलो थी।

आयात शुल्क वृद्धि के बाद खाद्य तेलों के दाम बढ़े

खाद्य तेलों के संबंध में उन्होंने हाल ही में आयात शुल्क वृद्धि के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की बात को स्वीकार किया और बताया कि यह कदम घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। सरकार ने कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क बढ़ाकर 20 प्रतिशत और प्रोसेस्ड सूरजमुखी तेल पर 32.5 प्रतिशत कर दिया था। टमाटर के बारे में खरे ने कहा कि सरकार रुझानों पर नजर रखेगी और जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप करेगी।

राष्ट्रीय फलक

काल ड्राप दर कम करने के लिए हर टावर की होगी निगरानी : सिंधिया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एक साल में काल ड्राप को एक प्रतिशत से कम करने की कोशिश, अभी यह तीन प्रतिशत है
- बिना अनुमति के मार्केटिंग काल करने वाले 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन काटे गए

दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि काल ड्राप के साथ पैकेट ड्राप की दरों को कम करने के लिए हर मोबाइल टावर की निगरानी होगी। यह निगरानी अभी तिमाही स्तर पर की जाएगी और बाद में हर महीने इसकी निगरानी होगी। दूरसंचार कंपनियों को भी इस हिसाब से अपनी तैयारी करने के लिए कह दिया गया है। उन्होंने बताया कि अगले साल से काल ड्राप दर को एक प्रतिशत से कम लाने की कोशिश की जाएगी। भारत में काल ड्राप की दर लगभग तीन प्रतिशत है। मोबाइल फोन पर काल के दौरान कई बार किसी वाक्य के कुछ शब्द सुनाई नहीं देते हैं, उसे पैकेट ड्राप कहा जाता है। अभी किसी शहर या इलाके के हर टावर की निगरानी नहीं होती है। टावर की सामूहिक निगरानी से काल ड्राप का औसत निकाला जाता है। प्रत्येक टावर की निगरानी से सभी इलाके में काल और पैकेट ड्राप में कमी आएगी।

सिंधिया ने बताया कि स्पैम और फर्जी काल को रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। बिना इजाजत के मार्केटिंग काल करने वाले 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन काटे गए हैं। इस प्रकार के काम करने वाली 50 संस्थाएं काली सूची में डाली गई है। 2.37 लाख मोबाइल हैंडसेट ब्लाक किए गए हैं। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में 100 दिन के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए सिंधिया ने बताया कि इस अवधि में 7258 नए मोबाइल टावर लगाए गए हैं। इसका फायदा यह हुआ कि 9500 से अधिक गांवों में मोबाइल फोन संचार सेवा शुरू हो गई।

नई दिल्ली में सोमवार को अपने मंत्रालय के कामकाज की जानकारी देते दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया। एएनआइ

दूरसंचार कंपनियों द्वारा की गई मूल्य वृद्धि अति मामूली

सिंधिया ने बताया कि पिछले दस सालों में मोबाइल फोन की शुल्क दरों में काफी कमी आई है। ऐसे में दूरसंचार कंपनियों ने अभी मोबाइल फोन काल की जो दरें बढ़ाई हैं, वह अति मामूली हैं। अभी काल (फोन पर बात करने) की दरें 51 पैसे प्रति मिनट हैं जो पहले 3.50 रुपये प्रति मिनट थी। वैसे ही पहले इंटरनेट के इस्तेमाल के लिए एक जीबी डाटा की औसत कीमत 28 रुपये थी जो अब 8.75 रुपये प्रति जीबी है। देश में अभी 117 करोड़ मोबाइल कनेक्शन है और 95 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगले साल मध्य तक बीएसएनएल 4जी के एक लाख टावर लगा देगी और उसके बाद देश के हर भाग में 4जी सेवा उपलब्ध होगी। देश के 98% शहरों में 5जी सेवा बहाल हो गई है।

15 दिनों में आएगी राष्ट्रीय विद्युत योजना

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि अगले 15 दिनों में राष्ट्रीय विद्युत योजना 2023-32 लांच की जाएगी। इसके तहत 2030 तक 425 गीगावाट तथा 2032 तक 458 गीगावाट की अधिकतम मांग को प्राप्त करने के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों की उपलब्धि पर मनोहर लाल ने कहा कि कोयला आधारित संयंत्र स्थापित करना जारी रखा जाएगा, क्योंकि ग्रीन एनर्जी की आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नई थर्मल क्षमता की स्थापना को कम करने पर कोई भी फैसला 2030 के बाद ही लिया जाएगा

एनसीआर में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री कार्यालय में सोमवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एनसीआर में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक के बाद एक बयान में कहा गया कि टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने वायु गुणवत्ता का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए सभी संबंधित राज्य सरकारों और एजेंसियों से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (सर्दियों के दौरान लागू किए जाने वाले प्रदूषण विरोधी अभियान) समय पर और सख्ती से लागू करने को कहा।

उन्होंने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को पराली जलाने से रोकने की कार्य योजनाओं को सख्ती से लागू करने, फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों का पूरा उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों और ईवी चार्जिंग के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने पर भी जोर दिया। राज्यों को पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत ई-बस बेड़े को बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिसका उद्देश्य देश में 10,000 ई-बसें जोड़ना है। उन्होंने राज्य सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से पटाखों पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का अनुरोध किया। बैठक में कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों, दिल्ली, हरियाणा, उप्र, पंजाब और राजस्थान के मुख्य सचिवों ने भी भाग लिया।

- पीएमओ में वायु प्रदूषण पर बैठक, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की जरूरत पर दिया बल
- प्रधान सचिव ने राज्य सरकारों से पटाखों पर प्रतिबंध सख्ती से लागू करने का भी किया अनुरोध

प्रदूषण से निपटने के करने होंगे उपाय। प्रतीकात्मक

पीएम संग्रहालय के सदस्य ने सोनिया से वापस मांगे पंडित नेहरू के पत्र

अहमदाबाद, एएनआइ : इतिहासकार, लेखक एवं प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसायटी के सदस्य रिजवान कादरी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कहा है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़े निजी पत्रों को लौटा दें या उनकी प्रतियां उपलब्ध कराएं या उनकी डिजिटलाइज्ड एक्सेस प्रदान करें।

कादरी ने कहा, 'मैंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर उनसे नेहरू के निजी पत्रों को वापस करने को कहा है, जो उनके कार्यालय द्वारा ले लिए गए थे, क्योंकि वह परिवार की प्रतिनिधि एवं दानकर्ता थीं... 2008 में वहां से 51 बक्से वापस ले लिए गए थे... जो संग्रह वापस लिया गया था, उनमें जयप्रकाश नारायण, बाबू जगजीवन राम, एडविना माउंटबेटन संग्रह और कई अन्य संग्रह शामिल हैं।' उल्लेखनीय है कि पीएमएमएल को पूर्व में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के रूप में जाना जाता था। जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। कादरी ने सवाल किया, 'एक बार दान किया गया संग्रह वापस नहीं लिया जा सकता, लेकिन यह वापस ले लिया गया है... नेहरू और एडविना माउंटबेटन के बीच आदान-प्रदान किए गए पत्रों को वापस लेने के पीछे क्या मकसद था? यह मूल दाता द्वारा संस्था को दान किया गया था। क्या इसमें कोई आपत्तिजनक बात थी? इस संग्रह को वापस लेने का क्या मकसद था?' इतिहासकार ने कहा कि उन्होंने हमारे देश के इतिहास की व्यापक समझ सुनिश्चित करने के लिए कागजात की मांग की है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक आडिट की मांग भी की कि कोई महत्वपूर्ण कागज गायब तो नहीं है।

- सोनिया गांधी के कार्यालय ने 2008 में वापस ले लिए थे 51 बक्से
- इनमें कई प्रमुख हस्तियों से हुए पत्राचार भी हैं शामिल

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाया जा रहा रीवा के अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्लांट के बारे में

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश के रीवा स्थित अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट की कार्यप्रणाली को विश्व प्रसिद्ध हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने केस स्टडी के रूप में अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया है। इसके तहत प्लांट के उत्कृष्ट प्रबंधन, संचालन और सौर ऊर्जा उत्पादन को आदर्श उदाहरण के रूप में पढ़ाया जा रहा है। यह विश्व का सबसे बड़ा सिंगल साइट प्लांट है और सबसे सस्ती दर पर व्यावसायिक ऊर्जा उत्पादन करने वाला भी है। यह 1590 हेक्टेयर में फैला है। प्लांट का संचालन मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और भारतीय सौर ऊर्जा निगम कर रहा है। कुल 750 मेगावाट क्षमता के इस प्लांट में रोजना 37 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। इस प्लांट का महत्व इसी से पता चलता है कि इसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'ए बुक आफ इनोवेशन; न्यू बिगिनिंग्स' में है। यह उनके ड्रीम प्रोजेक्ट में भी शामिल है।

हादसा टालने का श्रेय लेने के लिए रेल कर्मियों ने पटरी से की छेड़छाड़, गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद

- पुलिस की पूछताछ में तीनों आरोपितों ने स्वीकार किया अपना अपराध
- सरकार और रेलवे से इनाम की लालच में कर बैठे कारस्तानी

गुजरात के सूरत जिले में रेल हादसे को टालने का श्रेय लेने के लिए पटरी से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने तीन ट्रैकमैन को गिरफ्तार किया है। ये तीनों सरकार और रेलवे से इनाम की लालच में यह कारस्तानी कर बैठे। यह मामला कौसंबा-किम रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक का है।

सूरत जिला पुलिस ने तीन ट्रैकमैन सुभाष पोद्दार, मनीष मिस्त्री और शुभम जायसवाल से पूछताछ की तो पूरे मामले का पता चला। पुलिस अधीक्षक होतेश जायसर ने बताया कि पोद्दार और अन्य ने कोसांबा और किम स्टेशन के बीच निरीक्षण के दौरान शनिवार सुबह 5:30 बजे रेलवे प्रशासन को सतर्क किया था कि शरारती तत्वों ने ट्रेन को पटरी से उतारने के लिए पटरियों के एक सेट से इलास्टिक क्लिप और दो फिशप्लेट तथा एक किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक के पैडलाक को हटाकर पटरी पर रख दिया था। आरोपितों ने स्वयं ऐसा कर उसका वीडियो बनाया, ताकि तारीफ और इनाम पा सकें। आरोपितों ने स्वयं वीडियो बनाकर अलर्ट की मैन सुभाष कुमार को सूचित किया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला कि आरोपितों की ओर से वीडियो भेजे जाने से ठीक पहले इस ट्रैक से ट्रेन गुजरी थी। ट्रेन के गुजरने और वीडियो भेजे जाने के बीच का समय काफी कम था। पुलिस ने आशंका के आधार पर इन तीनों से पूछताछ की। आरोपितों से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छेड़छाड़ का पता चलने और ट्रेन के गुजरने के बीच का अंतराल बहुत कम था। इतने कम समय में इतना सब कुछ कर पाना संभव नहीं था। तीनों के मोबाइल फोन की जांच की गई और छेड़छाड़ की गई पटरियों के वीडियो प्राप्त किए गए। मिस्त्री ने रात 2:56 बजे से लेकर सुबह 4:57 बजे तक अलग-अलग अंतराल पर ली गई तस्वीरें भी हटा दीं थी। इसी आधार पर पुलिस का शक पुख्ता हो गया।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों में ट्रेनों को बेपटरी करने की साजिश में पटरियों पर अवरोध रखे जाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे रेल प्रशासन सतर्क है।

आस्कर में भारत का प्रदर्शन

प्रथम पृष्ठ से आगे

- 1983 में गांधी फिल्म के लिए भानु अथैया को बेस्ट कास्ट्यूम डिजाइनर का अवार्ड।
- 1992 में सत्यजित राय को मिला था मानद पुरस्कार
- आस्कर के लिए नामित आखिरी फिल्म लगानः अब तक केवल तीन भारतीय फीचर फिल्में आस्कर नामांकन में जगह बना पाईं। इसमें मदर इंडिया (1957), सलाम बांबे (1988) और लगान (2001) शामिल हैं।
- ब्रिटिश फिल्म 'स्लमडाग मिलेनियर' को मिले थे आठ आस्कर : 2009 में भारत के रेसुल पुकुट्टी को बेस्ट साउंड मिक्सिंग, गुलजार को बेस्ट ओरिजिनल सांग और एआर रहमान को बेस्ट ओरिजिनल स्कोर व बेस्ट ओरिजिनल सांग का अवार्ड मिला था।
- 2023 में कार्तिकी गोंजाल्वेस व गुनीत मोंगा की 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' को बेस्ट शार्ट डाक्यूमेंट्री अवार्ड मिला। एमएम कीरावनी और चंद्रबोस को फिल्म आरआरआर के 'नाटू-नाटू' गाने के लिए बेस्ट ओरिजिनल सांग का अवार्ड मिला।

28 लाख डालर की अनुमानित कीमत के साथ नवंबर में नीलाम किया जाएगा फ्रांस की रानी मैरी एंटोनेट से संबंधित एक दुर्लभ हीरे का हार। 18वीं सदी के इस हार का वजन 300 कैरेट है। इसे 1789 की फ्रांसीसी क्रांति से पहले बनाया गया था।

द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर मोदी की प्रतिबद्धता से सहमत : दिसानायके

श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बाद पीएम दिनेश गुणवर्धने का त्यागपत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुरा कुमारा दिसानायके को जीत की बधाई दी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी ने भी दी बधाई

कोलंबो में सोमवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते दिसानायके। एपी

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोमवार को कहा कि द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता से सहमत हैं। मुख्य न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति सचिवालय में सोमवार को 56 वर्षीय दिसानायके को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई। इससे पहले श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने सत्ता परिवर्तन के बाद अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में मार्क्सवादी नेता दिसानायके की जीत के बाद रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट कर बधाई दी। इसके उत्तर में श्रीलंका के नए राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आपकी सद्भावना व समर्थन के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री मोदी। मैं द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की आपकी प्रतिबद्धता से सहमत हूं। हम साथ मिलकर अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं।' शपथ ग्रहण के बाद दिसानायके ने अपने संबोधन में कहा कि वह आर्थिक संकट में फंसे अपने देश को ऊपर उठाने की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने वालों में शामिल होना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी ने भी सोमवार को दिसानायके को श्रीलंका का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है। वहीं, भारत की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भी इस ऐतिहासिक मौके पर दिसानायके को बधाई दी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भी श्रीलंका के नए राष्ट्रपति को बधाई दी है।

भारत, श्रीलंका को एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना होगा : पूर्व राजनयिक

श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बीच कई पूर्व भारतीय राजनयिकों ने कहा कि दोनों पड़ोसियों को एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना होगा। विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव (पूर्व) अनिल वाधवा ने कहा कि चाहे श्रीलंका का राष्ट्रपति कोई भी हो या देश में कौन सी पार्टी सत्ता में है, कोलंबो और नई दिल्ली के बीच संबंध अच्छे होने चाहिए। 2017 से 2020 तक नीदरलैंड में भारत के दूत के रूप में कार्य करने वाले वेणु राजामोनी ने कहा कि श्रीलंका और भारत को एक-दूसरे की चिंताओं और हितों के प्रति संवेदनशील होना होगा। वाधवा और राजामोनी दोनों ने दोनों देशों के बीच भौगोलिक निकटता और सांस्कृतिक समानता को भी रेखांकित किया और बताया कि अभूतपूर्व राजनीतिक उथल-पुथल के बाद ऋण संकट में फंसने के बाद भारत ने श्रीलंका की सहायता कैसे की।

वाहनों में चीनी साफ्टवेयर पर रोक लगाएगा बाइडन प्रशासन

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन : अमेरिका अपने यहां वाहनों में चीनी साफ्टवेयर पर रोक लगाने की तैयारी में है। बाइडन प्रशासन ने सोमवार को देश में इंटरनेट से जुड़ी कारों में चीन-विकसित साफ्टवेयर पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक व्यापक पहल की घोषणा की। प्रशासन ने अपने इस कदम के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला है। साथ ही यह कहा कि इसका उद्देश्य चीनी खुफिया एजेंसियों को अमेरिकी नागरिकों की निगरानी या वाहनों के इलेक्ट्रानिक्स का उपयोग कर अमेरिकी इलेक्ट्रिक ग्रिड या अन्य महत्वपूर्ण ढांचों तक पहुंच को रोकना है। अमेरिका में चीनी उत्पादों पर अंकुश लगाने की दिशा में बाइडन प्रशासन का यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है, राजनीति का नहीं। वाणिज्य विभाग ने इस संबंध में प्रतिबंध लगाने का एक प्रस्ताव दिया है। इस बात की पूरी संभावना है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले यह स्थायी रूप से कानून बन जाएगा।

ट्रंप को एक और बहस का प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए : हैरिस

- ट्रंप ने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी के साथ एक और बहस से इन्कार कर दिया था
- कमला ने कहा-हमें चुनाव से पहले एक बार फिर मिलना चाहिए

डोनाल्ड ट्रंप कमला हैरिस। फाइल

न्यूयार्क, रायटर : अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने रविवार को कहा कि रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को अगले महीने सीएनएन पर एक नई बहस के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेना चाहिए। ट्रंप ने शनिवार को डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी के साथ एक और बहस से इन्कार कर दिया था। उनका बयान तब आया, जब हैरिस के चुनाव अभियान टीम ने कहा था कि वह एबीसी पर 10 सितंबर की बहस के बाद सीएनएन पर 23 अक्टूबर को मैचअप के लिए सहमत हुई हैं।

हैरिस ने न्यूयार्क में एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में समर्थकों से कहा कि ट्रंप को बहस का प्रस्ताव स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि मुझे लगता है कि हमें चुनाव से पहले एक बार फिर मिलना चाहिए। मेरा प्रतिद्वंद्वी बचने का कारण ढूंढ रहा है। हैरिस की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया के लिए ट्रंप के प्रतिनिधियों से संपर्क नहीं हो सका। इस कार्यक्रम में 2.7 करोड़ डालर जुटाए गए।

नार्थ कैरोलिना रैली में शनिवार को समर्थकों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा था कि एक और बहस के साथ समस्या यह है कि अब बहुत देरी हो चुकी है। मतदान पहले ही शुरू हो चुका है। हैरिस ने रविवार को कहा कि कुछ राज्यों में शुरुआती मतदान शुरू हो गया है, लेकिन यह एक करीबी मुकाबला है और अभी एक महीने से अधिक का समय बाकी है।

बता दें, कमला हैरिस और ट्रंप के बीच हुई डिबेट में आप्रवासन, हिंसा, गर्भपात, आर्थिक संकट, यूक्रेन और गाज़ा युद्ध जैसे मुद्दों पर बहस हुई थी। वहीं, प और बाइडेन के बीच जब डिबेट हुई थी तो उसमें ट्रंप, बाइडेन पर भारी पड़े थे।

न्यूज गैलरी

नेपाल में जुआ रैकेट का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

काठमांडू : नेपाल की राजधानी काठमांडू में जुआ रैकेट चला रहे एक भारतीय और चार चीनी नागरिकों समेत सात लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि गुप्तसूचना के आधार पर छापेमारी के बाद काठमांडू के बाहरी क्षेत्र बौधा के तिनचुली से सभी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार भारतीय जंपा खेदुप बिहार का रहने वाला है। रैकेट में शामिल 'फिश सूट गेम' में काफी दांव लगाए गए थे। (प्रेट्र)

टीटीपी का राजनयिकों के काफिले पर हमले से इन्कार

इस्लामाबाद, एपी : तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने सोमवार को कहा कि स्वात घाटी में रविवार को राजनयिकों के काफिले पर हुए हमले में उसका कोई हाथ नहीं है। इस हमले में सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। हमले की अबतक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, काफिले में यात्रा करने वालों में इंडोनेशिया, पुर्तगाल, कजाकिस्तान, बोस्निया और हर्जेगोविना, जिम्बाब्वे, रवांडा, तुर्कमेनिस्तान, वियतनाम, ईरान, रूस और ताजिकिस्तान के राजदूत और अधिकारी शामिल थे। बाद में ये सभी इस्लामाबाद लौट आए थे। (एपी)

स्वजन ने कहा, ईशनिंदा के आरोपित डाक्टर की फर्जी मुठभेड़ में हुई हत्या

- पाकिस्तान में अक्सर ईशनिंदा कानूनों का होता है दुरुपयोग
- फेसबुक पोस्ट को लेकर एक अन्य युवक पर ईशनिंदा का केस

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित उमरकोट में अपने घर में मीडिया के बात करते शाह नवाज के स्वजन। एपी

मुल्तान, एपी : ईशनिंदा के आरोपित डाक्टर की मौत मामले में स्वजनों ने सोमवार को आरोप लगाया कि उन्हें पुलिस हिरासत में मारा गया। उन्होंने इस आश्वासन के बाद आत्मसमर्पण किया था कि बेगुनाही साबित करने का मौका दिया जाएगा। स्वजनों ने पुलिस की इस बात से इन्कार किया है कि वह दुर्घटनावश गोलीबारी में मारा गया।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के उमरकोट जिले के डाक्टर शाह नवाज पर पिछले हफ्ते फेसबुक पर ईशनिंदा सामग्री साझा करने का आरोप लगा था। डाक्टर शाह नवाज ने कहा था कि किसी ने उनका अकाउंट हैक कर लिया। उन्होंने कुछ भी गलत पोस्ट नहीं किया है। स्वजन ने आरोप लगाया कि पिछले बुधवार को शाह नवाज को गिरफ्तार करने के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मार दिया।

इस बीच, एक अन्य युवक के खिलाफ फेसबुक पोस्ट को लेकर ईशनिंदा का केस दर्ज किया गया है। एफआइआर में आरोप है कि संदिग्ध ने इस्लाम विरोधी सामग्री पोस्ट की थी। इसमें चार अलग-अलग पोस्टों का संदर्भ दिया गया है, जिनमें इस्लाम में सम्मानित हस्तियों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की गई थीं। फिलहाल वह पुलिस की पकड़ से दूर है।

पुलिस ने उसके परिवार को कस्टडी में लेकर सुरक्षित स्थान पर रखा है। पाकिस्तान के ईशनिंदा कानूनों की अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों द्वारा लगातार आलोचना की जाती रही है, क्योंकि इसका अक्सर दुरुपयोग होता है।

मुहम्मद आसिम मलिक आइएसआइ के नए डीजी नियुक्त

मुहम्मद असीम मलिक।

इस्लामाबाद, प्रेट्र : लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद आसिम मलिक को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। मलिक 30 सितंबर को लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम की जगह लेंगे। अंजुम को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा 2021 में डीजी आइएसआइ के रूप में नियुक्त किया गया था।

इससे पहले जनरल मलिक ने बलूचिस्तान में इन्फैंट्री डिवीजन और वजीरिस्तान में इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली थी। उन्हें अपने पाठ्यक्रम में स्वोर्ड आफ आनर भी प्राप्त हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में मुख्य प्रशिक्षक के साथ-साथ कमांड एंड स्टाफ कालेज क्वेटा में प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया है। आइएसआइ प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है। यह पद पाकिस्तानी सेना में सबसे महत्वपूर्ण में से एक माना जाता है, जिसने देश में आधे से अधिक समय तक शासन किया है। सेना ने सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में शक्ति का इस्तेमाल किया है।

यूक्रेन के जपोरीजिया में रूसी हमला, कई इमारतें क्षतिग्रस्त, 13 घायल

यूक्रेनी गवर्नर का दावा, रविवार रात रूस ने सीमा से सटी 12 बस्तियों पर कुल 363 हवाई और जमीनी हमले किए

रूस ने कहा, कुर्स्क में यूक्रेनी घुसपैठ के बाद डेढ़ महीने में 56 नागरिकों की मौत

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया स्थित स्क्रैंटन आर्मी गोला बारूद संयंत्र में संबोधित करते यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की। एएफपी

मास्को, रायटर : रूस और यूक्रेन का एक दूसरे पर जवाबी हमला जारी है। यूक्रेन ने सोमवार को कहा कि रविवार रात को जपोरीजिया क्षेत्र में रूसी हमले में कम से कम 13 यूक्रेनी नागरिक घायल हो गए। हमले में अपार्टमेंट की कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इस बीच, रूस के विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि कुर्स्क क्षेत्र में बीते छह अगस्त को यूक्रेनी घुसपैठ के बाद से यहां 20 सितंबर तक 56 रूसी नागरिकों की जान गई है और 266 लोग घायल हुए हैं। कहा, इस दौरान यहां के 1,31,000 नागरिकों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर बताया कि रविवार रात हुए हमले के बाद बचावकर्मियों ने इमारतों में फंसे लोगों को निकाल लिया है। कहा, प्रारंभिक सूचना के अनुसार, रूस ने जपोरीजिया में हमले के लिए केएबी गाइडेड एरियल बम का इस्तेमाल किया। हालांकि, रूस की ओर से इस बारे में कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। जपोरीजिया के गवर्नर इवान फेडोरोव ने कहा कि रविवार रात रूस ने सीमा से सटी 12 बस्तियों पर कुल 363 हवाई और जमीनी हमले किए। यूक्रेन की इमरजेंसी सेवा द्वारा फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर बचावकर्मियों द्वारा क्षतिग्रस्त आवासीय इमारतों से मलबा हटाते हुए दिखाया गया है।

उल्लेखनीय है कि दोनों पक्षों से नागरिकों पर हमले से इन्कार किया जाता रहा है। लेकिन युद्ध में हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं। इसमें यूक्रेनी अधिक मारे गए हैं। इस बीच, यूक्रेन ने रूस द्वारा कुर्स्क क्षेत्र में नागरिकों के मारे जाने के दावे को मनगढ़ंत बताया है। आरोप लगाया कि रूस खुद कुर्स्क क्षेत्र में बमबारी कर संयुक्त राष्ट्र को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यूएन प्रतिनिधि इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

हाइफा को आजाद कराने वाले भारतीय सैनिकों का श्रद्धांजलि समारोह रद

यरुशलम, प्रेट्र : लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला के इजरायल पर हमलों को देखते हुए इजरायली हाइफा शहर को ओटोमन शासन से मुक्त कराने वाले बहादुर भारतीय सैनिकों की याद में मनाया जाने वाला समारोह रद कर दिया गया है। बलिदानी भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का यह वार्षिक समारोह सोमवार को आयोजित होना था लेकिन पूरे इजरायल में अलर्ट और लोगों के एकत्रित होने पर रोक के चलते समारोह को रद कर दिया गया।

भारतीय सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अपनी वीरता का प्रदर्शन करते हुए हाइफा के लोगों को ओटोमन शासन के अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसी युद्ध में बलिदान करने वाले भारतीय सैनिकों की याद में इजरायल स्थित भारतीय दूतावास प्रतिवर्ष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित करता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, वर्तमान स्थिति के कारण, भारतीय दूतावास द्वारा हाइफा में 23 सितंबर, 2024 को आयोजित होने वाला हाइफा दिवस समारोह रद किया जा रहा है।

लेबनानी नागरिकों को अब युद्ध छिड़ने का भय सताने लगा है

प्रथम पृष्ठ से आगे

इजरायल द्वारा सोमवार को किए गए जबर्दस्त हवाई हमले के बाद दक्षिणी लेबनान में नबातियेह जिले के गांवों से उठता धुएं का गुबार। रायटर

दिनों-दिन तेज होते इजरायली हमलों से लेबनानी नागरिकों को अब युद्ध छिड़ने का भय सताने लगा है। वे कह रहे हैं कि लेबनान युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है और जान-माल का भारी नुकसान होने का अंदेशा है। जबकि हिजबुल्ला ने कहा है कि वह इजरायल के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। इन हमलों में सोमवार को एक इजरायली नागरिक के घायल होने की पुष्टि हुई है।

हिजबुल्ला ने कहा, इजरायल के सैन्य ठिकानों पर हो रहे हमले : इजरायली सेना ने खासतौर से सशस्त्र संगठन के प्रभाव वाले दक्षिणी लेबनान में नागरिकों को हिजबुल्ला के ठिकानों से दूर रहने की चेतावनी दी है। कहा है कि हिजबुल्ला लड़ाई में आमजनों को ढाल बनाने के लिए उनके घरों से हमले कर रहा है। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने इस दावे के समर्थन में लेबनान के एक घर से हिजबुल्ला लड़ाकों के क्रूज मिसाइल दागने का वीडियो दिखाया। ताजा हमलों में इजरायली लड़ाकू विमान हमले के लिए लेबनान में काफी नीचे उड़ान भर रहे हैं और हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं।

तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर लौटा कैप्सूल

कजाकिस्तान के डेजकाजगन शहर में रूसी सोयूज कैप्सूल उतरने के तुरंत बाद फोन पर बात करतीं नासा की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी डायसन। एपी

मास्को, एपी : अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सोमवार को तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रूसी सोयूज कैप्सूल धरती पर लौट आया है। इसमें दो रूसी और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। दो अंतरिक्ष यात्रियों ने रिकार्ड 374 दिन स्टेशन पर रहने के बाद वापसी की है। रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी डायसन को लेकर कैप्सूल कजाकिस्तान में उतरा। कोनोनेंको और चूब ने 15 सितंबर 2023 को अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी और आइएसएस पर सबसे लंबे समय तक निरंतर मिशन का रिकार्ड बनाया। वहीं, अपने तीसरे मिशन में डायसन ने छह महीने बिताए। आठ यात्री अंतरिक्ष स्टेशन पर बचे हैं, जिनमें बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स शामिल हैं, जो पृथ्वी पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वे बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के पहले चालक दल के रूप में जून में वहां गए थे, लेकिन उनकी यात्रा थ्रस्टर समस्याओं और हीलियम लीक के कारण बाधित हो गई। स्टारलाइनर पर उनकी वापसी में जोखिम हो सकता है, इसलिए अब उन्हें अगले वर्ष वापस लाया जाएगा।

स्पेसएक्स दो वर्षों में मंगल के लिए पांच मानव रहित अभियान भेजेगा

वाशिंगटन, रायटर : स्पेसएक्स दो वर्षों में मंगल के लिए पांच मानव रहित अभियान भेजने की योजना बना रहा है। एलन मस्क ने रविवार को एक्स पर यह जानकारी दी है। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में मस्क ने कहा था कि दो वर्षों में मंगल के लिए पहली स्टारशिप लांच की जाएगी, जब अगली पृथ्वी-मंगल स्थानांतरण विंडो खुलेगी। मस्क ने रविवार को किए गए अपने पोस्ट में कहा है कि मंगल के लिए पहला मानव मिशन का समय मानव रहित अभियान की सफलता पर निर्भर करता है। अगर मानव रहित विमान मंगल पर सुरक्षित उतरने में कामयाबी हासिल करता है तो उसके चार वर्षों के दौरान मानव मिशन भेजा जाएगा। अगर इस अभियान में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, तो मानव मिशन को और अगले दो वर्षों के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। मस्क ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि मंगल ग्रह पर उतरने वाला पहला मानवरहित स्टारशिप पांच साल के भीतर तैयार होगा और पहले लोग सात साल के भीतर मंगल पर उतरेंगे।

शेख हसीना पर इस्तीफा देने के बाद से 194 मुकदमे

- बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम के खिलाफ हत्या के ही 173 मामले

इन सभी मामलों में बहन शेख रेहाना को भी बनाया गया आरोपित

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और 69 अन्य लोगों के खिलाफ एक बुनकर ही हत्या समेत कुल 194 मामले दर्ज किए गए हैं।

एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार विगत पांच अगस्त को ढाका के कफरुल क्षेत्र में हुए आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेशी सेना के खिलाफ होने पर 76 वर्षीय हसीना को आम चुनाव जीतने के कुछ ही दिनों बाद सत्ता ही नहीं बल्कि अपनी जान बचाकर अपने बांग्लादेश को भी छोड़कर भारत की शरण में आना पड़ा था। पांच अगस्त के बाद से अब तक शेख हसीना के खिलाफ हत्या के 173 मामलों समेत कुल 194 मामले दर्ज किए गए हैं। 11 मामले मानवता के खिलाफ अपराध व नरसंहार के, तीन मामले अपहरण के, छह हत्या के प्रयास और एक बीएनपी के जुलूस पर हमले का है। ढाका के मजिस्ट्रेट मो. सैफुल इस्लाम की अदालत ने पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर हसीना और अन्य के खिलाफ केस की सुनवाई की। सुनवाई के बाद मजिस्ट्रेट ने पीबीआइ को जांच के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि उसके पति मो.फजलू को पांच अगस्त की सुबह मीरपुर में पुलिस लाइन के सामने गोली से मार दिया गया।

राष्ट्रीय फलक

सेमी कंडक्टर इकाई के लिए ममता ने मोदी और बाइडन को दिया धन्यवाद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- बंगाल की मुख्यमंत्री ने प्लांट के निर्माण में पूर्ण सहयोग का दिया भरोसा

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को कोलकाता में प्रस्तावित संयुक्त सहयोग सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अमेरिका के सहयोग से देश के पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन संयंत्र की स्थापना की घोषणा का स्वागत करते हुए सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रस्तावित निवेश के लिए अपनी सरकार के पूर्ण समर्थन का भरोसा भी दिया। मालूम हो कि मोदी व बाइडन के बीच हुई बातचीत के बाद इस परियोजना की घोषणा की गई थी।

ममता ने एक्स पर लिखा-'मैं कोलकाता के लिए इस ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय निवेश के निर्णय में अपनी बंगाल सरकार के योगदान को आप सबके साथ साझा करके खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। इसके पीछे एक लंबी और कठिन कवायद रही है। राज्य सरकार की ओर से इस वर्ष कोलकाता में प्रायोजित किए गए ग्लोबल वीएलएसआइ सम्मेलन 2024 में सेमीकंडक्टर उद्योग के सभी प्रमुख दिग्गजों ने हिस्सा लिया था। राज्य की क्षमता को सफलतापूर्वक बढ़ावा देने के साथ-साथ लगातार विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप ग्लोबल फाउंड्रीज ने हाल में कोलकाता में सेमी कंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट के निर्माण का प्रस्ताव रखा है।

****

बिहार में कब्जा रोकने गई पुलिस पर तीर से हमला

- सब इंस्पेक्टर नुसरत परवीन की आंख के नीचे लगा तीर
- सीओ के बयान पर दो दर्जन आरोपितों पर केस दर्ज

बिहार के अररिया में हमलावरों के तीर से घायल सब इंस्पेक्टर नुसरत परवीन। जागरण

जासं, अररिया

बिहार में अररिया जिले में 18.79 एकड़ जमीन पर कब्जा कर रहे महादलितों को रोकने गई पुलिस की टीम पर रविवार देर रात को लाठी, डंडों व तीर-धनुष से हमला कर दिया गया। तीर लगने से सब इंस्पेक्टर नुसरत परवीन व सअनि वीरेंद्र कुमार नट घायल हो गए। एसडीपीओ रामपुकार सिंह ने दोनों घायलों को उपचार के लिए पूर्णिया में भर्ती कराया है। नुसरत परवीन की आंख के नीचे तीर लगा है। मामले में सीओ नजमुल हसन व जमीन मालिक भूप नारायण यादव की ओर से दो अलग-अलग केस महलगांव थाने में दर्ज किए गए हैं। सीओ ने जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले गिरोह के सरगना वीरेंद्र ऋषिदेव सहित दो दर्जन को नामजद किया है। पोखरिया गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

मामले की जानकारी के अनुसार, जमीन के मालिक भूप नारायण ने फोन पर सूचना दी कि वीरेंद्र ऋषिदेव व उसके सहयोगियों ने जमीन पर कब्जा कर 35-40 घर बना लिए हैं। सीओ ने बताया कि सूचना पर वे आधा दर्जन पुलिस बल के साथ मल्हरिया रहिका टोला पोखरिया में घटनास्थल पर पहुंचे। वहां बड़ी संख्या में उपद्रवी तीर-धनुष, ईंट-पत्थर आदि के साथ मौजूद थे। 250-300 लोगों ने अचानक गालीगलौज करते हुए पुलिस पर हमला कर दिया। इससे सब इंस्पेक्टर नुसरत परवीन व सअनि वीरेंद्र कुमार नट तीर लगने से घायल हो गए।

कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 से खेला जाएगा **भारत-बांग्लादेश** के बीच दूसरा टेस्ट, कुलदीप को मिल सकता है अवसर

घर पर 'टेस्ट' देने के इंतजार में कुलदीप यादव

नितिन नागर ● जागरण

नई दिल्ली: चेन्नई टेस्ट मैच में 280 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का अगला पड़ाव कानपुर है, जहां के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा व अंतिम मैच खेला जाएगा। चेन्नई में मिली विशाल जीत में लोकल हीरो रविचंद्रन अश्विन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब कानपुर में कुछ इसी तरह की भूमिका कुलदीप यादव निभाना चाहेंगे। ग्रीन पार्क स्टेडियम चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव का घरेलू मैदान है, जहां उन्हें अब तक टेस्ट मैच खेलने का अवसर नहीं मिला है।

कानपुर से ही क्रिकेट की शुरुआत करने वाले कुलदीप ने अपने करियर में कुल 12 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से आठ टेस्ट मैच उन्होंने भारत में खेले है, लेकिन उन्हें अब भी घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय टीम की जर्सी में उतरने का इंतजार है। हालांकि कुलदीप अपने दूसरे 'होम ग्राउंड' लखनऊ में वनडे और टी-20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन घरेलू मैदान पर देश के लिए टेस्ट मैच में खेलना हर एक क्रिकेटर का सपना होता है। कुलदीप ने अंतिम टेस्ट मैच इस वर्ष इंग्लैंड के विरुद्ध धर्मशाला मे खेला था, जहां उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट सहित कुल सात विकेट चटकाए थे।

12 टेस्ट मैचों में से आठ मैच भारत में खेले हैं कुलदीप ने, लेकिन एक भी मैच कानपुर या लखनऊ में नहीं खेला

चेन्नई टेस्ट मैच लाल मिट्टी की पिच पर खेला गया था और पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलने के कारण दो स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के साथ जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज के साथ आकाश दीप को तेज गेंदबाज के रूप में उतारा गया था, लेकिन ग्रीन पार्क की पिच स्पिनरों के मुफीद रहती है और इसको देखते हुए टीम प्रबंधन यहां आकाश दीप का विश्राम देकर कुलदीप को अंतिम एकादश में मौका दे सकता है। कुलदीप ने हाल के समय में खुद को साबित किया है, लेकिन तीसरे स्पिनर के रूप में उनका मुकाबला अक्षर पटेल से होगा जो बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। लेकिन दूसरे टेस्ट में कुलदीप को अवसर मिल सकता है क्योंकि ग्रीन पार्क उनका होम ग्राउंड है और दूसरा टीम में पहले से रवींद्र जडेजा हैं जो अक्षर की तरह ही बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर हैं। इस बीच, पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने भी कानपुर टेस्ट में कुलदीप को खिलाए जाने का समर्थन किया है। मांजरेकर ने कहा, चेन्नई की पिच भले ही तेज गेंदबाजों को मदद कर रही थी, लेकिन कुलदीप को खिलाया जाता तो बांग्लादेश के लिए मुश्किलें बढ़ जाती। कुलदीप को आसानी से ड्राप नहीं किया जा सकता है। भारतीय पिचों पर तेज गेंदबाजों को एक या डेढ़ दिन की मदद मिलती है। इसके बाद स्पिनरों का गेम शुरू हो जाता है। जब आपके पास कुलदीप यादव जैसा गेंदबाज है, तो उसे मौका देना चाहिए।

कुलदीप यादव ● फाइल फोटो, आइएएनएस

कुलदीप के टेस्ट आंकड़े

टेस्ट	पारी	ओवर	मेडन	विकेट	पांच विकेट	सर्वश्रेष्ठ
12	22	327.2	45	53	4	5/40

डब्ल्यूटीसी तालिका में भारत ने मजबूत किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली: भारत ने बांग्लादेश पर जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली, जबकि श्रीलंका ने गाल टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराकर लार्ड्स में अगले साल होने वाले फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। श्रीलंका अपने मौजूदा प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचा है। गाल में जीत के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे श्रीलंका के पास 2025 के फाइनल में जगह बनाने के लिए 2023 डब्ल्यूटीसी के फाइनलिस्ट भारत और आस्ट्रेलिया को चुनौती देने का सबसे अच्छा मौका है। भारत को डब्ल्यूटीसी चक्र में अभी नौ टेस्ट और खेलने हैं और उसकी नजरें लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने पर टिकी हैं। भारत पिछले दो सत्र में उपविजेता रहा था।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रा	अंक	पीसीटी
1	भारत	10	7	2	1	86	71.67
2	आस्ट्रेलिया	12	8	3	1	90	62.50
3	श्रीलंका	8	4	4	0	48	50
4	न्यूजीलैंड	7	3	4	0	36	42.86
5	इंग्लैंड	16	8	7	1	81	42.19
6	बांग्लादेश	7	3	4	0	33	39.39
7	द. अफ्रीका	6	2	3	1	28	38.89
8	पाकिस्तान	7	2	5	0	16	19.05
9	वेस्टइंडीज	9	1	6	2	20	18.52

कानपुर में इतिहास रचने की दहलीज पर जडेजा

रवींद्र जडेजा ● फाइल फोटो, प्रेट्र

चेन्नई, प्रेट्र : अगर आप जसप्रीत बुमराह जैसे विलक्षण नहीं हैं तो फिर रविचंद्रन अश्विन के साथ खेलने वाले गेंदबाजों के लिए इस दिग्गज आफ स्पिनर की छाया से बाहर निकलना आसान नहीं होता, फिर भले ही वह रवींद्र जडेजा जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी ही क्यों ना हो। इस हफ्ते शुरू होने वाले कानपुर टेस्ट में जडेजा के पास टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट और 3000 रन के 'ग्रैंड डबल' को हासिल करने वाले खिलाड़ियों के एलीट क्लब में शामिल होने का मौका होगा। इस आलराउंडर के नाम पर अभी 299 विकेट और 3122 रन दर्ज हैं। भारत के दो खिलाड़ियों अश्विन और कपिल देव सहित अब तक दुनिया के केवल 10 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को हासिल कर पाए हैं। गैरी सोबर्स और जैक्स क कैलिस जैसे महान खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा नहीं हैं लेकिन इसके बावजूद जडेजा को उतनी सुर्खियां नहीं मिलती जितनी इन्हें मिला करती थी।

एक तरह से जडेजा का काम करने का तरीका इसका मुख्य कारण है। अश्विन बोलने में तेज हैं और वह प्रेस कांफ्रेंस या यूट्यूब चैनल पर अपने कौशल के बारे में बात करने से नहीं डरते। जडेजा इनमें से कुछ भी नहीं करते। वह रडार की पकड़ में नहीं आने वाले लड़ाकू विमान की तरह अपना काम करते हैं। भारत जब भी मुश्किल में होता है तो जडेजा की यह प्रवृत्ति दिखती है। चेन्नई टेस्ट में भी जब भारत ने 144 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे तो जडेजा ने 86 रन की पारी खेली, लेकिन चर्चा हुई अश्विन के शतक की। लेकिन अश्विन ने दूसरे छोर पर जडेजा के महत्व को तुरंत स्वीकार किया।

टेस्ट में 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बन सकते हैं रवींद्र

एक नजर में

जीवन-प्रशांत और भांबरी डबल्स के फाइनल में

नई दिल्ली: भारत के जीवन नेदुनचेझियान, विजय सुंदर प्रशांत और युकी भांबरी ने सोमवार को चीन में खेले जा रहे दो अलग-अलग एटीपी टूर्नामेंट के पुरुष डबल्स के फाइनल में जगह बनाई। जीवन और विजय की गैर वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने हांगझू ओपन के सेमीफाइनल में एरियल बेहार (उरुग्वे) और राबर्ट गैलोवे (अमेरिका) की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी के विरुद्ध पहले सेट में करारी हार के बाद शानदार वापसी की तथा एक घंटे और 11 मिनट के रोमांचक मुकाबले में 0-6, 6-2, 10-4 से जीत हासिल की। (प्रेट्र)

महाराष्ट्र सरकार ने गावस्कर का प्लाट रहाणे को दिया

मुंबई: महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने सोमवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में एक स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स (खेल परिसर) विकसित करने के लिए 2,000 वर्ग मीटर भूमि को दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को 30 साल के लिए पट्टे पर देने की मंजूरी दे दी। यह प्लाट सुनील गावस्कर को 1988 में एक इंडोर प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने के लिए आवंटित किया गया था, लेकिन वह इसका इस्तेमाल नहीं कर पाए थे। (प्रेट्र)

बार्सिलोना की छठी जीत

मैड्रिड: बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबाल लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां विलारीयाल को 5-1 से हराकर लगातर छठी जीत दर्ज की। इस मुकाबले के दौरान हालांकि बार्सिलोना को झटका भी लगा तब उसके कप्तान और गोलकीपर मार्क आंद्रे टेर स्टेगेन के घुटने में गंभीर चोट लगी और उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर जाना पड़ा। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार टेर स्टेगेन स्टेडियम से अस्पताल एंबुलेंस में गए और अस्पताल से वापस व्हीलचेयर पर लौटे। (एपी)

प्रभात जयसूर्या के 'पंजे' में फंसे कीवी

प्रभात जयसूर्या ● एपी

गाल, एपी : बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या के दूसरी पारी में पांच विकेट और मैच में नौ विकेट की सहायता से श्रीलंका ने सोमवार को पहले क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया। श्रीलंका के 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 68 रन की दरकार थी, जबकि उसके सिर्फ दो विकेट शेष थे। मेहमान टीम ने 3.4 ओवर में चार रन जोड़कर अपने बाकी बचे दो विकेट भी गंवा दिए और उसकी पारी 211 रन पर सिमट गई। रचिन रवींद्र (92) अपने स्कोर में सिर्फ एक रन और जोड़कर जयसूर्या की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। रचिन ने 168 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का मारा। जयसूर्या ने अगले ओवर में विलियम ओरोर्के को खाता खोले बिना बोल्ड करके श्रीलंका को जीत दिलाई और टेस्ट क्रिकेट में आठवीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। रचिन भले ही शतक से चूक गए, लेकिन उनके 92 रन गाल में न्यूजीलैंड की ओर से सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। रचिन ने रोस टेलर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 86 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने गाल में अपने पांचों टेस्ट गंवाए हैं और इस दौरान उसका कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया। इस जीत से श्रीलंका को डब्ल्यूटीसी तालिका में भी फायदा हुआ है। सीरीज का दूसरा टेस्ट गुरुवार से गाल में ही खेला जाएगा।

श्रीलंका ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हराया, प्रभात ने दूसरी पारी में लिए पांच विकेट

जसप्रीत बुमराह सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : स्मिथ

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : अनुभवी आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बार्डर-गावस्कर ट्राफी से पहले जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और उन्हें सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज बताया। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत ने आस्ट्रेलिया में पिछली दो सीरीज जीती है और अगर भारत को लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतनी है तो बुमराह के असाधारण कौशल पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

स्मिथ ने कहा, वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनके पास सभी तरह का शानदार कौशल है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं।

जय शाह ने वाराणसी में बन रहे स्टेडियम का किया निरीक्षण

जासं, वाराणसी : बीसीसीआइ के सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सोमवार को काशी के डीह गंजारी गांव में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने अभी तक तैयार हो चुके पवेलियन को देखा और अधिकारियों को तय समय में गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने का निर्देश दिया। इनके साथ बीसीसीआइ के विशेषज्ञों की टीम भी थी। उन्होंने लगभग एक घंटे तक स्टेडियम का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्टेडियम का शिलान्यास बीते वर्ष 23 सितंबर को किया था। यह स्टेडियम 31 एकड़ में 451 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। स्टेडियम की दर्शक क्षमता 40,000 की होगी और इसका निर्माण दिसंबर 2025 तक करना है। पवेलियन का निर्माण पूरा हो चुका है और यहां 2026 में आइपीएल के मैच कराने की तैयारी है। जय शाह ने देर शाम श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में बाबा का अभिषेक व षोडशोपचार पूजन किया और सप्तर्षि आरती देखी। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी थे।

काशी विश्वनाथ धाम में पूजा करते अनुराग ठाकुर व जय शाह ● एक्स

साहिल के शतक से भारत अंडर-19 टीम की जीत

पुडुचेरी : आरंभिक बल्लेबाज साहिल परख के अविजित शतक की मदद से भारत अंडर-19 टीम ने सोमवार को आस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर तीन वनडे मैचों की सीरीज 2-0 की बढ़त बना ली। साहिल ने 75 गेंद में 14 चौकों और पांच छक्कों से 109 रन की पारी खेली, जिसकी मदद से भारतीय टीम ने 177 रन के लक्ष्य को सिर्फ 22 ओवर में हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने शनिवार को पहला मैच सात विकेट से जीता था। इससे पहले तेज गेंदबाज समर्थ नागराज (2/34) के अलावा लेग स्पिनर मोहम्मद इनान (2/30) और आफ स्पिनर किरण चोरमाले (2/29) ने भी दो-दो विकेट चटकाए जिससे आस्ट्रेलिया की पूरी टीम 49.3 ओवर में 176 रन पर सिमट गई।

जीरो पीरियड से लगे शौक ने वंतिका को बनाया चैंपियन

शतरंज ओलिंपियाड

अवनीश मिश्र ● जागरण

नोएडा: बुडापेस्ट में आयोजित 45वें शतरंज ओलिंपियाड में व्यक्तिगत और टीम दोनों स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली महिला टीम की वंतिका अग्रवाल जार्जिया की ग्रैंडमास्टर बेला खोतेनाश्विली समेत पांच शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ियों को शिकस्त देकर विश्व विजेता बनी हैं। हालांकि, विश्व चैंपियन बनने का उनका यह सफर स्कूल के जीरो पीरियड से शुरू हुआ था। अपनी इस उपलब्धि से अत्यंत खुश वंतिका ग्रैंडमास्टर बनना चाहती हैं।

नौ राउंड में छह जीतीं, तीन ड्रा: फोन पर हुई बातचीत में वंतिका ने अपनी इस ऐतिहासिक जीत पर कहा कि उनका सपना ग्रैंडमास्टर बनने का है। हालांकि, ग्रैंडमास्टर बेला खोतेनाश्विली को हराने से उनका हौसला बहुत बढ़ गया है। आशा है कि जल्द ही उनका सपना पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि उन्हें नौ राउंड खेलने का अवसर मिला। उन्होंने छह राउंड में जार्जिया, अमेरिका, पोलैंड, चीन, फ्रांस व कजाखस्तान की खिलाड़ियों को मात दी। तीन राउंड ड्रा रहा। 21 वर्षीय वंतिका अग्रवाल ने बताया कि सात वर्ष की आयु में वह भाई विशेष के साथ एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा में पढ़ाई करती थीं। स्कूल के जीरो पीरियड में सभी विद्यार्थियों को कोई न कोई खेल चुनना था। उन्होंने शतरंज चुना और भाई के साथ खेलना शुरू किया। आठ वर्ष की आयु में ही उन्होंने स्कूल स्तर पर हुई प्रतियोगिता में जीत हासिल की। उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2019 में विश्व यूथ अंडर-18 में रजत पदक और आनलाइन ओलिंपियाड 2020 में टीम स्वर्ण पदक जीता था। हांग्झू एशियाई खेलों 2023 में टीम रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर चुकी हैं।

प्रतिदिन करती थीं अभ्यास: वंतिका अग्रवाल की मां संगीता अग्रवाल बताती हैं कि शतरंज के लिए वंतिका ने स्नातक के बाद आगे की पढ़ाई पर फिलहाल ब्रेक लगाया है। रोज अभ्यास करती हैं।

वंतिका अग्रवाल ● एक्स

ग्रैंडमास्टर बनने का सपना संजोए वंतिका ने ग्रैंडमास्टर बेला, समेत कई दिग्गजों को दी शिकस्त

20 वर्ष में पहली बार जीतने की खुशी : हरिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : अनुभवी डी हरिका को प्रतिष्ठित शतरंज ओलिंपियाड खिताब जीतने के अपने सपने को साकार करने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्हें बुडापेस्ट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बाद भी इस खिताब को जीतने की खुशी है। अजरबैजान के विरुद्ध महिला टीम के लिए 33 वर्षीय हरिका ने लय में वापसी करते हुए जीत दर्ज की, जबकि 18 वर्षीय दिव्या देशमुख ने तीसरे बोर्ड पर गोवर बेयदुल्लायेवा को पछाड़ कर अपना व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी पक्का किया। हरिका ने कहा, 'मेरे लिए जाहिर तौर पर यह इन लोगों (टीम के साथी खिलाड़ियों) से अधिक भावुक क्षण है। मैं लगभग 20 वर्ष से खेल रही हूं, लेकिन पहली बार स्वर्ण पदक जीतने का अवसर मिला है।'

विनेश की जगह होता तो माफी मांगता : योगेश्वर

नई दिल्ली, जेएनएन : ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने कहा कि पेरिस ओलिंपिक में विनेश अयोग्य घोषित हुईं, उनकी जगह अगर मेरे साथ ऐसा होता मैं पूरे देश के सामने माफी मांगता।

योगेश्वर ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा, अगर कोई खिलाड़ी ओलिंपिक में अयोग्य घोषित होता है तो उसे पूरे देश के सामने माफी मांगनी चाहिए कि मुझसे गलती हुई है। मैंने पदक का नुकसान किया है, लेकिन विनेश ने ऐसा नहीं किया। पूरे मामले को साजिश का रूप दिया गया। ये धारणा बनाई गई कि विनेश के साथ गलत हुआ है। सरकार पर आरोप लगाए गए। लेकिन अगर मैं विनेश की जगह होता और अपना वजन कम नहीं कर पाता तो देश से कहता कि मुझे माफ करें, लेकिन यहां तो विनेश का इस तरह स्वागत किया गया जैसे वह पदक जीतकर लौटी थीं।

टीम यूरोप ने जीता लेवर कप

लेवर कप ट्राफी के साथ टीम यूरोप के खिलाड़ी ● एएफपी

बर्लिन, एपी: चार बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन कार्लोस अलकराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-2, 7-5 (6-5) से हराया जिससे टीम यूरोप ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए टीम विश्व को लेवर कप टेनिस टूर्नामेंट में 13-11 से शिकस्त दी। तीन दिन के मुकाबले के तीसरे और अंतिम दिन के खेल से पहले टीम विश्व 8-4 की बढ़त बनाकर लगातार तीसरा खिताब जीतने के करीब थी।

रविवार को टीम यूरोप ने वापसी की जब अलकराज और कास्पर रूड ने बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो की अमेरिका की जोड़ी को डबल्स मुकाबले में 6-2, 7-6 से हराया। शेल्टन ने इसके बाद मेदवेदेव को 6-7, 7-5, 10-7 से हराकर टीम विश्व को फिर बढ़त दिलाई। टियाफो के पास टीम विश्व को जीत दिलाने का अवसर था, लेकिन वह फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे एलेक्जेंडर ज्वेरेव के विरुद्ध 6-7, 7-5, 10-5 से हार गए। अलकराज ने इसके बाद फ्रिट्ज को हराकर टीम यूरोप की जीत पक्की की।

राष्ट्रीय फलक

सिविल जज भर्ती मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देश पर रोक

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी, जिसमें तीन वर्ष की प्रैक्टिस की अनिवार्यता के बगैर सिविल जज के पद पर भर्ती पर रोक लगा दी गई थी।

राज्य में सिविल जज प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए तीन वर्ष की प्रैक्टिस अनिवार्य करने के लिए मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें), 1994 को 23 जून, 2023 को संशोधित किया गया था। हाई कोर्ट ने संशोधित नियमों को बरकरार रखा था, लेकिन बाद में दो असफल उम्मीदवारों द्वारा यह तर्क दिए जाने पर विवाद बढ़ गया कि संशोधित नियम उन्हें पात्र बना देंगे। उन्होंने कट-आफ की समीक्षा का आग्रह किया। इसके बाद भर्ती पर रोक लगाते हुए हाई कोर्ट ने प्रारंभिक परीक्षा में सफल उन अभ्यर्थियों को बाहर करने का निर्देश दिया था, जो संशोधित नियमों के तहत पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने सोमवार को हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

शानन हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर विवाद में हिमाचल प्रदेश पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

- शीर्ष कोर्ट से की पंजाब सरकार की याचिका खारिज करने की मांग
- पंजाब ने की है लीज खत्म होने के बाद हिमाचल को प्रोजेक्ट पर नियंत्रण लेने से रोकने की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : हिमाचल प्रदेश सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से पंजाब सरकार की उस याचिका को खारिज करने की मांग की जिसमें उसने 99 वर्ष का लीज समझौता खत्म होने के बाद पर्वतीय राज्य को शानन हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का नियंत्रण हासिल करने से रोकने की मांग की है।

पीठ ने कहा कि पहले वह आठ नवंबर को हिमाचल प्रदेश की उस याचिका पर सुनवाई करेगी जिसमें सिविक प्रोसिजर कोड (सीपीसी) के आर्डर-7 रूल-11 के तहत पंजाब सरकार का मुकदमा कायम रखे जाने को चुनौती दी गई है। पीठ ने कहा, 'हमें पहले मुकदमे के विरुद्ध उठाई गई प्रारंभिक आपत्तियों को सुनना होगा।' इसके बाद उसने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

इससे पहले, दो मार्च को 99 वर्ष की लीज अवधि समाप्त होने पर 110 मेगावाट के ब्रिटिशकालीन शानन हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर नियंत्रण हासिल करने के हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रयासों के विरुद्ध पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के जोगिंदर नगर में स्थित है। इसका निर्माण मंडी के तत्कालीन शासक राजा जोगिंदर सेन और ब्रिटिश सरकार के प्रतिनिधि कर्नल बीसी बैटी के बीच 1925 में हुए लीज समझौते के तहत हुआ था। बैटी ने अविभाजित पंजाब के चीफ इंजीनियर के रूप में काम किया था। समझौते के तहत प्रोजेक्ट के लिए पानी का इस्तेमाल ब्यास की सहायक उहल नदी से किया जाना था ताकि स्वतंत्रता पूर्व अविभाजित पंजाब, लाहौर व दिल्ली के लिए बिजली पैदा की जा सके। वकील सुगंधा आनंद के जरिये दाखिल याचिका में हिमाचल प्रदेश सरकार ने कहा कि पंजाब सरकार का मुकदमा कानून द्वारा वर्जित है, इसमें कार्रवाई का कोई कारण नहीं बताया गया है और यह बिल्कुल भी बरकरार रखने योग्य नहीं है। 1925 का समझौता परियोजना के निर्माण, भूमि अनुदान और पक्षों के बीच अधिकारों की मान्यता का आधार था।

प्रादेशिक सेना ने 54 दिन में तय की सियाचिन से श्री विजय पुरम तक की यात्रा

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रादेशिक सेना ने अपने प्लैटिनम जुबली समारोह के लिए सियाचिन ग्लेशियर से इंदिरा प्वाइंट (श्री विजय पुरम) तक अपने 54-दिवसीय अभियान का समापन किया। इसमें भूमि, वायु और समुद्र द्वारा लगभग 5,500 किलोमीटर की दूरी तय की गई। अभियान के समापन के बाद टीम दिल्ली में एक औपचारिक समारोह में भारतीय तिरंगे, भारतीय सेना और क्षेत्रीय झंडे वाले पारंपरिक राजदंड को सेना प्रमुख को सौंपने की तैयारी कर रही है।

प्रादेशिक सेना के इस अभियान को 30 जुलाई को सियाचिन ब्रिगेड के कमांडर द्वारा सियाचिन ग्लेशियर बेस कैंप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। टीम ने लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों के कठिन इलाकों में साइकिल चलाई।

यह 22 अगस्त 2024 को दिल्ली पहुंचा जहां उन्होंने अपनी आगे की यात्रा के लिए उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर और महानिदेशक प्रादेशिक सेना लेफ्टिनेंट जनरल राजू बैजल द्वारा औपचारिक विदाई से पहले राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

सीपीआइ (एम) नेता के पार्थिव शरीर को अस्पताल को सौपने पर विवाद

- बेटे ने पिता के शरीर को मेडिकल कालेज को दान कर दिया था
- बेटी ने इस पर आपत्ति जताते हुए केरल हाई कोर्ट का किया रुख

कोच्चि, प्रेट्र : एर्नाकुलम टाउन हाल में सोमवार को उस समय असमंजस की स्थिति पैदा हो गई, जब कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (सीपीआइ-एम) नेता एमएम लारेंस के शव को लेने मेडिकल कालेज के अधिकारी पहुंचे।

एमएम लारेंस की बेटी आशा ने इसका विरोध किया और इसके खिलाफ केरल हाई कोर्ट पहुंच गई। उन्होंने शैक्षिक उद्देश्यों के लिए अपने पिता के शरीर को मेडिकल कालेज को दान करने के अपने भाई-बहनों के फैसले को चुनौती दी। केरल हाई कोर्ट ने याचिका पर विचार करने के बाद कलामासेरी मेडिकल कालेज के अधिकारियों को आपत्तियों पर सुनवाई करने और केरल एनाटामी अधिनियम के अनुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया। केरल हाई कोर्ट ने मेडिकल कालेज को शव को फिलहाल शवगृह में सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया है।

एमएम लारेंस की बेटी द्वारा केरल हाई कोर्ट का रुख करने के तुरंत बाद मई 2021 में डाला गया लारेंस का एक फेसबुक पोस्ट वायरल हो गया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि आशा लंबे समय से उनके संपर्क में नहीं थी और उसने कभी भी उनके लिए कुछ नहीं किया। उनके पोस्ट में आरोप लगाया गया कि जब वह अस्पताल में भर्ती हुए थे तो एमएम लारेंस की बेटी आशा ने उनकी तस्वीरें खींची थीं और इसे ऐसे साझा कर रही थी जैसे वह अपने पिता की देखभाल के लिए वहां आई हों।

वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एमएम लारेंस के बेटे एमएल सजीवन ने मीडिया को बताया कि भाजपा सहित कुछ तत्व स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

एमएम लारेंस फाइल

वायुसेना ने जीवित अंगों को पुणे से दिल्ली पहुंचाया

नई दिल्ली, एएनआइ : वायुसेना ने एक बड़े अभियान में जीवित अंगों को पुणे से दिल्ली पहुंचाया। इसके चलते एक जीवन रक्षक सर्जरी संभव हो सकी। वायुसेना ने सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से इस अभियान को अंजाम दिया। पुणे से दिल्ली तक जीवित अंगों को पहुंचाने के लिए सी-17 विमान के लिए एक ग्रीन एयर कारिडोर बनाया गया।

भारतीय वायुसेना (आइएएफ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'एक क्षण की सूचना पर आइएएफ सी-17 ग्लोबमास्टर ने पिछली रात हिंडन से आर एंड आर मिलिट्री अस्पताल के चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम के साथ उड़ान भरी। सी-17 विमान के लिए ग्रीन एयर कारिडोर बनाया गया, जिससे एक बड़ी जीवन रक्षक सर्जरी संभव हुई।'

इससे पहले भारतीय वायु सेना ने टाइफून यागी के कारण आई भीषण बाढ़ के बाद वियतनाम (हनोई) में मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान चलाने के लिए अपने सी-17 ग्लोबमास्टर विमान को तैनात किया था। हिंडन एयर फोर्स स्टेशन पर सी-17 टीम द्वारा लोडिंग और कार्डिनेशन किया गया।

****

चिंतन धरोहर

श्रीरामकिंकर जी महाराज

अहंकार का शमन

मानस की शास्त्रसम्मत एवं सार्वभौम व्याख्या के लिए स्वनामधन्य रामकिंकर उपाध्याय जी का यह शताब्दी वर्ष है।

आप दान से लोभ को, ब्रह्मचर्य से काम को और क्षमा से क्रोध को हरा सकते हैं, लेकिन एक अवगुण ऐसा है, जिसे हम किसी भी साधन से नहीं जीत सकते हैं। वह है अहंकार। अगर दान देंगे, तो कहेंगे कि 'मैंने' दिया। यदि यज्ञ और पूजा करेंगे, तो कहेंगे कि 'मैंने' किया। सारे पाप तो नष्ट हो गए, पर 'मैं'(अहंकार) लगा ही रह गया। तात्पर्य यह है कि व्यक्ति सारे पापों को तो हरा सकता है, पर वह 'मैं' को नहीं हरा सकता। इसका शमन प्रभुकृपा से ही होता है।

रामायण के लंकाकांड में जब युद्ध चल रहा था, तब लक्ष्मण जी सबसे लड़े, पर एक राक्षस ऐसा था, जिससे वे लड़ने नहीं गए। वह था कुंभकर्ण। इतने महान योद्धा होकर भी लक्ष्मण जी कुंभकर्ण के सामने क्यों नहीं गए? इसलिए कि कुंभकर्ण अहंकार का प्रतीक है। मानो जीवों के आचार्य लक्ष्मण जी कहते हैं कि अहंकार को मिटाना ईश्वर के ही वश की बात है, जीव के वश की नहीं।

कुंभकर्ण रूपी अहंकार जितना सोया रहे, उतना ही संसार का कल्याण है। किसी ने तुलसीदास जी से पूछा, जागना अच्छा है या सोना? वे बोले, यदि कोई कुंभकर्ण की तरह है, तो उसका सोना ही अच्छा है। अहंकार संसार में जितना सोता रहे, उतना ही संसार सुरक्षित रहेगा। जब रावण को ऐसा अनुभव होता है कि बंदरों के सामने हम हार रहे हैं, पुण्य के सामने पाप हार रहा है, तो रावण अहंकार (कुंभकर्ण) को जगा देता है। कुंभकर्ण से रावण ने कहा कि लंका के आधे राक्षसों का संहार हो गया, अब आधे बचे हैं अर्थात पुण्य के द्वारा जब आधा पाप मिटता है, तभी अहंकार जागता है। कुंभकर्ण जब युद्ध के लिए चलने लगा, तो रावण ने पूछा, तुम्हारे साथ कितनी सेना भेजें? वह बोला, मैं अकेले ही लड़ने जाऊंगा अर्थात अन्य दुर्गुण तो एक-दूसरे से मिलकर सफल होते हैं, पर अहंकार अकेले सद्गुणों को हरा देता है। मनुष्य में भले ही सारे सद्गुण हों, पर यदि उसमें अकेला अहंकार आ जाए, तो वह उसके सारे सद्गुणों को नष्ट कर देता है।

अगले अंक में पढ़ें
श्री श्री रविशंकर का चिंतन

सप्ताह के व्रत त्योहार

25 सितंबर, बुधवार : मातृ नवमी
28 सितंबर, शनिवार : इंदिरा एकादशी व्रत
30 सितंबर, सोमवार : प्रदोषव्रत।

जीवन दर्शन

ब्रह्मा कुमारी शिवानी
प्रेरक वक्ता

संबंधों की कुंजी श्रद्धा, सम्मान और स्नेह

हम श्राद्ध पक्ष में अपने दिवंगत पूर्वजों को सम्मान देते हैं। इसी प्रकार हमें अपने जीवित माता-पिता, दादा-दादी आदि का भी ध्यान रखना चाहिए। उनका सदैव आदर-सम्मान करें। उनके प्रति हमारी यही सच्ची श्रद्धा है।

देखा जाए तो 'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है। छोटे हों या बड़े, श्राद्ध सभी दिवंगत आत्माओं के लिए किया जाता है। जीते जी हम छोटे-बड़ों के लिए अपने स्नेह, श्रद्धा व सम्मान का जितना अधिक उपयोग करेंगे, उतना ही हमें छोटों से सम्मान, बड़ों से आशीर्वाद और पूर्वजों से शक्तियां मिलेंगी। मानवीय संबंध भौतिक आयामों से जुड़ा नहीं होता है। भौतिक पक्ष ने कभी हमें प्रेम, प्रसन्नता, संतोष व उद्देश्य का एक भाव दिया था, लेकिन आज यही तनाव, पीड़ा व जलन का स्रोत बन गया है। हमें एक साथ मिलकर संबंधों की अच्छाई को वापस लाना होगा।

> श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है। श्राद्ध दिवंगत आत्माओं के लिए किया जाता है। किंतु हम जीवित लोगों के प्रति जितना स्नेह, श्रद्धा व सम्मान का उपयोग करेंगे, उतना ही हमें छोटों से सम्मान, बड़ों से आशीर्वाद और पूर्वजों से शक्तियां मिलेंगी...

हर संबंध की एक भौतिक पहचान या नाम होता है, जैसे कि दादा, दादी, माता, पिता, पति और पत्नी आदि। यह सामने वाले पर निर्भर करता है कि उसका संबंध दूसरे के साथ कैसा होगा। आमतौर पर संबंध दो आत्माओं के बीच का संपर्क है। दूसरी आत्माओं के साथ हमारा संबंध कैसा होगा, वह हमारे स्वयं के साथ संबंध की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। दूसरे, आत्मा के साथ हमारा संबंध प्रेमपूर्ण तब होगा, जब स्वयं का अपने अंतरात्मा के साथ संबंध प्रेममय होगा। क्योंकि, हमारे अंतरात्मा का मूल गुण या स्वभाव प्रेम है। दूसरों के साथ संबंध का अर्थ है, दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करना। जब हम बाहरी और आंतरिक दोनों आयामों को अलग कर देते हैं, तो हमारे संबंध इतने सुंदर नहीं बन पाते। हम अक्सर एक-दूसरे को अपने कहे हुए शब्दों और आपसी कार्य व्यवहार के आधार पर देखते हैं। कई बार हम सोचते हैं कि इतने सहयोग के बाद भी हमारा नाता उतना मजबूत नहीं है, जितना होना चाहिए था। हमें देखना होगा कि क्या हम अच्छे शब्दों का चयन करने और अच्छा व्यवहार करने के साथ-साथ, दूसरे व्यक्ति की अच्छाई व भलाई के बारे में भी सोच रहे हैं? क्योंकि, हमारे बोल या व्यवहार से पहले ही हमारा विचार दूसरे व्यक्ति के पास पहुंच जाता है। किसी भी संबंध निर्माण करने में, हमारे विचार या भावनाएं अधिक महत्व रखती हैं, क्योंकि संबंध दो आत्माओं के बीच ऊर्जा का आदान-प्रदान है। हालांकि आजकल हम इसे स्थूल उपहार, वाणी और व्यवहारों के लेन-देन से ज्यादा नहीं मानते हैं।

संबंधों में एक-दूसरे के लिए अच्छा करना भी महत्व रखता है। परंतु, इतना कुछ करने के बाद भी हम अपनी संबंधों से जूझ रहे हैं, क्योंकि हम संबंध की इमारत के बाहरी रूप को संपूर्ण बनाने की कोशिश करते हैं। हम इसकी अदृश्य नींव अर्थात विचार और भावनाओं पर ध्यान नहीं देते हैं। हम देखते हैं कि कुछ लोग ऊपर से स्नेह सहयोग देते हैं, पर अंदर से आलोचक बन जाते हैं। बाहरी तौर पर तो यह एक संपूर्ण संबंध दिखता है, परंतु इसकी स्नेह, श्रद्धा व विश्वास वाली भावनात्मक नींव कमजोर रहती है।

बड़ों के आशीर्वाद से हमारी प्रसन्नता और ऊर्जा बढ़ती है। ● जागरण आर्काइव

मजबूत रिश्ते दिखावे, झूठी प्रशंसा पर नहीं टिकते हैं। असल में, स्थायी संबंधों का आधार हमारा सोच और विचार ही है। हम दूसरों के बारे में क्या सोचते हैं, यह अधिक महत्व रखता है। पहले हमें बुजुर्गों और बच्चों के प्रति सोच, विचार और दृष्टिकोण को दृढ़ करना होगा, तब उनके साथ प्यार भरे संबंध की इमारत हम खड़ी कर सकते हैं। हम यह भी मानते हैं कि आज हमारा जो बच्चा है, हो सकता है वह हमारे पूर्वज आत्माओं में से एक हो। तभी चाहे घर के बुजुर्ग हों या बच्चे, सबके प्रति हमारी शुभ भावना और संवेदनशील आचरण रहना चाहिए। उसके लिए हमें अपनी चेतना, चिंतन, दृष्टि, वृत्ति, व्यवहार और भावनाओं को आत्मिक बनाना होगा। इसके आधार पर ही मधुरता, स्नेह, श्रद्धा, दया, करुणा, आदर सम्मान और संवेदनशीलता आदि मानवीय मूल्य विकसित होंगे। हम न केवल अपने जीवन, आचरण और संबंधों को बेहतर बना सकते हैं, अपितु पूरे विश्व परिवार के जीवित तथा दिवंगत आत्माओं के लिए शांतिपूर्ण सद्गति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

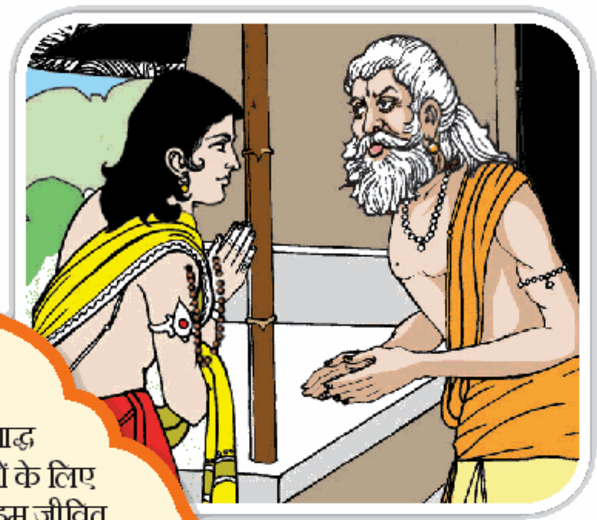

मंथन मीमांसा

आचार्य नारायण दास
आध्यात्मिक गुरु, ऋषिकेश

भक्त को हृदय में स्थान देते हैं भगवान

समुद्र-मंथन की कथा मनुष्य के सामाजिक व आध्यात्मिक जीवन का पथ प्रशस्त करती है और जीवन के साफल्य का बोध कराती है। आज समुद्र मंथन से निःसृत रत्नों की शृंखला में पढ़ें पांचवें रत्न कौस्तुभ मणि की आध्यात्मिक विवेचना...

समुद्र मंथन से पांचवें क्रम में कौस्तुभ नामक पद्मराग मणि निकली, जिसे भगवान श्रीविष्णु ने अपने वक्षस्थल पर धारण किया।

हृदय सागर है, मन मंदराचल पर्वत तथा शेषनाग बुद्धिरूपी रस्सी हैं। जब तीनों के संयोग से हृदय सागर का मंथन होता है, तब अनेक वस्तुएं प्रकट होती हैं। कौस्तुभ का अर्थ होता है समुद्र।

भगवान के लिए भक्त हैं कौस्तुभ मणि

यह संसार ही सागर है, जहां मनोमंथन चलता रहता है और लुभावनी वस्तुएं प्रकट होती रहती हैं। उनमें न उलझ जब साधक भगवद्भक्ति का अवलंबन नहीं छोड़ता है, तब वह भक्ति के अमोघ प्रभाव से स्वयं मणिस्वरूप हो जाता है, जिसे भगवान अपने हृदय से लगाकर भक्त को धन्य कर देते हैं।

जो सब में परिव्याप्त है और सब उसमें, उसे आचार्यों ने विष्णु अर्थात परब्रह्म परमेश्वर श्रीहरि कहा है। मणि को भक्ति का भी प्रतीक माना गया है। भगवद्भजन और महापुरुषों के सत्संग के अमोघ प्रभाव से जब हृदय से सारे विकार निकल जाते हैं, तब केवल भक्ति ही शेष बचती है और यह भक्ति रूपी मणि ही है, जो साधक को भगवान से मिलाती है।

श्रीमद्भागवतमहापुराण में वर्णित है- 'चिंतामणिर्लोकसुखम्' अर्थात मणि समग्र लोकसुख प्रदान करने वाली है, समस्त सांसारिक कामनाओं की पूर्ति करती है। इसके बाद जब साधक लौकिक जगत के आकर्षणों के प्रति उदासीन हो जाता है, तब उसमें विमल बुद्धि का प्रकाश होता है, जिसके सुप्रभाव से उसे 'वासुदेवः सर्वम्' का बोध हो जाता है।

श्रीरामचरितमानस में मणि को आध्यात्मिक चेतना का उत्कृष्ट स्वरूप बताया गया है। यह दिव्य चेतना जीव को भगवान के शाश्वत स्वरूप का बोध कराती है। भगवान का नाम ही महामणि है, जिसके अवलंबन से दुर्भाग्य मिट जाता है। भगवान विष्णु द्वारा कौस्तुभ मणि को वक्ष पर धारण करने का तात्पर्य यह है कि जो भक्त सांसारिकता के आकर्षण से प्रभावित न होकर उनका भजन करते हैं, उन्हें प्रभु हृदय में स्थान देते हैं। मणि संत-महापुरुषों की निष्काम भक्ति है। भगवान के भक्त ही कौस्तुभ मणि हैं अर्थात उनकी शक्ति हैं।

वर्ग पहेली-2761

बाएं से दाएं

1. फणीश्वरनाथ 'रेणु' की एक कहानी (3,3) I 4. बिलख-बिलख कर रोना (3) I 6. भगवान, ईश्वर (2) I 7. नाड़ी, रग (2) I 9. बिछुड़ने का दुख (3) I 10. तीर चलाने वाला (4) I 11. कमान (3) I 13. निरा, मात्र, केवल (3) I 14. जनता का शासन (4) I 15. धान कूटने का उपकरण (3) I 17. खेत जोतने का यंत्र (2) I 19. बहुत अधिक, बड़ा महान (2) I 22. देखना (3) I 23. मरा हुआ (2,4) I

ऊपर से नीचे

1. टहल, सेवा (3) I 2. एक सुंदर फूलदार वृक्ष (4) I 3. सूक्ष्म, अत्यंत छोटा (3) I 4. प्रस्थान, रवाना होना (2) I 5. जलयान (3,3) I 8. सती का धर्म, पतिव्रत्य (3) I 9. जहर, हलाहल (2) I 11. धन का लोभ (2,4) I 12. बावन में पैंतीस कम (3) I 13. विष्ठा, दोष (2) I 16. कर्मयुक्त, क्रियाशील (4) I 18. बालक, बच्चा, पुत्र (3) I 20. अवस्था, दशा (3) I 21. अन्न कण, अनाज (2) I

© Bird Features & Writing Agency

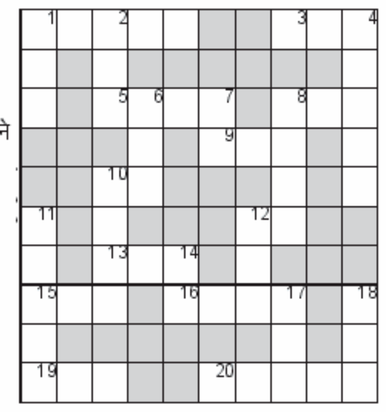

कल का हल

आ	ल	म			प	र	ब	रि	श
त्मा		क	या	म	त				गु
भि		र			झ		म	हा	न
मा				झा	ड			हा	
न	का	र	ना			शा		का	
	र		च			प	सा	र	ना
	खा			आ	ब				का
प	ना	ह		न			आ		म
र्व				ब	च	प	न		या
त	मा	श	बी	न			न	का	ब

जागरण सुडोकू-2761

	4			3			5	
			4		1			6
		3		9		4		
	8		3				9	
1					9	6		4
		7		4			2	
5		8			4			2
	2		9				1	
3				5		7		9

कल का हल

3	5	8	4	7	9	2	6	1
4	1	9	2	6	8	3	5	7
2	7	6	5	1	3	4	8	9
6	3	2	9	4	7	8	1	5
1	4	5	8	2	6	7	9	3
9	8	7	3	5	1	6	4	2
8	2	3	6	9	5	1	7	4
5	6	1	7	3	4	9	2	8
7	9	4	1	8	2	5	3	6

आज का भविष्यफल- 24 सितंबर, 2024 मंगलवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : आश्विन मास कृष्ण पक्ष सप्तमी। राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल : उत्तर। पर्व एवं त्योहार : जीवित्पुत्रिका व्रत। विशेष : सप्तमी श्राद्ध, अष्टमी श्राद्ध दोपहर 01 बजे के बाद।

कल 25 सितंबर, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
विशेष : अष्टमी श्राद्ध, मातृ नवमी श्राद्ध दोपहर 12 बजकर 30 मिनट के पश्चात।
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु, आश्विन मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी तत्पश्चात नवमी, आर्द्रा नक्षत्र 22 घंटे 24 मिनट तक, तत्पश्चात पुनर्वसु नक्षत्र, वरियान योग 24 घंटे 18 मिनट तक, तत्पश्चात परिघ योग, मिथुन में चंद्रमा।

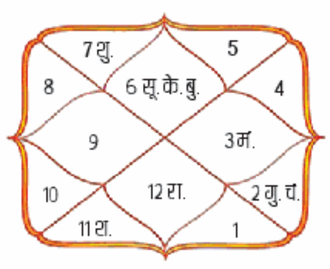

मेष : पारिवारिक समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
वृष : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सामाजिक कार्यों में प्रगति होगी।
मिथुन : जीविका में प्रगति होगी, रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क : व्यावसायिक मामलों में सफलता, पुरुषार्थ सार्थक होगा।
सिंह : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे।
कन्या : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
तुला : मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। मन विचलित रहेगा।
वृश्चिक : दांपत्य जीवन में तनाव हो सकता है। गलतफहमी से बचें।
धनु : पारिवारिक समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
मकर : जीवनसाथी से मतभेद संभव है। व्यर्थ की समस्या से ग्रसित रहेंगे।
कुंभ : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
मीन : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।

राष्ट्रीय फलक

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने कहा- ध्वनि प्रदूषण से मुक्ति जीवन का अधिकार

जागरण संवाददाता, नैनीताल

- हाई कोर्ट ने हरिद्वार की मस्जिद में लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति वाली याचिका पर कही यह बात

उत्तराखंड में हाई कोर्ट ने कहा कि जीवन के अधिकार में ध्वनि प्रदूषण से मुक्ति भी शामिल है। प्रदूषण फैलाने वाले इसमें संविधान के अनुच्छेद के तहत दिए गए अपने विचार व राय व्यक्त करने का अधिकार (19(एक)(ए) का बचाव नहीं ले सकते। कोर्ट ने हरिद्वार के भगवानपुर में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर की अनुमति देने से संबंधित मामले में यह महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश के क्रम में 2018 में हाई कोर्ट की ओर से पारित आदेश का उल्लेख करते हुए राज्य के सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि इसका उल्लंघन करने वालों को ध्वनि प्रदूषण विनियमन-2000 के अंतर्गत दंडित किया जाए।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने हरिद्वार निवासी रईस अहमद की याचिका पर सुनवाई की। रईस ने याचिका में कहा था कि जून 2022 में एसडीएम भगवानपुर से नमाज के दौरान लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति मांगी थी। प्रशासन ने अनुमति नहीं दी तो हाई कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने याचिका के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त न करते हुए प्रशासन को कानून के अनुसार, इस मामले को हल करने के निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। साथ ही एसडीएम को 2018 में पारित निर्णय पर विचार करने को कहा है, जिसमें स्पष्ट कहा गया था कि निजी स्वामित्व वाली ध्वनि प्रणालियों पर परिधीय शोर का स्तर पांच डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। सार्वजनिक स्थान पर लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली या अन्य माध्यम से शोर का स्तर 10 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। रात दस बजे से सुबह दस बजे तक सार्वजनिक आपात स्थितियों को छोड़कर ढोल, तुरही या अन्य वाद्ययंत्र बजाने के उपयोग की अनुमति नहीं है।

प्लास्टिक बोतल से सजाई सुंदर बगिया

शत्रुघ्न शर्मा ● जागरण

- स्वच्छ भारत अभियान के तहत अनुकरणीय योगदान दे रहे भावनगर के डा. तेजस दोशी
- प्लास्टिक बैग के बदले काटन बैग बांटकर अब तक 75 लाख थैली महानगर पालिका को दिए

अहमदाबाद : डाक्टर को आमतौर पर मरीज की जांच करते या दवा देते देखा जाता है, लेकिन गुजरात के भावनगर के डा. तेजस दोशी ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत अनुकरणीय योगदान दिया है। डा. दोशी ने प्लास्टिक बैग के बदले काटन बैग बांटकर अब तक 75 लाख थैली महानगर पालिका (मनपा) को दिए, मनपा ने इनको रिसाइकल कर ईको ब्रिक्स व ईको पार्क बनाया है। डा. दोशी को 'स्वच्छ भारत मिशन' के लिए भावनगर का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

मानसून के दौरान करीब पांच वर्ष पहले जामनगर शहर जाम हो गया था, नालों को खोला गया तो बड़ी मात्रा में पलिथीन थैलियां व दूध की थैलियां निकलीं। डा. तेजस दोशी ने इस बात को गंभीरता से लिया और स्कूली बच्चों, महिला और पुरुषों को पालिथीन की 50 थैली के बदले एक कपड़े का बैग देने का अभियान चलाया।

डा. दोशी अब तक करीब डेढ़ लाख कपड़े के बैग बांटकर करीब 75 लाख पालिथीन बैग मनपा को दे चुके हैं। इन बैग को रिसाइकल कर उससे ईको ब्रिक्स व ईको पार्क बनाने में काम लिया गया, कही कहीं सड़क बनाने में भी इन ब्रिक्स की मदद ली गई। भावनगर में पिछले 23 साल से बतौर चिकित्सक सेवारत डा दोशी बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से काफी प्रभावित हूं और जब इस धरती ने मुझे बनाया है, तो मुझे भी इस धरती को कुछ लौटाना चाहिए।

भावनगर महानगर पालिका द्वारा बनाया गया ईको ब्रिक्स व ईको पार्क। जागरण

डा. तेजस दोशी।

11 लाख पुराने पेन रिफिल कर बांटे

दोशी ने अपने पास पड़े 38 बेकार पेन को देखकर उनको रिफिल कर उनका पुनउपयोग करने का बीड़ा उठाया। इंटरनेट मीडिया के जरिए लोगों से पुराने पेन मांगे। 2019 से जून-2024 तक 11 लाख से अधिक पेन को रिफिल कर जरूरतमंद को बांटे।

उत्तराखंड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी को लगेंगे सेंसर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

- उपचारित क्षेत्र में भूमि की हलचल का पहले चल सकेगा पता

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद अब उनकी निरंतर निगरानी भी की जाएगी। इसके लिए उपचारित क्षेत्र में सेंसर लगाए जाएंगे, जिससे वहां भूमि में होने वाली हलचल की पहले ही जानकारी मिल सकेगी। नैनीताल की नैना पीक से यह शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र ने कसरत प्रारंभ कर दी है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से संवेदनशील है। हर वर्षाकाल में अतिवृष्टि के चलते भूस्खलन से बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति राज्य को झेलनी पड़ रही है। यद्यपि, संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का उपचार भी हो रहा है, लेकिन कुछ समय ठीक रहने के बाद ये फिर से सक्रिय हो जाते हैं। इस सबको देखते हुए सरकार अब भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार के बाद उनकी निरंतरता में निगरानी पर विशेष जोर दे रही है। इसमें आधुनिक तकनीकी का समावेश किया जाएगा।

उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र के निदेशक डा शांतनु सरकार के अनुसार अब जहां भी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में दीर्घकालिक उपचारात्मक कार्य होंगे, उन पर बराबर नजर रखी जाएगी। जो भी एजेंसी चाहे वह लोनिवि हो, सिंचाई विभाग या फिर अन्य विभाग, उनके लिए भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद सेंसर लगाना अनिवार्य किया जा रहा है।

डा सरकार ने बताया कि उपचारित क्षेत्र में सेंसर लगने पर वहां जमीन के भीतर होने वाली किसी भी प्रकार की गतिविधि की जानकारी मिल सकेगी। सेंसर से तत्काल इसका डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर संबंधित क्षेत्र में आपदा प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि नैना पीक के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में उपचारात्मक कार्य पूर्ण होने पर वहां से सेंसर लगाने की शुरुआत की जाएगी। इसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के सेंसर लगाए जाएंगे।

अयोध्या में रामलला की पोशाक पर सुसज्जित हुई उत्तराखंड की ऐपण कला

विजय उप्रेती ● जागरण

- पिथौरागढ़ की निशु पुनेठा ने उकेरी विधा, सरकार ने उपलब्ध कराया मलबरी सिल्क कपड़ा
- अवध नंदन की पोशाक का हिस्सा बने ऐपण को अब मिलेगी विश्व स्तर पर पहचान

पिथौरागढ़ : देवभूमि उत्तराखंड के लिए यह सबसे बड़ा गौरव है। प्रदेश की लोक विधा ऐपण अयोध्या में भगवान रामलाला की पोशाक में सुसज्जित हुई है। श्रीराम को अर्पित इस खास तरह की पोशाक में ऐपण कला को आकार दिया है पिथौरागढ़ की निशु पुनेठा ने। उत्तराखंड के मलबरी सिल्क कपड़े से तैयार पोशाक में अवध नंदन को पहनाई गई पट्टिका तो आकर्षक है ही, साथ में अन्य अंगवस्त्रों में भी ऐपण ने स्थान बनाया है। निशु को इस पोशाक को तैयार करने में एक सप्ताह का समय लगा और इस कार्य में उनका मार्गदर्शन किया रामलला के पोशाक डिजाइनर मनीष त्रिपाठी ने। उत्तराखंड सरकार की ओर से मलबरी सिल्क कपड़ा उपलब्ध कराया गया। रामलला अब तक देशभर के 19 राज्यों की परंपरा और संस्कृति पर आधारित पोशाक धारण कर चुके हैं। इन राज्यों में देवभूमि का नाम भी जुड़ गया है। निशु आठ साल से ऐपण कला पर काम कर रही हैं। पोशाक को आधुनिक नहीं, बल्कि ऐपण के पारंपरिक डिजाइन के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें वह लंबी पट्टिका विशेष है, जो भगवान के गले से धारण कराई गई है।

ऐपण कलाकार निशु पुनेठा। सौ. स्वयं

ऐपण उत्तराखंड की प्राचीन लोक विधा है। इसे शुभ अवसरों या कार्यों और त्योहारों पर घर की देहरी से लेकर मंदिर तक सजाने की परंपरा रही है। पहले इसे मिट्टी के लेप और पिसे चावल के घोल से आकार दिया जाता था। यानी मिट्टी से देहरी की लिपाई होती थी और उसके बाद चावल के बिस्वार से ऐपण डाले जाते थे। समय के साथ उत्तराखंड की इस लोक विधा ने एक अलग पहचान बनाई है।

अयोध्या में रामलला की पोशाक उत्तराखंड की ऐपण विधा से तैयार की गई है। इसमें पट्टिका खास है। यह पोशाक उत्तराखंड के ही मलबरी सिल्क कपड़े से तैयार की गई है। सौ. निशु पुनेठा

डाक्टर ने घोषित किया मृत, पोस्टमार्टम सुनते ही 'जिंदा' हुआ युवक

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : बिहार के बिहारशरीफ सदर अस्पताल में सोमवार को नशे में धुत युवक ने अजीबोगरीब दृश्य उत्पन्न कर दिया। युवक ने अस्पताल के प्रथम तल के शौचालय में स्वयं को बंद कर अफरातफरी मचा दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो उसे मरणासन्न देखा। इस पर सिपाही या किसी स्वास्थ्यकर्मी ने नब्ज टटोली और उसे मृत मान लिया। जानकारी मिलने पर सिविल सर्जन पहुंचे और दूर से ही युवक को फर्श पर निढाल पड़ा देख सफाईकर्मी को उसे पोस्टमार्टम के लिए ले जाने का निर्देश दे दिया। यह सुनते ही युवक झटके से उठ खड़ा हुआ। यह देख सभी लोग हक्के-बक्के रह गए। युवक की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई। वह सदर अस्पताल में दवा लेने आया था। शराब पीने की पुष्टि होने पर पुलिस उसे लेकर थाना चली गई। सिविल सर्जन डा. जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि युवक नशे की हालत में था। इस कारण वह शौचालय में गिरकर अचेत हो गया। जब वह देखने गए तो युवक उठकर खड़ा हो गया और स्वयं चलकर सीढ़ियों से नीचे उतरा।

पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं नौ गुना बढ़ीं, रोकने के उपाय हुए नाकाम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- धान की कटाई के रफ्तार पकड़ने पर और बढ़ेंगी पराली जलाने की घटनाएं
- अभी तक पराली जलाने के 69 केस आए सामने, सर्वाधिक अमृतसर में

पंजाब में धान की कटाई अभी पूरी तरह से शुरू भी नहीं हुई है कि पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। पिछले वर्ष की तुलना में नौ गुना वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वर्ष के आठ केस के मुकाबले 23 सितंबर तक पराली जलाने के 69 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें सर्वाधिक 51 केस अमृतसर जिले से हैं। धान की कटाई में तेजी आने पर इसके और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

पराली जलाने की घटनाओं को लेकर निशाने पर रही भगवंत मान सरकार ने पिछले वर्ष इसे रोकने के लिए कई प्रबंध किए थे। किसानों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया गया था। इस बार भी प्रशासन ने कई कदम उठाए, लेकिन अब तक सारे प्रयास नाकाम साबित हो रहे हैं। इस वर्ष प्रदेश में 132 लाख हेक्टेयर धान की बिजाई हुई है जबकि पिछले वर्ष 131 लाख हेक्टेयर में धान बोया गया था। अभी धान की अगैती (समय से पहले) फसल की कटाई शुरू हुई है। जब धान की कटाई बढ़ेगी तो पराली जलाने की घटनाओं का बढ़ना तय माना जा रहा है।

प्रतीकात्मक।

कृषि विभाग के मुताबिक, इस बार धान की कटाई के बाद 200 लाख टन पराली बचेगी। इसमें से पंजाब सरकार ने 19.52 लाख टन पराली के प्रबंधन का लक्ष्य रखा है जबकि वर्ष 2023 में 15.86 लाख टन पराली का प्रबंधन किया गया था। शेष पराली के प्रबंधन के कोई इंतजाम नहीं होने से पराली जलाने की घटनाएं इस बार बढ़ने की आशंका है।

यही गति रही तो राज्य की हवा होगी अधिक प्रदूषित

राज्य में पराली जलाने के बढ़ते मामलों से पर्यावरण विशेषज्ञ भी चिंतित हैं। उनका मानना है कि अगर यही रफ्तार रही तो आने वाले दिनों में पंजाब की हवा अधिक प्रदूषित होने का खतरा है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े बताते है कि पराली जलाने के 75 प्रतिशत से अधिक मामले सिर्फ पंजाब में हुए हैं। प्रशासन ने पराली जलाने वाले 25 किसानों पर 52,500 रुपये जुर्माना लगाया और उनसे 32,500 रुपये की वसूली की।

****

भारत ने पहले प्रयास में ही मंगल की कक्षा में पहुंचाया यान

2014 में आज ही भारत का मार्स आर्बिटर मिशन, जिसे मंगलयान के नाम से भी जाना जाता है, ने मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश किया था। ऐसा पहली बार था जब कोई अंतरिक्ष एजेंसी अपने पहले प्रयास में मंगल की कक्षा में पहुंची थी। यह पांच नवंबर, 2013 को लांच हुआ था।

परमाणु संचालित पहला विमानवाहक पोत यूएसएस एंटरप्राइज लांच हुआ

1960 में आज ही दुनिया का पहला परमाणु संचालित विमानवाहक पोत, यूएसएस एंटरप्राइज अमेरिका में लांच किया गया था। आठ परमाणु रिएक्टरों द्वारा संचालित यह पोत उस समय दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत था। 1963 में इसने बिना रुके पूरी दुनिया की यात्रा की थी।

विदेश में पहली बार भीकाजी कामा ने फहराया था भारतीय ध्वज

स्वतंत्रता सेनानी भीकाजी कामा का जन्म 1861 में आज ही बांबे (अब मुंबई) में हुआ था। इलाज करवाने लंदन गईं एवं वहां दादाभाई नौरोजी के संपर्क में आकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए काम करना शुरू कर दिया। 22 अगस्त, 1907 को जर्मनी में इंटरनेशनल सोशलिस्ट कान्फ्रेंस में पहली बार विदेशी भूमि पर वंदे मातरम् लिखा भारतीय ध्वज फहराया। आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन प्राप्त करने के लिए अमेरिका व फ्रांस का भी दौरा किया। उन्होंने महिला अधिकारों के लिए भी आवाज उठाई थी।

जागरण विशेष

गन्ने के छिलके से बना इलेक्ट्रोड घटाएगा प्रदूषण

आइआइटी कानपुर में विज्ञानियों ने जैविक विधि से तैयार किया स्क्रीन प्रिंटेड इलेटक्ट्रोड

अखिलेश तिवारी • जागरण

कानपुर : चिकित्सा से लेकर विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरणों में प्रयोग होने वाले इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर के लिए आइआइटी विज्ञानियों ने गन्ने के छिलके पर स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड तैयार किया है। अभी तक प्लास्टिक या सेरेमिक का प्रयोग किया जा रहा है, जो इलेक्ट्रोड के अनुपयोगी होने पर भी वर्षों तक नष्ट नहीं होता। गन्ने के छिलके की सतह का प्रयोग किए जाने से यह पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल है। इसे 100 प्रतिशत प्रदूषण कम करने वाला शोध करार दिया गया है। आइआइटी के शोध को भारत सरकार ने पेटेंट भी दिया है। अब निजी कंपनियों की मदद से गन्ने के छिलके से स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड तैयार करने की तैयारी है।

आइआइटी कानपुर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सिद्धार्थ पाण्डा के साथ डा. नचिकेत आशीष गोखले और डा. चिरंजीवी श्रीनिवासराव वूसा ने अनुसंधान पूरा किया है। इलेक्ट्रो केमिकल सेंसिंग की दुनिया के लिए क्रांतिकारी अनुसंधान माना जा रहा है। अभी तक इलेक्ट्रो केमिकल सेंसर में प्रयोग हो रहे स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड के सबस्ट्रेट के तौर पर प्लास्टिक और सेरेमिक का प्रयोग किया जा रहा है। उससे होने वाले प्रदूषण को देखते हुए दुनिया में पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रोड की जरूरत थी। प्रो. पाण्डा की टीम ने गन्ने के छिलके यानी ऊपरी सतह की मदद से स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड तैयार किए हैं जो इलेक्ट्रो केमिकल सेसिंग में पूरी तरह से सक्षम हैं। टीम ने गन्ने के छिलके के सबस्ट्रेट यानी इलेक्ट्रोड को 'आधार सतह' के तौर पर प्रयोग किया है। गन्ने के छिलके पर स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड तैयार करने के बाद विभिन्न इलेक्ट्रोनिक सेंसर के साथ सफल प्रयोग किया।

छिलका युक्त गन्ना, जिसका प्रयोग इलेक्ट्रोड निर्माण में किया जाता है।

गन्ने के छिलके से प्रयोगशाला में तैयार इलेक्ट्रोड। • सौ. स्वयं

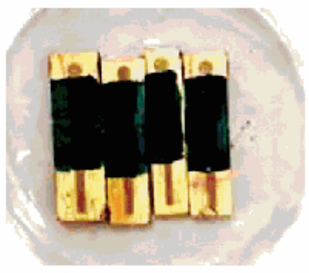

> गन्ने के छिलके की सतह का प्रयोग स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड के विकास में किया है। यह खराब होने पर प्राकृतिक तौर पर अपने आप नष्ट हो जाएगा। इससे प्रदूषण की समस्या भी नहीं होगी। प्रयोगशाला परीक्षण के साथ यह भी पाया गया है कि इसका उत्पादन फैक्ट्री स्तर पर आसानी से किया जा सकता है।
>
> **प्रो. सिद्धार्थ पाण्डा**, आइआइटी कानपुर

विश्वभर में मिलता है गन्ना, नहीं होगी दिक्कत : शोध टीम के अनुसार, गन्ने के छिलका भविष्य में स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड के लिए सबस्ट्रेट का स्थायी विकल्प बन सकता है। गन्ने की उपलब्धता पूरी दुनिया में प्रचुर मात्रा में है और हर साल उत्पादन हो रहा है। गन्ने के छिलके पर तैयार इलेक्ट्रोड की जांच की गई तो इसे 25 से 55 डिग्री तापमान पर उपयुक्त पाया गया है। आइआइटी में स्थित नेशनल फ्लेक्सीबल इलेक्ट्रानिक्स सेंटर में गन्ने के छिलके पर स्क्रीन प्रिंटिंग का काम किया गया है, लेकिन यह देखा गया है कि इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर फैक्ट्रियों की असेंबली लाइन पर एक साथ किया जा सकता है। इसका प्रयोग सोना, चांदी या कार्बन इलेक्ट्रोड के लिए भी करके देखा गया है और नतीजे पूरी तरह से अनुकूल रहे हैं। इससे भविष्य में स्पेस टेक्नोलाजी, मोबाइल फोन या अन्य उपकरणों में स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड के तौर पर इसका प्रयोग किया जा सकेगा।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

जापान का सांस्कृतिक महोत्सव

जापान के चिबा प्रांत के इसुमी का ओहारा हदका महोत्सव काफी प्रसिद्ध है। शरद ऋतु में आयोजित किए जाने वाले इस उत्सव में लोग आसानी से इधर-उधर ले जाने लायक एक मंदिरनुमा समाधि (मिकोशी) को समुद्र में ले जाते हैं। इसके जरिये श्रद्धालु अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते हैं। परंपरागत वेशभूषों में पुरुषों का एक समूह मिकोशी को लेकर समुद्र में जाता है और यह उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रायटर

इधर-उधर की

लक्जरी बैग ने यूजर्स को दिलाई बस के फर्श की याद

प्राडा के मैटेलिक टोट बैग की कीमत तीन लाख रुपये है। इंटरनेट मीडिया

जेएनएन, नई दिल्ली: लक्जरी फैशन ब्रांड कभी कभी अजीबो-गरीब चीजें पेश कर देते हैं। हाल ही में प्राडा ने मैटेलिक टोट बैग लांच किया है। इस पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। दरअसल यह बैग भारतीय ट्रेनों और बसों के फर्श जैसा दिख रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह ट्रेन के शौचालय के फर्श जैसा दिखता है।' दूसरे ने लिखा, 'सार्वजनिक परिवहन से जुड़ा हिस्सा लेकर घूमना भी अब फैशन बन गया है।' इटली निर्मित इस बैग की कीमत 2,850 पाउंड यानी करीब तीन लाख रुपये है।

बिखरते धूमकेतु ने की आश्चर्यजनक वापसी

खगोलीय घटना ▶ असाधारण रोशनी से वर्ष का सर्वाधिक चमकदार धूमकेतु बन सकता है ए-3

27 सितंबर से मध्य अक्टूबर तक इस पर रहेगी विज्ञानियों की नजर

रमेश चंद्रा • जागरण

नैनीताल : टूटकर बिखरने लगे धूमकेतु (सी/2023 ए-3) ने आश्चर्यजनक ढंग ने वापसी की है। अब यह असाधारण चमक के साथ वर्ष का सर्वाधिक चमकदार धूमकेतु बन सकता है। यही वजह है कि 27 सितंबर से अक्टूबर मध्य तक यह विज्ञानियों की नजर में रहेगा।

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डा. शशिभूषण पांडेय ने बताया कि जुलाई में यह धूमकेतु टूटकर बिखरने लगा था। इस कारण इसके आगे बढ़ने की उम्मीद धूमिल हो चुकी थी। खगोल प्रेमियों के साथ-साथ धूमकेतुओं का अध्ययन करने वाले विज्ञानियों के लिए यह निराश करने वाली खबर थी। दरअसल, लंबी चमकदार पूंछ के साथ साल में दो-चार धूमकेतुओं का पृथ्वी के नजदीक आने का क्रम बना रहता है। धूमकेतु सौरमंडल के अंतिम छोर के सदस्य हैं जो बर्फ से ढके रहते हैं और सूर्य का चक्कर लगाकर लौट जाते हैं। सूर्य के करीब पहुचने पर इनकी बर्फ और धूल-कण आदि एक चमकदार पूंछ की तरह नजर आती है। सूर्य के नजदीक पहुंचते हुए यह पूंछ लंबी हो जाती है। इधर, अब धूमकेतु ए-3 विखंडित होने के बाद आश्चर्यजनक ढंग से न केवल अपनी कक्षा में आगे बढ़ रहा है, बल्कि पूंछ भी विकसित करने में सफल हो गया। अब यह अनूठी चमक के साथ नजर आने लगा है और इसकी तस्वीरें भी कैद होने लगी हैं। इन दिनों इसे सूर्योदय से ठीक पहले पूर्वी क्षितिज के पास देखा जा सकता है। फिलहाल यह धुंधला नजर आ रहा है और दूरबीन के बिना देख पाना आसान नहीं है। 27 सितंबर को इसकी चमक 4 से 3 मैग्नीट्यूड हो जाएगी और 12 अक्टूबर को 2.5 से 2 मैग्नीट्यूड पर पहुंचने पर यह धूमकेतु और चमकीला नजर आने लगेगा। माना जा रहा कि यह स्वयं में इतनी चमक पैदा कर सकता है कि वर्ष 2024 के सर्वाधिक चमकदार धूमकेतु के रूप में पहचान बना लेगा। यह धूमकेतु 80.74 किमी प्रति सेकेंड की गति से आगे बढ़ रहा है।

अंतरिक्ष में नजर आ रहा धूमकेतु ए-3। फोटो: साभार- इंटरनेट

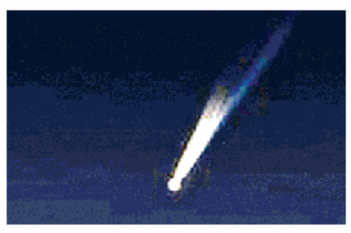

शाम को आसमान में नजर आने लगेगा : डा. शशिभूषण पांडेय के अनुसार धूमकेतु सी/2023 ए-3 अब भोर के स्थान पर शाम को पश्चिमी आकाश में नजर आने लगेगा। 12 अक्टूबर को यह पृथ्वी के सबसे करीब पहुंच जाएगा। इस बीच इसके सूर्य के संपर्क में आने की संभावना भी बनी हुई है। जिस कारण यह नष्ट हो सकता है। यदि सूर्य के संपर्क में आने से बच गया तो अक्टूबर मध्य में आकर्षक रूप में नजर आएगा।

दो अन्य धूमकेतु होंगे करीब : डा. शशिभूषण के अनुसार धूमकेतु ए-3 के बाद 333 लीनियर धूमकेतु पृथ्वी के करीब होगा, जो 29 नवंबर से दिखना शुरू होगा। नौ दिसंबर को यह पृथ्वी के सर्वाधिक करीब होगा। इसके बाद सी/2024 जी-3 धूमकेतु साल के अंत से दिखना शुरू होगा और अगले वर्ष 13 जनवरी को पृथ्वी के सर्वाधिक नजदीक पहुंचेगा।

डिप्रेशन कम करने की दवा मस्तिष्क की कार्य प्रणाली सुधारने में सहायक

अनुसंधान

एक अध्ययन में सामने आया है कि आमतौर पर डिप्रेशन के इलाज के लिए दी जाने वाली दवा मस्तिष्क की कार्यप्रणाली और याददाश्त को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकती है। यह अध्ययन जर्नल बायोलाजिकल साइकाइट्री में प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि सेलेक्टिव सेरोटोनिन रीपटेक इन्हिबिटर्स (एसएसआरआइ) एंटीडिप्रेसेंट्स में मौखिक स्मृति जैसे कुछ संज्ञानात्मक कार्यों को बेहतर बनाने की क्षमता होती है। मौखिक स्मृति भाषा के माध्यम से प्रस्तुत शब्दों, वाक्यों, कहानियों और अन्य जानकारी को याद रखने की क्षमता है।

सेरोटोनिन को फील गुड रसायन के रूप में जाना जाता है और मस्तिष्क में प्रसारित सेरोटोनिन का उच्च स्तर अच्छा महसूस कराने में योगदान देता है। नीदरलैंड में कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी अस्पताल के शोधकर्ताओं ने आठ सप्ताह तक रोजाना एसएसआरआइ एस्सिटालोप्राम लेने से पहले और बाद में 90 रोगियों में मस्तिष्क की कार्यप्रणाली की जांच की।

टीम ने सेरोटोनिन रिसेप्टर की मात्रा मापने के लिए प्रतिभागी के मस्तिष्क को स्कैन किया। रोगियों के मूड और संज्ञानात्मक क्षमताओं को मापने के लिए परीक्षणों की एक श्रृंखला भी दी गई। मस्तिष्क में 5एचटी4 रिसेप्टर की मात्रा मापने के लिए लगभग 40 रोगियों का दोबारा स्कैन किया गया। नतीजों से पता चला कि मस्तिष्क में 5एचटी4 रिसेप्टर का स्तर लगभग नौ प्रतिशत कम हो गया और रोगियों के मूड में भी सुधार हुआ। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह घटना शब्दों को याद करने की क्षमता के लिए विशेष रूप से प्रमुख थी। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

शूटिंग के बाद भी सेट पर रुके रहते हैं सोनू सूद

दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं सोनू। इंटरनेट मीडिया

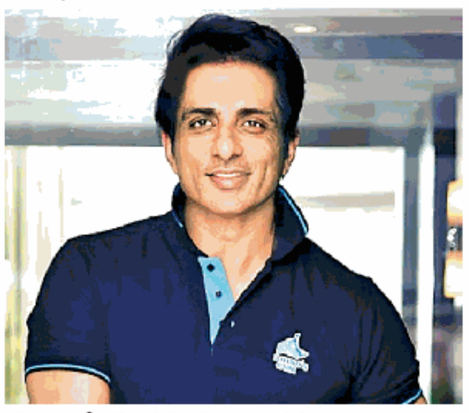

शूटिंग खत्म होने के बाद वैनिटी वैन में मेकअप उतारकर घर के लिए रवाना हो जाना, यह कलाकारों के लिए आम बात होती है। हालांकि अभिनेता सोनू सूद के साथ ऐसा नहीं है। सोनू उन कलाकारों में से हैं, जो शूटिंग के बाद भी सेट पर दो-तीन घंटे रुकते हैं। कारण है, उनकी दूसरों की मदद करने की आदत। दरअसल, कोरोना काल के बाद से ही सोनू के घर के बाहर लाइन लगा करती है। जिन्हें मदद की जरुरत होती है, वह उनके घर पहुंच जाते हैं। यह केवल उनके घर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेट पर भी लोग सोनू से मदद मांगते हैं और वह सबकी मदद करते भी हैं। सोनू कहते हैं कि अगर सेट पर छह-साढ़े छह बजे शूट खत्म हो जाता है तो भी मुझे सेट पर कई बार नौ-दस बजे तक रुकना पड़ता है। लाइटमैन हो या सेट पर काम करने वाले दूसरे सदस्य, कई बार वह कहते हैं कि सर आपसे शूटिंग के बाद थोड़ी बात करनी है। रुक जाइए। उनका मुझ पर यह विश्वास मेरे लिए बहुत खास होता है। यह 500 करोड़ रुपये के बाक्स आफिस नंबर से भी बहुत बड़ा है। मैं तो हर दिन ईश्वर का शुक्रिया अदा करता हूं कि वह मेरा सही दिशा में मार्गदर्शन कर रहे हैं। किसी को अगर आपसे कोई उम्मीद नहीं है तो फिर समझिए कि आप का जीवन अधूरा है।

खबरदार, जो 'सिर्फ' कामेडियन कहा

विलेन, हीरो, कामेडियन ऐसे अलग-अलग श्रेणियों में अक्सर कलाकारों को उनके काम के आधार पर बांट दिया जाता है। हर जानर अपने आप में कठिन है, लेकिन कामेडियन और अभिनेता सुनील ग्रोवर को तब बुरा लगता है कि जब कोई किसी कामेडियन के लिए यह कह देता है कि वह तो सिर्फ कामेडी करता है। सुनील कहते हैं कि कामेडी के आगे सिर्फ लगा देना इस सोच को बदलने की जरुरत है। हर तरह के जानर में काम बहुत कम ही कलाकार कर पाते हैं। जो लोग ऐसा कर पाते हैं, उनके लिए बहुत अच्छी बात है। लेकिन कामेडी सिर्फ कामेडी नहीं होती है। वह अपने आप में पूरा ब्रह्मांड है। यह सबसे कठिन कला है। जो कामेडी करते हैं और लोगों को हंसाते हैं, उनके लिए मेरे मन में बहुत इज्जत है। कोई किस मूड में बैठा है, उसके चेहरे पर हंसी लानी है, वह कोई मजाक का काम नहीं है। अब कोई आदमी खाना खाकर बैठा है, उसका पेट भरा हुआ है तो हो सकता है, उसे जोक समझ न आए या वह उस मूड में ही न हो। दस और ऐसी परिस्थितियां हो सकती हैं, उन्हीं परिस्थितियों में आपको लोगों को हंसाना है। जब सिर्फ कामेडी या कामेडियन कहा जाता है तो हमेशा लगता है जैसे कोई मजाक बना रहा है। मैंने करीब से कामेडियनों को देखा है। अपनी कला के लिए सबसे ज्यादा इज्जत पाने के हकदार हैं। हम जब हंसते हैं तो उन पर न हंसे, उनके काम पर हंसे, क्योंकि वह बहुत गंभीरता से हंसाने का काम करते हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीजन में फिर कामेडी कर रहे हैं सुनील। @whosunilgrover (इंस्टाग्राम)

जब सोनू निगम ने पूछा, ज्यादा लाइव आने से अहमियत कम होती है क्या

इंटरनेट मीडिया पर सितारों के जीवन से जुड़े लगातार पोस्ट से क्या उनके स्टारडम या लोगों के बीच उनको लेकर उत्सुकता पर भी फर्क पड़ता है? इन दिनों सिनेमा जगत में इस बात पर खूब चर्चा हो रही है। इसी बीच अब गायक सोनू निगम ने भी पूछ लिया कि लाइव आने से अहमियत कम होती है क्या? दरअसल, एक कंसर्ट के सिलसिले में सोनू सोमवार को बैंकाक में थे। वहीं से प्रशंसकों से बातचीत करने के लिए वह इंस्टाग्राम पर लाइव जुड़े। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह मंगलवार को मुंबई आ जाएंगे। इस दौरान सोनू वहां के एक रेस्तरां में बैठे थे और कोई व्यंजन खा रहे थे। सोनू ने उसके बारे में भी बताया और फिर बात पहुंच गई, उनकी शापिंग तक। शापिंग के बारे में उन्होंने बताया कि वैसे तो मैं ज्यादातर अपने शोक के लिए ही शापिंग करता हूं, कभी-कभी बाहर जाने के लिए भी कर लेता हूं। मेरी शापिंग सिर्फ 10 मिनट में हो जाती है। अपने इस लाइव के अंत में सोनू कहते हैं कि हम फिर से लाइव आएंगे। फिर अपने सामने बैठे शख्स से पूछते हैं कि क्या ज्यादा लाइव आने से अहमियत कम होती है? फिर हंसते हुए कहते हैं कि अगर अहमियत कम होती है तो हम अहमियत कम करेंगे, लेकिन लाइव आएंगे। सोनू का अगला कंसर्ट पुणे में होगा।

जल्द ही अमाल मलिक के साथ गाना लाने वाले हैं सोनू। @sonunigamofficial (इंस्टाग्राम)

खुद को सीक्वल का निर्देशक नहीं मानते इम्तियाज

सीक्वल फिल्मों के दौर में जहां कई निर्माता-निर्देशक अपनी हिट फिल्म की कहानी को सीक्वल के जरिये आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं निर्देशक इम्तियाज अली इसमें बिल्कुल दिलचस्पी नहीं रखते हैं। जब वी मेट, लव आजकल, राकस्टार, हाईवे जैसी कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज का क्या अपनी हिट फिल्मों का सीक्वल बनाने का मन नहीं करता है? इस पर वह कहते हैं कि सच कहूं तो जो कहानी मैंने कह दी, उसे फिर आगे बढ़ाने का खयाल कभी नहीं आता है। मैं जो कहानियां कहता हूं, उन्हें एक ही फिल्म में खत्म कर देता हूं। फिर उसमें कहानी को आगे बढ़ाने की संभावना तलाशना मुझसे नहीं होता। शायद मैं सीक्वल बनाने वाला निर्देशक ही नहीं हूं। जो फिल्म बन गई, सो बन गई। फिर अगली कहानी में कोई नई बात होगी, नई कहानी होगी। आगे इम्तियाज ने बताया कि फिलहाल वह एक फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसकी कहानी लिखने में व्यस्त हैं।

इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं इम्तियाज। @imtiazaliofficial (इंस्टाग्राम)

परिवारवाद का आरोप झेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं

अभिनेता वरुण धवन की भतीजी और अनिल धवन की पोती, अंजिनी धवन 27 सितंबर को प्रदर्शित हो रही फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से अभिनय में कदम रख रही हैं। चूंकि अंजिनी फिल्मी हस्तियों के परिवार से आती हैं, तो उनके इर्द-गिर्द सिनेमा में वंशवाद और परिवारवाद की चर्चाएं भी स्वाभाविक हैं। उन्होंने इन पहलुओं के बारे में सोच समझकर सिनेमा में कदम रखा है। वह कहती हैं, 'मैं परिवारवाद का आरोप झेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। मैं मानती हूं कि मुझे इसका फायदा मिला है। धवन परिवार से जुड़े होने के कारण मुझे बेस्ट डांस टीचर और कौन सी एक्टिंग क्लास जानी है, ऐसी सारी चीजों के बारे में पता है। अगर मुझे कभी किसी चीज पर कोई सुझाव चाहिए होता था, तो मैं तुरंत वरुण अंकल को फोन करके पूछ लेती थी।'

अभिनय सफर: अंजिनी बताती हैं, 'मैंने 17 साल की उम्र से ही एक्टिंग पर काम करना शुरू कर दिया था। मैंने कथक, बालीवुड हिप हाप और और बेली डांस भी सीखा है। संजय सर (निर्देशक संजय त्रिपाठी) ने मेरा एक आडिशन देखा था। वो आडिशन मैंने किसी दूसरी फिल्म के लिए दिया था, जो मुझे नहीं मिली। वह देखने के बाद संजय सर ने मुझे बुलाया और बिन्नी एंड फैमिली फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने इस फिल्म के लिए एक और आडिशन दिया और इस फिल्म का हिस्सा बन गई।'

फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से हिंदी सिनेमा में कदम रख रही हैं अंजिनी • टीम अंजिनी

दादा-पोती की गासिप

फिल्म बिन्नी एंड फैमिली जेनरेशन गैप (दो पीढ़ियों की मानसिकता के बीच अंतर) पर आधारित है। जनरेशन गैप और अपने दादा अनिल धवन से रिश्तों के लेकर अंजिनी बताती हैं, 'जेनरेशन गैप को सिर्फ बातचीत के जरिये ही भरा जा सकता है। हम अपने बड़ों से जितना ज्यादा बात करेंगे, जेनरेशन गैप उतना ही कम होगा। मेरे और मेरे दादा के बीच तो बहुत ज्यादा गासिप होती रहती है। किसने क्या किया, कैसे किया, कहां किया, यह सारी बातें हम दोनों एकदूसरे से करते रहते हैं। वह मेरे लिए दुनिया का सबसे अच्छा चीज डोसा बनाते हैं और मैं उसे बड़े चाव से खाती हूं।'

व्यवसायी भी हैं अंजिनी

अभिनेत्री बनने से पहले अंजिनी चिकनकारी कपड़ों का अपना व्यवसाय लेबल जियानी भी शुरू कर चुकी हैं। वह बताती हैं, 'मैंने इसे 20 साल की उम्र में शुरू किया था। दरअसल, लोग अक्सर मेरे पहने हुए चिकनकारी के बारे में पूछा करते थे। तब मुझे लगा कि मुंबई में हाथ से बनाया चिकनकारी बहुत महंगा है। फिर मैंने और मेरी बेस्ट फ्रेंड देव्यानी ने यह बिजनेस शुरू किया। तब हमने सोचा था कि यह बस तीन-चार महीने में इसे बंद कर देंगे लेकिन अब यह अच्छा खासा चल रहा है।'

...इसलिए घर से नहीं हुई लांच

जब हिंदी सिनेमा में पारिवारिक पृष्ठभूमि इतनी मजबूत है, तो अपने परिवार के बैनर तले शुरुआत क्यों नहीं की? इस पर अंजिनी कहती हैं, 'सच बताऊं तो मेरे दिमाग में कभी ऐसा ख्याल भी नहीं आया। मेरे परिवार में आपको वही चीज मिलती हैं जिसके आप हकदार होते हैं। हमारे घर में ऐसा माहौल नहीं है कि मैं दादा को खुद को लांच करने के लिए बोलूं। आप देखेंगे तो मेरे डैड भी एक्टिंग करना चाहते थे, लेकिन डेविड दादू (डेविड धवन) ने उन्हें भी नहीं लांच किया था। फिर वरुण व रोहित (धवन) अंकल को भी उन्होंने लांच नहीं किया था। वही चीज मेरे मामले में भी लागू होती है।'

ऐश्वर्या ने फिर पहनी अपनी शादी की अंगूठी

ऐश्वर्या और अभिषेक ने साल 2008 में की थी शादी • मिडडे आर्काइव

सितारों से जुड़ी अफवाहें और कयास कई बार वह इतना ज्यादा बढ़ जाते हैं कि उन्हें स्वयं सामने आकर उस पर जवाब देना पड़ जाता है। ऐसे ही कयास पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री ऐश्वर्या राय और उनके पति तथा अभिनेता अभिषेक बच्चन के बीच तलाक की खबरों को लेकर लगाए गए हैं। इन कयासों को थोड़ी हवा और मिली जब पहले अनंत अंबानी की शादी में और फिर एयरपोर्ट पर अभिषेक बिना ऐश्वर्या के दिखे। अब संकेतों में ही सही, लेकिन इन कयासों पर ऐश्वर्या ने विराम लगाने की कोशिश की है। दरअसल, वह फिलहाल एक फैशन वीक का हिस्सा बनने के लिए पेरिस में हैं। वहां से उनका एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में ऐश्वर्या अपनी शादी की अंगूठी पहने दिख रही हैं। इतना ही नहीं, जब वह अपनी तरफ कैमरा आते हुए देखती हैं, तो बाकायदा ऐसी गतिविधियां करती हैं, जिससे लोगों की नजर उस अंगूठी पर जाए। जब कैमरा उनके और करीब जाता है, तो वह आंख मारते हुए आगे बढ़ जाती हैं। अब सच्चाई क्या है, वो तो ऐश्वर्या-अभिषेक ही जानते हैं, लेकिन इसके बाद तलाक की खबरों पर थोड़ा विराम तो लग ही जाएगा।

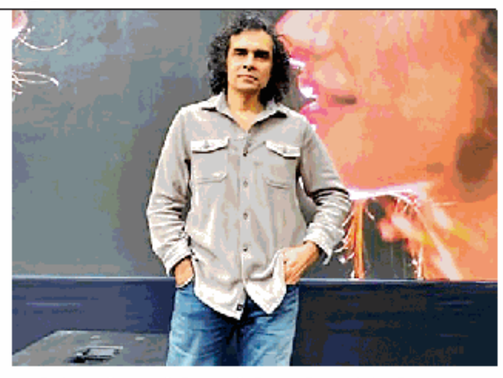

ऐसी कोई फिल्म नहीं बनाता हूं, जिसमें मैं अभिनय न करूं : सोहम

टिकट खिड़की पर दोबारा रिलीज होने वाली फिल्मों में अभिनेता व निर्माता सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड भी शामिल है। फिल्म ने 10 दिनों में 21.57 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। छह साल पहले रिलीज हुई तुम्बाड की सीक्वल फिल्म पर सोहम काफी समय से काम कर रहे थे। फिल्म की अच्छी कमाई को देखते हुए तुम्बाड 2 की भी घोषणा कर दी है। इस पर सोहम कहते हैं, 'तुम्बाड 2 की कहानी पर काम तो चल ही रहा था। मुझे लगता है कि किस्मत की भी बात होती है। छह साल से कोशिश कर रहे हैं कि इसकी कहानी को आगे बढ़ाया जाए। मेरे पास अब भी बाउंड स्क्रिप्ट नहीं है। 40 पेज की कहानी है, चार-छह महीने में स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी। मुझे लगा कि घोषणा कर दी जानी चाहिए। तुम्बाड की रीरिलीज के दौरान लगा सही समय है।' क्या सोहम इसमें भी अभिनय करेंगे? इस पह वह कहते हैं, 'मेरे बिना फिल्म नहीं बन सकती है। निर्माता के काम पर कोई ध्यान नहीं देता है। अभिनय की सबसे लाजवाब बात है कि लोग आपको पहचानते हैं। मैं ऐसी कोई फिल्म नहीं बनाता हूं, जिसमें मैं एक्टिंग न करूं। मैं सिनेमा बनाने के लिए जुनूनी हूं, लेकिन अभिनय करने के लिए उससे ज्यादा जुनूनी हूं।'

तुम्बाड की रीरिलीज को मिली प्रतिक्रिया से खुश हैं सोहम • (इंस्टाग्राम)

****